सूर्योदय 6:36 सूर्यास्त 5:33

आज का तापमान

शिमला	11.0 न्यू	22.2 अधि
धर्मशाला	12.6 न्यू	26.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	74,459.53
निफ्टी	23,053.10

सोना 1,41, 000 चांदी 1,84, 000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | सोमवार, 2 नवंबर 2026 | 17 कार्तिक, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 187, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

एसआईआर के खिलाफ विपक्ष की महारैली, भाजपा ने निकाला 'लोकतंत्र बचाओ' मार्च

राहुल बोले- मेरी बात सच होगी, ज्ञानेश कुमार जेल जाएंगे; नड्डा बोले- आज के दिन सिखों का नरसंहार हुआ, राहुल अपनी राजनीति के लिए शहीदों को भूले

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की रैली के दौरान विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार और चुनाव प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लोकतंत्र को कमजोर करने और विपक्ष को डराने की कोशिश करने का आरोप लगाया। वहीं, पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने एसआईआर और मतगणना को लेकर चुनाव आयोग पर निशाना साधा। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी यादव ने भी कथित वोट चोरी का मुद्दा उठाया। वहीं, राहुल गांधी ने कहा- मेरी बात सच होगी, ज्ञानेश कुमार सीईसी के पद से हटेंगे और जेल जाएंगे। एसआईआर और ज्ञानेश कुमरी के विरोध में पिछले 25 दिनों में विपक्ष सातवीं बार एकजुट हुआ था। इससे पहले 6 से 13 अक्तूबर के बीच 6 बार प्रदर्शन हो चुके हैं।



खड़गे बोले- मोदी अपना वोट खुद चुन रहे

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी आज लोगों में फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं, वे खुद वोट चुन रहे हैं। उनको वोट कौन देगा, वे वोट्स चुनते हैं। आज की केंद्र सरकार, बिहार सरकार, यूपी सरकार, ये सब चोरी की सरकार हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि चलो दिल्ली मार्च ऐतिहासिक है। मोदी जी, शाह ने युवाओं का वोट छीनने की कोशिश की। महिलाओं का वोट छीनने की कोशिश की। उसके खिलाफ आज हम जुटे हुए हैं।

2022 में यूपी में वोट चोरी की सरकार बनी : अखिलेश

अखिलेश यादव ने कहा कि हम आपने देखा है कि भाजपा लगातार साजिश रच रही है। वे जानते हैं लोकतंत्र से जीत नहीं सकते तो चुनाव आयोग को हथियार बनाया। उन्होंने बंगाल चुनाव उन्होंने लूटा है। चुनाव से पहले एसआईआर कराकर वोट कटवा दिए थे।

हम हारे नहीं, हराया गया : ममता

ममता बोलीं हम छोड़ेंगे नहीं, जिंदगी देंगे, हम लड़ेंगे। हमारा बंगाल लूट लिया गया। हम लोकतंत्र बचाएंगे। लोकतंत्र लूटा गया, अधिकार लूटा गया, इलेक्शन कार्डटिंग लूटी गई। आप सिर्फ वोट नहीं, पूरी कार्डटिंग वैनिश की है। हम हारे नहीं, हमको हराया गया है। ममता ने ये भी कहा कि आपने नौकरी लूटी, जिंदगी लूटी, मां-बहनों का सम्मान लूटा।

ज्ञानेश कुमार को जेल भेजो : तेजस्वी यादव

राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि वैसे तो रामलीला मैदान में रामलीला आयोजित होती है। हमने वोट चोरों के लिए महाभारत का आयोजन किया है। हमें कुरुक्षेत्र बनाना पड़ रहा है। आप शकुनि को जानते हैं, उसका पांसा कौन था। शकुनि जब पासा फेंकता था तो वह वही कहता था जो वो कहता था।

सिख दंगा पीड़ितों के समर्थन में भाजपा ने निकाला मार्च

एजेंसी, नई दिल्ली। इंडिया ब्लॉक की रामलीला मैदान में रैली के विरोध में भाजपा ने दिल्ली समेत देशभर में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च निकाला। दिल्ली में हरि नगर से तिलक नगर तक करीब एक किमी लंबा मार्च निकाला गया। इसमें 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ित परिवार और सिख समुदाय के लोग शामिल हुए। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस ने रामलीला मैदान में एसआईआर के खिलाफ रैली के लिए 1 नवंबर का दिन जानबूझकर चुना है। 1 नवंबर 1984 को सिख विरोधी हिंसा हुई थी। वहीं, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने हरियाणा के रोहतक में रैली निकाली। उन्होंने कहा कि वोट चोरी कांग्रेस की विरासत है। ये वोट चोरी भी करते हैं और जनता के वोट का अपमान भी करते हैं। राहुल गांधी विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि आज सिख विरोधी हिंसा के पीड़ितों को याद करना चाहिए था, लेकिन राहुल गांधी उन्हें भूलकर रामलीला मैदान में अपनी राजनीति चमका रहे हैं।

नवीन का आरोप- राहुल विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम कर रहे



नितिन नवीन ने कहा राहुल गांधी विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम कर रहे हैं। वे विदेशी ताकतों के इशारे पर देश के लोकतंत्र को चुनौती देना चाहते हैं। देश की 140 करोड़ जनता देख रही है, उसे मालूम है कि ये कौन लोग हैं। ये वही लोग हैं जिन्होंने विदेशों में अराजकता फैलाई। कांग्रेस के लोग कहते हैं कि सत्ता बदल देंगे।

राहुल विदेश जाकर भारत का करते हैं अपमान : नड्डा



जेपी नड्डा ने कहा कि त्योहारों का सीजन है। साल भर व्यापारी इंतजार करते हैं कि त्योहारों में दो पैसे कमाई होगी, लेकिन राहुल को इनकी परवाह नहीं। सीटीआई ने चार-चार बार उन्हें चिट्ठी लिखकर गुहार लगाई कि इतना बड़ा प्रदर्शन मत करिए लेकिन राहुल के तमाशे के कारण 10 हजार करोड़ का नुकसान होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के कारण उनका धंधा बंद हो गया है। इंडिया ब्लॉक के भाइयों से पूछना चाहता हूं कि क्या आप भी इस पाप में साझेदार है। क्या आप भाजपा से नफरत करते करते देश की जनता से भी नफरत करने लगे हैं। नड्डा ने कहा कि राहुल विदेश जाकर भारत का अपमान करते हैं।

न्यूज शॉर्ट्स

इजराइल में आइजनकोट ने गठबंधन की 4 शर्तें रखीं

एजेंसी, तेल अवीव। इजराइल में विपक्षी नेता गादी आइजनकोट ने नई सरकार बनाने के लिए 4 शर्तें रखी हैं। इजराइली मीडिया वायनेट के मुताबिक, इनमें हरेदी समुदाय को सैन्य सेवा देना अनिवार्य होगा। इसके अलावा इजराइल को यहूदी और लोकतांत्रिक देश बनाए रखना और गाजा से हमास का शासन खत्म करना शामिल है। आइजनकोट ने कहा कि इन शर्तों को मानने वाले दलों के लिए गठबंधन में शामिल होने का रास्ता खुला है। दरअसल, 27 अक्तूबर को हुए चुनाव में किसी भी गठबंधन को बहुमत नहीं मिला। 120 सीटों वाली संसद में सरकार बनाने के लिए 61 सीटें जरूरी हैं। आइजनकोट की पार्टी याशार 21 सीटें जीतकर विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। वे प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को सत्ता से हटाने के लिए अलग-अलग दलों के नेताओं से बातचीत कर रहे हैं।

दिवाली से पहले कॉमर्शियल सिलेंडर 17 रुपए तक महंगा

एजेंसी, नई दिल्ली। दिवाली से ठीक पहले देश में व्यावसायिक रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में लगातार तीसरे महीने बढ़ोतरी की गई है। एक नवंबर 2026 से 19 किलोग्राम वाले व्यावसायिक गैस सिलेंडर के दाम प्रमुख महानगरों में 10 से 17 रुपए तक बढ़ गए हैं। इससे होटल, ढाबा और रेस्तरां संचालकों को अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाना पड़ेगा। दिल्ली में व्यावसायिक गैस सिलेंडर की कीमत 10 रुपए बढ़कर 2820 रुपए हो गई है। इससे पहले अक्तू बर में इसकी कीमत 2810 रुपए थी। हालांकि, आम घरेलू उपभोक्ताओं को फिलहाल राहत मिली है। 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में लगातार छठे महीने कोई बदलाव नहीं किया गया है।

दिल्ली की विरासत संवारेंगे, विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे : सीएम रेखा

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संदेश साझा करते हुए दिल्ली के गौरवशाली इतिहास और भविष्य के प्रति सरकार के संकल्प को दोहराया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'सदियों की कहानियां समेटे इस शहर की यात्रा में 1 नवंबर 1956 को एक नया अध्याय जुड़ा, जब दिल्ली को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा मिला। हमारा संकल्प है कि दिल्ली की सदियों पुरानी पहचान भी अक्षुण्ण रहे और उसका भविष्य भी भव्य बने। दिल्ली की विरासत भी संवरेंगी, दिल्ली का विकास भी नई ऊंचाइयों को छुएगा। हर गली में खुशहाली, हर घर में आधुनिक सुविधाएं और हर नागरिक के जीवन में समृद्धि सुनिश्चित करेंगे। हम दिल्ली को उसके गौरवशाली अतीत के अनुरूप एक शानदार भविष्य देकर रहेंगे। इस दिवस की आप सभी दिल्लीवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।



◆ दिल्ली स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

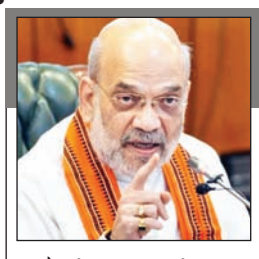
राहुल गांधी कभी नहीं बन पाएंगे प्रधानमंत्री : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री बोले- 3 चुनाव हारने के बाद भी नहीं बदली विपक्ष की कार्यशैली

एजेंसी, चंडीगढ़। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वह कभी देश के प्रधानमंत्री नहीं बन पाएंगे। सोनिया गांधी का सपना है कि उनका बेटा प्रधानमंत्री बने, लेकिन यह सपना पूरा नहीं होने वाला। शाह ने कहा कि अगर राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनना है तो उन्हें पूरी जिंदगी मॉक पार्लियामेंट में ही बने रहना चाहिए।

शाह रविवार को चंडीगढ़ के सेक्टर-17 स्थित तिरंगा पार्क में 250 करोड़ रुपये की लागत वाली नौ परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कांग्रेस पर झूठ बोलने, अराजकता फैलाने और संसद की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष की यही कार्यशैली रही तो आने वाले पांच साल भी विपक्ष में बैठने के लिए तैयार रहना चाहिए।

1984 के सिख विरोधी दंगों को लेकर कांग्रेस पर हमला



शाह ने कांग्रेस के कार्यक्रम को लेकर 1984 के सिख विरोधी दंगों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि हजारों सिखों को जिंदा जलाए जाने की घटना के दिन कार्यक्रम आयोजित करने से सिख परिवारों की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने इस फैसले की निंदा करते हुए कहा कि पंजाब और भारत इसे कभी नहीं भूलेंगे।

पंजाब में एनडीए सरकार बनाने की अपील

गृह मंत्री ने चंडीगढ़ को नशामुक्त बनाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि एनडीपीएस मामलों में नए कानूनों के बाद चंडीगढ़ पुलिस ने 93 प्रतिशत आरोपियों को जेल भेजा है। उन्होंने पंजाब के आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए की सरकार बनाने की अपील की। इस अवसर पर पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा के स्थापना दिवस पर लोगों को बधाई दी।

12 साल में 49 करोड़ लोग गरीबी से निकले : पीएम मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली। पीएम मोदी ने कहा कि 2011 से 2023 के बीच भारत में 49.6 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए।

इस दौरान देश में अत्यधिक गरीबी की दर 90% तक कम हुई। मोदी ने वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि गरीबी खत्म करना सरकार के लिए सिर्फ नारा नहीं, बल्कि पक्का संकल्प है। मोदी ने यह भी कहा कि पिछले 6 साल में रोजगार के 13.4 करोड़ नए अवसर बने हैं। यह संख्या कामकाजी उम्र की आबादी में हुई बढ़ोतरी से करीब दोगुनी है। उन्होंने देश में आर्थिक असमानता कम होने की बात भी कही। प्रधानमंत्री ने ये आंकड़े इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए साझा किए। वर्ल्ड बैंक ने अक्तूबर में 'इंडिया पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ' नाम से रिपोर्ट जारी की थी। इसके मुताबिक, भारत में अत्यधिक गरीबी की दर 2011 में 27.1% थी, जो 2023 में घटकर 2.6% रह गई। मोदी ने कहा कि वर्ल्ड बैंक के मुताबिक भारत में दुनिया में सबसे तेजी से गरीबी कम हुई है। उन्होंने आर्थिक असमानता मापने वाले गिनी इंडेक्स का भी जिक्र किया। उनके मुताबिक, इसमें 20% से ज्यादा की गिरावट आई है और यह घटकर 23.0 पर पहुंच गया है। रिपोर्ट के अनुसार, रोजाना करीब 400 रुपए (4.20 डॉलर) से कम कमाने वाले लोगों की आबादी 57.7% से घटकर 16.1% रह गई है।



लोकतंत्र की रक्षा के लिए देश एकजुट : सुक्खू

कहा-दिल्ली की महारैली में उमड़ा जनसैलाब, हिमाचल के हजारों साथी भी शामिल

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। वोट चोरी के आरोपों व लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के मुद्दे को लेकर दिल्ली में आयोजित महारैली में देशभर से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। हिमाचल प्रदेश से भी हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने इस आयोजन में भाग लिया। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने स्वयं महारैली में शामिल होकर इस मुद्दे पर अपनी भागीदारी दर्ज करवाई।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि वोट चोरी और लोकतंत्र पर किसी भी तरह का हमला बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। लोकतंत्र की मजबूती जनता के मताधिकार और उसकी स्वतंत्र आवाज में निहित है। उन्होंने कहा कि देशभर से दिल्ली पहुंचे लोगों की मौजूदगी इस बात का संदेश है कि नागरिक अपने लोकतांत्रिक अधिकारों को लेकर सजग हैं और उनकी रक्षा के लिए एकजुट होकर अपनी आवाज उठा रहे हैं।



उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश के हजारों साथियों की इस महारैली में भागीदारी उनके लोकतांत्रिक विश्वास और प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह आयोजन लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े सवालों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। मुख्यमंत्री ने महारैली में उमड़ी भीड़ का उल्लेख करते हुए कहा कि आज दिल्ली में दिखाई दिया जनसमूह लोकतंत्र की रक्षा के संकल्प को सामने रखता है। यह महारैली लंबे समय तक याद रखी जाएगी।

पंजाब में दो 'आप' विधायकों ने पार्टी छोड़ी

एजेंसी, पटियाला। पंजाब में आम आदमी पार्टी आप के 40 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी होने के बाद 2 विधायकों ने पार्टी छोड़ दी है। इनमें पटियाला के समाना से विधायक चेतन सिंह जौड़ामाजरा और सनौर से विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा शामिल हैं। जौड़ामाजरा आप सरकार में मंत्री रह चुके हैं, लेकिन कुछ समय पहले पार्टी ने पूर्व अकाली नेता सुरजीत सिंह रखड़ा को उनकी जगह पर समाना विधानसभा सीट का हलका इंचार्ज बना दिया था। वहीं, हरमीत सिंह पठानमाजरा पर रेप का केस दर्ज हुआ था, जिसके बाद वे ऑस्ट्रेलिया फरार हो गए थे। वित्तमंत्री हरपाल चीमा ने कहा- हमारे किसी नेता ने भी अगर कभी भ्रष्टाचार किया या पंजाब के हितों के खिलाफ जाने की कोशिश की तो हमने बेझिझक एक्शन लिया और ऐसे लोगों को किनारे किया।

भेदभाव भुलाकर विकसित हरियाणा का संकल्प लें : मुख्यमंत्री नायब सैनी

एजेंसी, चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने राज्य स्थापना दिवस पर प्रदेशवासियों को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि हम सभी को आपसी भेदभाव भुलाकर हरियाणा को विकसित हरियाणा बनाने का संकल्प लेना चाहिए।

एक नवंबर 1966 को पंजाब से अलग होकर अस्तित्व में आए हरियाणा की स्थापना के रविवार को 60 वर्ष पूरे हुए हैं। हरियाणा प्रदेश आज से हीरक जयंती वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इस अवसर पर प्रदेशवासियों के नाम जारी वीडियो संदेश में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि वह हरियाणा के गठन के लिए संघर्ष करने वाले तथा आधुनिक हरियाणा के निर्माण के लिए कठिन परिश्रम करने वाले महानुभवों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि एक नवंबर 1966 को जब हरियाणा अस्तित्व में आया, तो यह बेहद पिछड़ा राज्य था। इस प्रदेश को आधुनिक विकसित हरियाणा बनाने में अन्नदाता किसान, मेहनतकश मजदूर, कर्मठ उद्योगपति व व्यापारी, धाकड़ खिलाड़ी आदि सभी का योगदान है। जब हम अपने पिछले 60 वर्ष के अतीत में झांककर देखते हैं,तो हमारे छोटे से प्रदेश की बड़ी उपलब्धियों पर गर्व होता है। सैनी ने कहा कि आज हरियाणा देश के सबसे तेजी से विकसित हो रहे राज्यों में से एक है। हमारी उपलब्धियों की चर्चा देश में ही नहीं विदेशों में भी होती है। हरियाणा प्रदेश की हीरक जयंती आत्मचिंतन करने और आने वाले स्वर्णिम भविष्य का खाका खींचने का अवसर है। हमारा लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के विजन को साकार करने में हरियाणा का अधिक योगदान करना है। हरियाणा की हीरक जयंती के अवसर पर हम सभी प्रकार के भेदभाव से उठकर हरियाणा को विकसित राज्य बनाने का संकल्प लें।



◆ सीएम ने हरियाणा स्थापना दिवस पर प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

2017 से पहले तुष्टीकरण का तेजाबी दंश सहने को विवश थी अयोध्या : सीएम योगी

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को 'एक्स' पर पोस्ट कर प्रदेशवासियों को अयोध्या की प्राचीन व नवीन तस्वीर से अवगत कराया।

उन्होंने अयोध्या को लेकर पूर्ववर्ती सरकार को आईना दिखाया तो अपनी सरकार में किए गए कार्यों का उल्लेख भी किया। मुख्यमंत्री ने लिखा कि अयोध्या सभ्यता की जन्मभूमि, संस्कृति की प्राणधारा और आस्था की शाश्वत ज्योति है, लेकिन वर्ष 2017 से पहले यह दिव्य नगरी उपेक्षा, अव्यवस्था और तुष्टीकरण का तेजाबी दंश सहने के लिए विवश थी। श्रद्धालुओं की यात्रा कठिन, नगर की व्यवस्थाएं जर्जर और स्थानीय परिवारों की संभावनाएं सीमित थीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या की प्राचीन गरिमा को आधुनिक विकास का नया विस्तार मिला है। भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर से लेकर रामपथ, धर्मपथ, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और आधुनिक रेलवे स्टेशन तक, हर निर्माण श्रद्धालुओं की सुविधा एवं राम नगरी के गौरव से जुड़ा है। इस परिवर्तन का प्रकाश अयोध्या वासियों के घर-आंगन तक पहुंच रहा है। बढ़ता पर्यटन व्यापार को संबल दे रहा है, नए अवसर युवाओं को रोजगार से जोड़ रहे हैं और स्थानीय परिवार समृद्धि की नई आशाएं संजो रहे हैं।

विरासत के साथ प्रगति का नया अध्याय लिख रही प्रभु श्रीराम की प्राणप्रिय नगरी



मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी विकास की प्रतीक्षा करती अयोध्या आज अपनी विरासत के साथ प्रगति का नया अध्याय लिख रही है। असंख्य सनातनियों की आस्था, अस्मिता और आराधना का यह केंद्र आज 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' के संकल्प को साकार करते हुए सांस्कृतिक चेतना और समृद्धि का उज्ज्वल प्रतीक बन गया है।

◆ सीएम ने 'एक्स' पर पोस्ट कर प्रस्तुत की अयोध्या की प्राचीन व नवीन तस्वीर

◆ अब विरासत के साथ प्रगति का नया अध्याय लिख रही है प्रभु श्रीराम की प्राणप्रिय नगरी

समापन उत्तराखंड खेलभूमि के रूप में बना रहा पहचान, देहरादून ने जीती मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी

खेल महाकुंभ ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का सशक्त मंच बना : धामी

एजेंसी, देहरादून। उत्तराखंड में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित खेल महाकुंभ-2026 का रविवार को देहरादून में समापन हो गया।

इस वर्ष प्रतियोगिता में करीब 3.17 लाख खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या लगभग 2.20 लाख थी। इस प्रकार एक वर्ष में खिलाड़ियों की भागीदारी में करीब 97 हजार की वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि के साथ-साथ खेलभूमि के रूप में भी अपनी पहचान बना रहा है। खेल महाकुंभ ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को पहचान दिलाने तथा उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देने का सशक्त मंच बन गया है। नन्नूरखेड़ा स्थित मिनी स्टेडियम में आयोजित समापन समारोह में मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी देहरादून जनपद ने जीती। मुख्यमंत्री ने विजेता जनपद को ट्रॉफी के साथ पांच लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की। धामी ने कहा कि वर्ष 2017 में शुरू किए गए खेल महाकुंभ का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को आगे लाना था। इस वर्ष एक सितंबर को चम्पावत के टनकपुर से शुरू हुई प्रतियोगिताएं न्याय पंचायत, विधानसभा और संसदीय क्षेत्र स्तर से होते हुए राज्य स्तर तक आयोजित की गईं।



उन्होंने बताया कि इस वर्ष 32 खेल विधाओं में प्रदेश की 662 न्याय पंचायतों, 70 विधानसभा क्षेत्रों और संसदीय क्षेत्र स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि इनसे अनुशासन, आत्मविश्वास, संघर्ष और टीम भावना भी विकसित होती है। खेल मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि इस वर्ष खेल महाकुंभ के लिए 3.33 लाख से अधिक खिलाड़ियों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया था, जिनमें से करीब 3.17 लाख खिलाड़ियों ने प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिताओं में पारंपरिक खेलों के साथ आधुनिक और ओलंपिक खेलों को भी शामिल किया गया। उन्होंने बताया कि विभिन्न स्तरों पर विजेता खिलाड़ियों को करीब 11.50 करोड़ रुपए की नकद पुरस्कार राशि दी जाएगी। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार राशि के साथ प्रमाणपत्र और पदक प्रदान किए गए। राज्य स्तर पर प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को ट्रैकसूट, खेल किट, जूते और भोजन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई।

खिलाड़ियों को 11.30 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि देगी सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए आर्थिक सहायता और बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। इस वर्ष करीब 11.30 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से खिलाड़ियों के बैंक खातों में भेजी जा रही है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी की राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त करने वाले पात्र खिलाड़ियों को निर्धारित नियमों के तहत सरकारी सेवाओं में सीधी भर्ती के पदों पर चार प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण का लाभ देने का निर्णय लिया गया है।

हिमाचल में 2027 में भाजपा की वापसी का सरमा ने किया दावा

रोजगार, महिला सहायता , ईवीएम और चुनावी वादों पर हिमंत ने सुक्खू सरकार के दोहरे रुख पर उठाए सवाल

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को शिमला में भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में हिमाचल प्रदेश से कांग्रेस सरकार की विदाई तय है और भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में लौटेगी। उन्होंने कहा कि शिमला में उमड़ा जनसमर्थन प्रदेश में राजनीतिक बदलाव का संकेत है।

सरमा ने मुख्यमंत्री सुक्खू पर निशाना साधते हुए ईवीएम के मुद्दे पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश में इसी मतदान प्रणाली के माध्यम से चुनाव जीतकर सरकार बनाई है, लेकिन अब मुख्यमंत्री उसी ईवीएम के विरोध में दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि यदि कांग्रेस को ईवीएम पर भरोसा नहीं है तो वह इसी प्रणाली से मिले जनादेश के आधार पर सत्ता में क्यों है। उन्होंने राहुल गांधी से भी अपनी रायबरेली लोकसभा सीट की जीत को लेकर अपना पक्ष स्पष्ट करने को कहा। असम के मुख्यमंत्री ने विशेष गहन





◆ शिमला में भाजपा की पदयात्रा में उमड़ा जनसैलाब, सरमा ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

पुनरीक्षण (एसआईआर) का समर्थन करते हुए कहा कि मतदाता सूचियों को शुद्ध और पारदर्शी रखना लोकतंत्र के लिए जरूरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस इस प्रक्रिया को लेकर भ्रम फैला रही है। उनके अनुसार, पात्र नागरिकों के मतदान अधिकार सुरक्षित रहने चाहिए और अपात्र नामों की पहचान भी नियमानुसार होनी चाहिए।

सरमा ने हिमाचल और असम की सरकारों के कामकाज की तुलना करते हुए कहा कि असम में भाजपा सरकार ने एक लाख सरकारी नौकरियां देने का वादा किया था, जबकि उनके अनुसार 1.07 लाख युवाओं को रोजगार दिया गया। इसके विपरीत हिमाचल में कांग्रेस ने पांच लाख रोजगार देने का वादा किया था। उन्होंने सुक्खू सरकार से पूछा कि अब तक कितने युवाओं को रोजगार मिला है। उन्होंने यह भी कहा कि असम में करीब सात लाख महिलाओं को प्रतिमाह 1,250 रुपये की सहायता दी जा रही है, जबकि हिमाचल में महिलाओं को 1,500 रुपये देने की गारंटी का हिसाब सरकार को देना चाहिए।

उन्होंने कांग्रेस पर चुनावी हार के लिए ईवीएम और निर्वाचन आयोग को जिम्मेदार ठहराने का आरोप लगाया। सरमा ने दावा किया कि मतपत्रों से होने वाले चुनावों में भी कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी को आरोप लगाने के बजाय अपने प्रदर्शन और जनता से किए वादों की समीक्षा करनी चाहिए।

सरमा ने 1984 के सिख विरोधी दंगों का मुद्दा उठाते हुए राहुल गांधी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को लोकतंत्र और संविधान की बात करने के साथ अपने इतिहास के कठिन सवालों का भी जवाब देना चाहिए। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण और सरदार वल्लभभाई पटेल के सम्मान में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के निर्माण का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर कांग्रेस सरकार की गारंटियों का हिसाब मांगने और जनता के मुद्दे उठाने का आह्वान किया।

हिमाचल में डिजिटल राजस्व व्यवस्था से 90 प्रतिशत लंबित जमाबंदियां हुईं अपडेट

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में राजस्व प्रशासन को सरल, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार ने महत्वपूर्ण प्रगति की है।

◆ मोबाइल पर मिलेगी प्रमाणित जमाबंदी, राजस्व सेवाओं में तकनीक से बढ़ी नागरिकों की सहूलियत

भूमि से जुड़े जमाबंदी, इंतकाल, निशानदेही और तकसीम जैसे कार्यों को डिजिटल माध्यम से सुगम बनाया जा रहा है। बीते चार वर्षों में भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण और राजस्व न्यायालयों की ऑनलाइन कार्यप्रणाली से आम नागरिकों को सुविधाएं मिली हैं।

राजस्व विभाग ने ई-हिमभूमि, राजस्व प्रबंधन प्रणाली (आरएमएस), आरसीसीएमएस, भू-नक्शा और माई डीड पोर्टल के माध्यम से सेवाओं को तकनीक से जोड़ा है। राजस्व न्यायालयों की कार्यप्रणाली को आधुनिक बनाने के लिए आरएमएस पोर्टल एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ है। एक सितंबर, 2025 से इसे पूरी तरह ऑनलाइन और पेपरलेस व्यवस्था के रूप में संचालित किया जा रहा है। नौ सितंबर, 2025 को हिमाचल प्रदेश रेवेन्यू कोर्ट्स ऑनलाइन फाइलिंग एंड प्रोसीजर रूल्स-2025 अधिसूचित किए गए।

राजस्व प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से अब तक 2,12,918 राजस्व मामलों को प्रोसेस किया जा चुका है। इनमें 71 हजार मामले ऑनलाइन और पेपरलेस रेवेन्यू कोर्ट मॉड्यूल के माध्यम से दर्ज किए गए हैं। प्रदेश की सभी 479 राजस्व अदालतों को इस प्रणाली से जोड़ दिया गया है। इसके तहत लगभग 28 हजार कॉज लिस्ट तैयार की गई हैं। वहीं, करीब 16 हजार अधिवक्ता और 52 हजार से अधिक नागरिक इस पोर्टल पर पंजीकृत हो चुके हैं। लंबित मामलों के निपटारे के लिए प्रत्येक माह के अंतिम दिनों में मासिक लोक अदालतें आयोजित की जा रही हैं। इनमें तकसीम, निशानदेही, राजस्व प्रविष्टियों में सुधार और अतिक्रमण से जुड़े मामलों को प्राथमिकता दी जाती है।

भूमि अभिलेखों को अद्यतन करने के अभियान के तहत लंबित जमाबंदियों की संख्या करीब 6,500 से घटकर 750 रह गई है। इस प्रकार लंबित कार्य में लगभग 90 प्रतिशत कमी आई है और करीब 5,750 जमाबंदियां वर्तमान स्थिति के अनुरूप अपडेट की गई हैं। ई-हिमभूमि के माध्यम से नागरिक मोबाइल फोन पर डिजिटल हस्ताक्षरित प्रमाणित जमाबंदी भी प्राप्त कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार राजस्व सेवाओं को अधिक सुलभ और जवाबदेह बनाने की दिशा में काम कर रही है। डिजिटल व्यवस्था से लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिलने के साथ भूमि अभिलेखों में पारदर्शिता भी बढ़ रही है।

राज्य स्तरीय समूहगान में बल्देयां के राघव स्कूल ने मारी बाजी



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला चौपाल में आयोजित अंडर-14 राज्य स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता में राघव पब्लिक स्कूल बल्देयां के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए समूहगान प्रतियोगिता में प्रदेशभर में प्रथम स्थान हासिल किया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से विद्यालय के साथ-साथ मशोबरा खंड और जिला शिमला का नाम भी रोशन हुआ है।

प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए विद्यार्थियों ने अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस दौरान राघव पब्लिक स्कूल बल्देयां के प्रतिभागियों ने बेहतर गायन, आपसी तालमेल और प्रभावशाली प्रस्तुति के दम पर निर्णायकों का ध्यान आकर्षित किया। विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत और निरंतर अभ्यास से यह सफलता हासिल की।

इस उपलब्धि पर विद्यालय की चेयरपर्सन योगेश्वरी वर्मा, एडीपीओ शिमला कौशल्या वर्मा और समस्त विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने समूहगान के प्रशिक्षक विनय ठाकुर के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि बच्चों ने अनुशासन, समर्पण और सामूहिक प्रयास का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह सफलता विद्यार्थियों की प्रतिभा के साथ-साथ उनके प्रशिक्षक के मार्गदर्शन और विद्यालय में दी जा रही प्रोत्साहनपूर्ण शिक्षा का परिणाम है। विद्यालय के खेल प्रभारी नंदलाल शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में विद्यार्थियों का प्रदर्शन अत्यंत सराहनीय रहा। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने और आत्मविश्वास बढ़ाने का अवसर प्रदान करती हैं।

रामपुर-जुब्बल में अवैध पटाखों पर पुलिस की कार्रवाई तेज़

डकोलर और मांदल कैंची में छापेमारी, 412 पटाखा डिब्बे जब्त, दो मामले दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जिला शिमला पुलिस ने अवैध पटाखों की बिक्री और भंडारण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए रामपुर और जुब्बल में दो अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। पुलिस ने दोनों स्थानों पर दबिश देकर बिना वैध लाइसेंस और अनुमति के पटाखों का कारोबार करने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, दोनों मामलों में आगामी जांच जारी है।

पहले मामले में 29 अक्टूबर को पुलिस थाना रामपुर की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि डकोलर में एक दुकानदार अवैध रूप से पटाखों की बिक्री कर रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने संबंधित दुकान में दबिश दी। इस दौरान दुकानदार से पटाखों की बिक्री के लिए आवश्यक वैध लाइसेंस और अनुमति पत्र दिखाने को कहा गया, लेकिन वह कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने उसकी पहचान हितेश कुमार (30) पुत्र शिव कुमार बंसल, निवासी गांव डकोलर, डाकघर शिंगला, तहसील रामपुर के रूप में की है। इस मामले में पुलिस थाना रामपुर में एफआईआर संख्या 121/2026 दर्ज की गई है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 125 और 288 तथा विस्फोटक अधिनियम, 1884 की धारा 9(बी) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।



◆ शिमला में त्योहारों से पहले अवैध आतिशबाजी के कारोबार पर पुलिस की पैनी नजर

दूसरी कार्रवाई 30 अक्टूबर को पुलिस चौकी सरस्वतीनगर की टीम ने की। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मांदल कैंची के पास स्थित एक दुकान के भवन में अवैध रूप से पटाखे जमा किए गए हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने भवन की तलाशी ली। इस दौरान दूसरी मंजिल से विभिन्न प्रकार के कुल 412 छोटे बॉक्स पटाखे बरामद किए गए। बरामद पटाखों में साउंड रॉकेट, शान-ए-पंजाब, स्पीड एक्सप्रेस, अवतार रॉकेट, रॉकेट बम, स्टार फोर्स और डायनामाइट बम सहित अन्य किस्मों के पटाखे शामिल हैं।

दुकान के मालिक की पहचान राजीव कुमार पुत्र स्वर्गीय प्रकाश चंद, निवासी वार्ड नंबर सात, नगर पंचायत जुब्बल के रूप में हुई है। पटाखों के भंडारण और बिक्री से संबंधित वैध लाइसेंस या अनुमति प्रस्तुत नहीं किए जाने पर पुलिस थाना जुब्बल में एफआईआर संख्या 57/2026 दर्ज की गई। इस मामले में भी भारतीय न्याय संहिता की धारा 125 और 288 तथा विस्फोटक अधिनियम की धारा 9(बी) के तहत कार्रवाई की गई है। जिला पुलिस ने आम नागरिकों और व्यापारियों से अपील की है कि पटाखों की बिक्री एवं भंडारण निर्धारित नियमों, वैध लाइसेंस और सुरक्षा मानकों के अनुसार ही करें। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अवैध रूप से विस्फोटक सामग्री रखने और बेचने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

हिमाचल की प्राचीन लोकगाथाओं और पारंपरिक गायन से सजी सांस्कृतिक शाम



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। पहाड़ी दिवस समारोह के दूसरे सत्र में हिमाचल प्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति और प्राचीन गायन परंपराओं की अनूठी झलक देखने को मिली। दोपहर एक बजे गेयटी परिसर के मुक्ताकाश मंच पर लोकगाथाओं पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की गईं। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए कलाकारों ने पारंपरिक गायन शैलियों के माध्यम से लोक विरासत को जीवंत किया।

कार्यक्रम में इतिहास संकलन समिति, निरमंड, कुल्लू की ओर से पारंपरिक छाड़ी गायन प्रस्तुत किया गया। अवतार एंड रूहनू पार्टी, चंबा ने मुसादा गायन से दर्शकों को परिचित कराया। वहीं, जैरी ग्रुप, भरमौर ने लोक रामायण गायन की प्रस्तुति दी। सांस्कृतिक कला मंच, बाऊनल, सिरमौर ने भारतो गायन प्रस्तुत किया, जबकि नारायण सिंह चौहान और उनके साथियों ने शिमला जिले की पारंपरिक बरलाज गायन शैली से समां बांधा। इन प्रस्तुतियों के जरिए प्रदेश की प्राचीन लोकगाथाओं, मौखिक परंपराओं और लोक संगीत की विविधता सामने आई। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से हिमाचल के अलग-अलग क्षेत्रों की सांस्कृतिक पहचान को मंच पर साकार किया। समारोह का उद्देश्य पहाड़ी भाषा, साहित्य, लोक संस्कृति और पारंपरिक कलाओं का संरक्षण, संवर्धन तथा प्रचार-प्रसार करना है।

मुख्यमंत्री से वार्ता के बाद आईजीएमसी में हड़ताल स्थगित, ओपीडी सेवाएं बहाल

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। एसोसिएशन ऑफ मेडिकल एंड डेंटल कॉलेज टीचर्स (एसएएमडीसीओटी) और मुख्यमंत्री के बीच हुई सकारात्मक बातचीत के बाद प्रस्तावित पेन-डाउन हड़ताल स्थगित कर दी गई है। इसके साथ ही इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (आईजीएमसी) शिमला में आज से सभी स्वास्थ्य सेवाएं पहले की तरह सामान्य रूप से संचालित होंगी। अस्पताल प्रशासन ने मरीजों और उनके तीमारदारों को आश्वस्त किया है कि उन्हें उपचार के लिए किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

आईजीएमसी के चिकित्सा अधीक्षक की ओर से जारी सूचना के अनुसार, आज सुबह 9:30 बजे से अस्पताल की सभी बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) सेवाएं पूर्व निर्धारित समय के अनुसार उपलब्ध रहेंगी। इसके अलावा मरीजों की विभिन्न जांच, उपचार और अन्य नियमित स्वास्थ्य सुविधाएं भी सामान्य रूप से संचालित की जाएंगी। अस्पताल की आवश्यक व्यवस्थाओं में किसी प्रकार का व्यवधान नहीं होगा।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आपातकालीन सेवाएं, ऑपरेशन थिएटर, वार्ड और अन्य चिकित्सा सुविधाएं भी निर्बाध रूप से जारी रहेंगी। अस्पताल में आने वाले मरीजों को पहले की तरह उपचार



◆ मरीजों को राहत, आईजीएमसी में आज से सभी चिकित्सा सुविधाएं रहेंगी सुचारू रूप से उपलब्ध

उपलब्ध करवाया जाएगा। आईजीएमसी प्रशासन ने कहा कि मरीजों को बेहतर, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना उसकी प्राथमिकता है।

अस्पताल प्रशासन ने प्रदेश की जनता से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अस्पताल पहुंचकर अपनी चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाएं। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि मरीजों की सेवा, सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं।

4 से 6 नवंबर तक रामपुर में लवी मेले के कलाकारों का होगा चयन

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। अंतरराष्ट्रीय लवी मेला-2026 की सांस्कृतिक संध्याओं में प्रस्तुति देने के इच्छुक उभरते कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। कलाकारों के चयन के लिए 4 से 6 नवंबर तक राजकीय महाविद्यालय रामपुर बुशहर के सभागार में ऑडिशन आयोजित किए जाएंगे। चयन प्रक्रिया प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम चार बजे तक चलेगी। गायन के प्रतिभागियों को लाइव आर्केस्ट्रा के साथ प्रस्तुति देनी होगी। अंतरराष्ट्रीय लवी मेला कमेटी के अध्यक्ष एवं उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने ऑडिशन के संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। जिला भाषा अधिकारी सरोजना नरवाल की अध्यक्षता में गठित पांच सदस्यीय समिति कलाकारों का चयन करेगी। उल्लेखनीय है कि लवी मेला 11 से 14 नवंबर तक आयोजित होगा। ऑडिशन मुख्य रूप से उन कलाकारों के लिए हैं, जिनका अभी तक कोई गाना या संगीत एल्बम जारी नहीं हुआ है। प्रतिभागियों को वही गीत प्रस्तुत करना होगा, जिसे वे मेले की सांस्कृतिक संध्या में गाना चाहते हैं। चयन के बाद भी उसी गीत और प्रस्तुति को मंच पर दोहराना अनिवार्य होगा। सोलो डांस के लिए दो से पांच मिनट और समूह नृत्य के लिए पांच से आठ मिनट का समय निर्धारित किया गया है।

बदलती जलवायु से हिमाचल की ग्रामीण आजीविका पर गंभीर संकट, बदलने लगे खेती के तौर-तरीके

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन का असर अब केवल मौसम में बदलाव तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इससे ग्रामीणों की आजीविका और खेती-बागवानी के पारंपरिक तौर-तरीके भी प्रभावित होने लगे हैं। कहीं तापमान और मौसम के बदलते मिजाज के कारण किसान सेब की जगह जापानी फल और अनार की खेती की ओर रुख कर रहे हैं, तो कहीं पानी की कमी से निपटने के लिए जलस्रोतों को पुनर्जीवित करने और वर्षा जल संग्रहण के प्रयास किए जा रहे हैं। बदलती परिस्थितियों के बीच ग्रामीण समुदाय अपने स्तर पर नए विकल्प तलाशकर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने की कोशिश कर रहे हैं।



◆ चार जिलों की पंचायतों में अध्ययन से जलवायु अनुकूलन के 25 स्थानीय समाधान आए सामने

शिमला में आयोजित हिमालयी समुदायों में जलवायु अनुकूलन और आपदा जोखिम पर राष्ट्रीय संवाद के दौरान जारी एक अध्ययन रिपोर्ट में ये तथ्य सामने आए हैं। काउंसिल आन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) और इंटरनेशनल सेंटर फार इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आइसीआइएमओडी) की ओर से किए गए अध्ययन में ग्रामीण क्षेत्रों में जलवायु जोखिमों से निपटने के लिए 25 समाधान सुझाए गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्थानीय समुदाय अपने अनुभवों के आधार पर कई तरह के अनुकूलन प्रयास कर रहे हैं। इन प्रयासों को सरकारी योजनाओं से जोड़कर अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

सीईईडब्ल्यू की प्रोग्राम लीड श्रेया वधावन ने बताया कि संस्था पिछले ढाई वर्षों से हिमाचल प्रदेश के चार जिलों मंडी, कुल्लू, सिरमौर और शिमला की 12 पंचायतों में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का अध्ययन कर रही है। इस दौरान ग्रामीणों से संवाद कर यह समझने का प्रयास किया गया कि बदलते मौसम का उनकी खेती, बागवानी और आजीविका पर किस तरह असर पड़ रहा है। साथ ही यह भी जाना गया कि ग्रामीण इन चुनौतियों से निपटने के लिए कौन-कौन से उपाय अपना रहे हैं।

अध्ययन में सामने आया कि मौसममें बदलाव और खेती के सामने उभरती चुनौतियों के कारण किसान अब पारंपरिक फसलों और बागवानी के विकल्प तलाश रहे हैं। कुछ क्षेत्रों में सेब के बगीचों की जगह जापानी फल की खेती अपनाई जा रही है, जबकि अन्य स्थानों पर अनार जैसे फलों की ओर रुझान बढ़ रहा है। इससे स्पष्ट है कि ग्रामीण समुदाय बदलती जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप अपनी कृषि पद्धतियों में बदलाव करने लगे हैं। वहीं, पानी की कमी से प्रभावित क्षेत्रों में ग्रामीण जल संरक्षण के उपाय अपना रहे हैं। सूखते जलस्रोतों को दोबारा जीवित करने, वर्षा जल का संग्रहण करने और उपलब्ध पानी का बेहतर उपयोग करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

गेयटी में पहाड़ी दिवस पर कवियों ने लोकभाषा और संस्कृति के बिखेरे रंग

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाषा एवं संस्कृति विभाग, हिमाचल प्रदेश की ओर से रविवार को गेयटी थियेटर शिमला में राज्य स्तरीय पहाड़ी दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक अधिकारी के.आर. भारती, विभाग के अतिरिक्त निदेशक चंदन कपूर और अन्य गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह में पहाड़ी भाषा, लोक साहित्य और प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का संदेश दिया गया। मुख्य अतिथि के.आर. भारती ने कहा कि पहाड़ी भाषा हिमाचल प्रदेश की सांस्कृतिक अस्मिता और गौरवशाली विरासत का महत्वपूर्ण आधार है। प्रदेश की लोकभाषाओं में यहां का इतिहास, लोकजीवन, परंपराएं और सामाजिक चेतना समाहित हैं। उन्होंने कहा कि पहाड़ी भाषा और लोक साहित्य का संरक्षण सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी भाषाई और सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विभाग के अतिरिक्त निदेशक चंदन कपूर ने कहा कि भाषा किसी भी समाज की सांस्कृतिक पहचान और ऐतिहासिक चेतना की संवाहक होती है। पहाड़ी भाषा हिमाचल की विशिष्ट पहचान का अभिन्न हिस्सा है। इसके संरक्षण, संवर्धन और प्रचार-प्रसार के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। युवाओं को मातृभाषा और लोक साहित्य से जोड़ना समय की आवश्यकता है। उल्लेखनीय है कि एक नवंबर, 1966 को पंजाब पुनर्गठन के तहत कांगड़ा, कुल्लू, लाहौल-स्पीति सहित विभिन्न क्षेत्रों का हिमाचल प्रदेश में विलय हुआ था। इसी ऐतिहासिक दिवस की स्मृति और प्रदेश की भाषाई-सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के उद्देश्य से प्रतिवर्ष पहाड़ी दिवस मनाया जाता है।

लापरवाही खाद्य सुरक्षा विभाग के निरीक्षण में मिली गंदगी, दुकानदारों को नोटिस देकर मांगा जाएगा जवाब

शिमला में मिठाई दुकानों पर गंदगी, खाद्य सुरक्षा विभाग सख्त

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। दिवाली के त्योहार पर मिठाइयों की बढ़ती मांग के बीच राजधानी शिमला में खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिठाई विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण अभियान तेज कर दिया है। इस दौरान कुछ दुकानों में साफ-सफाई की स्थिति चिंताजनक पाई गई। मिठाइयां बनाने में इस्तेमाल किए जा रहे बर्तन गंदे मिले, जबकि दुकानों के फर्श पर अत्यधिक गंदगी और छतों की स्थिति भी असंतोषजनक पाई गई। निरीक्षण में सामने आई इन खामियों ने मिठाइयों के निर्माण और उनकी गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। विभाग ने संबंधित दुकानदारों को नोटिस जारी कर जवाब मांगने की तैयारी की है।

सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा डॉ. विजया के नेतृत्व में विभागीय टीम ने शनिवार शाम पंथाघाटी, कुसुम्पटी, खलीणी और बीसीएस क्षेत्रों में स्थित विभिन्न मिठाई प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने दुकानों में खाद्य पदार्थों की तैयारी, रखरखाव, भंडारण और साफ-सफाई की व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कई प्रतिष्ठानों में खाद्य सुरक्षा मानकों से जुड़ी अनियमितताएं सामने आईं। कुछ दुकानों के परिसर में गंदगी का स्तर अधिक था। मिठाइयां बनाने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे बर्तन भी साफ नहीं पाए गए। इसके अलावा फर्श और छतों की स्थिति भी संतोषजनक नहीं मिली।

दिवाली के अवसर पर लोग एक-दूसरे को मिठाइयां और अन्य खाद्य पदार्थ भेंट करते हैं। इस दौरान बाजार में मिठाइयों की मांग सामान्य दिनों की तुलना में बढ़ जाती है। ऐसे में मिठाइयों को तैयार करने, सुरक्षित रखने और ग्राहकों तक पहुंचाने की प्रक्रिया में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना जरूरी होता है। यदि निर्माण स्थल पर गंदगी हो या मिठाइयां तैयार करने में इस्तेमाल होने वाले बर्तन साफ न हों, तो खाद्य पदार्थों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग ने बाजारों में निगरानी बढ़ाई है।



मिठाइयों की गुणवत्ता जांचते खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी

निरीक्षण के दौरान विभागीय टीम ने प्रतिष्ठानों में खाद्य पदार्थों को तैयार करने की प्रक्रिया और उनके भंडारण की व्यवस्था की भी जांच की। दुकानों में साफ-सफाई के इंतजामों का जायजा लिया गया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ग्राहकों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध हो। निरीक्षण में मिली खामियों के बाद विभाग ने संबंधित कारोबारियों को व्यवस्था सुधारने के निर्देश देने का निर्णय लिया है।

मानकों का पालन नहीं करने वालों पर होगी कार्रवाई

सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा डॉ. विजया ने बताया कि त्योहारी सीजन को देखते हुए विभाग ने फील्ड निरीक्षण और निगरानी अभियान तेज कर दिया है। इसका मुख्य उद्देश्य आम लोगों को स्वच्छ, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण मिठाइयां तथा अन्य खाद्य पदार्थ उपलब्ध करवाना है। उन्होंने मिठाई विक्रेताओं और अन्य खाद्य कारोबार संचालकों से खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों का कड़ाई से पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मिठाइयां तैयार करने से लेकर उनके भंडारण तक प्रत्येक स्तर पर साफ-सफाई बनाए रखना आवश्यक है। आम जनता के स्वास्थ्य के साथ किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने दुकानदारों को स्वच्छ बर्तनों का इस्तेमाल करने और प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई की उचित व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया। निरीक्षण अभियान में खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. सुनील शर्मा भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान जिन प्रतिष्ठानों में अनियमितताएं पाई गई हैं, उनके संचालकों को नोटिस जारी किए जाएंगे। विभाग उनसे साफ-सफाई और खाद्य सुरक्षा मानकों में मिली खामियों के संबंध में स्पष्टीकरण मांगेगा। साथ ही उन्हें प्रतिष्ठानों की व्यवस्था सुधारने, मिठाइयां बनाने के लिए स्वच्छ बर्तनों का उपयोग करने और खाद्य पदार्थों के सुरक्षित भंडारण के निर्देश दिए जाएंगे। विभाग का कहना है कि निरीक्षण अभियान का उद्देश्य खाद्य कारोबारियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप व्यवस्था बनाए रखने के लिए जवाबदेह बनाना है। त्योहार के दौरान लोगों को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाने के लिए निगरानी आगे भी जारी रहेगी।

बार एसोसिएशन का समर्थन जारी

नई टिहरी में मेडिकल कॉलेज की मांग पर आंदोलन 93वें दिन जारी

भारतेन्दु संवाददाता, नई टिहरी। नई टिहरी में मेडिकल कॉलेज निर्माण की मांग को लेकर चल रहा बेमियादी आंदोलन रविवार को 93वें दिन भी जारी रहा। मांग के समर्थन में जिला बार एसोसिएशन से जुड़े अधिवक्ताओं ने क्रमिक अनशन कर सरकार से जल्द निर्माण संबंधी शासनादेश जारी करने की मांग उठाई। वहीं, पूर्व जिला पंचायत सदस्य जीतराम भट्ट का सत्याग्रह भी लगातार जारी है।

- मेडिकल कॉलेज की मांग पर समर्थन में उतरे अधिवक्ता

रविवार को बौराड़ी स्थित गणेश चौक पर जिला बार एसोसिएशन ने तीसरी बार आंदोलन को समर्थन दिया। एसोसिएशन के अध्यक्ष जयबीर सिंह रावत, मुकेश कुमाईं और जगजीत सिंह नेगी क्रमिक अनशन पर बैठे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज की स्थापना से स्थानीय लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी। इसके लिए सरकार को बिना देरी किए निर्माण का शासनादेश जारी करना चाहिए।

संघर्ष समिति के अध्यक्ष डॉ. राकेश भूषण गोदियाल और पूर्व जिला पंचायत सदस्य जीतराम भट्ट ने कहा कि तीन महीने से अधिक समय बीतने के बावजूद सरकार ने इस मांग पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। उन्होंने कहा कि टिहरी के लोगों ने बांध निर्माण के लिए अपनी जमीन और संस्कृति का त्याग किया तथा देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके बावजूद क्षेत्र को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

इस मौके पर डॉ. उम्मेद सिंह नेगी, व्यापार मंडल अध्यक्ष भगवान सिंह रावत, संदीप रावत, किशोरी लाल चमोली और किशोरी उनियाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पंचायत प्रतिनिधियों को अधिकार और संसाधन देने की दिशा में सरकार का बड़ा कदम

उत्तराखंड में क्षेत्र पंचायत निधि बहाली और मानदेय वृद्धि की तैयारी : धामी

राज्य ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित उत्तराखंड प्रमुख संगठन सम्मेलन-2026 में प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र पंचायतों को सशक्त बनाने और पंचायत प्रतिनिधियों की समस्याओं के समाधान के लिए चार महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र पंचायत निधि को दोबारा शुरू करने तथा क्षेत्र पंचायत प्रतिनिधियों के मानदेय और भत्तों में वृद्धि के लिए कार्यवाही की जाएगी। साथ ही राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की विकासखंड स्तरीय समिति में क्षेत्र पंचायत प्रमुख को शामिल किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों को नगरीय निकायों में शामिल करने की प्रक्रिया में संबंधित ग्राम पंचायत से भी विचार-विमर्श किया जाएगा।



मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्लॉक प्रमुख और पंचायत प्रतिनिधि सरकार तथा जनता के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं। वे स्थानीय समस्याओं और जरूरतों को बेहतर ढंग से समझते हैं। सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। जनप्रतिनिधियों की मांगों और सुझावों पर संबंधित विभागों के साथ विचार-विमर्श कर सकारात्मक निर्णय लिए जाएंगे। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर जनसमस्याओं का समाधान करने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार अंत्योदय की भावना से काम कर रही है। 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान के माध्यम से शासन-प्रशासन को सीधे जनता तक पहुंचाया गया है।

विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की अपील

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में समान नागरिक संहिता, सख्त धर्मांतरण विरोधी कानून, दंगारोधी कानून और नकल विरोधी कानून लागू किए गए हैं। भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता के प्रयासों से 35 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां मिली हैं। केदारनाथ और बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत विकास कार्य किए जा रहे हैं। गोल्ज्यू, यमुना और शारदा कॉरिडोर जैसी परियोजनाओं के साथ शीतकालीन यात्रा को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों और लखपति दीदी अभियान से आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है।



राज्यपाल डॉ. बिसेन ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से की मुलाकात

राज्य ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड के राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने रविवार को नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल का पदभार संभालने के बाद डॉ. बिसेन की केंद्रीय नेतृत्व के साथ मुलाकातों का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में उन्होंने रक्षा मंत्री से मुलाकात की।

इस भेंट के दौरान दोनों नेताओं के बीच सौहार्दपूर्ण वातावरण में बातचीत हुई। हालांकि, मुलाकात के एजेंडे और चर्चा के विषयों को लेकर आधिकारिक तौर पर विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई है। राज्यपाल की यह मुलाकात उत्तराखंड का संवैधानिक दायित्व संभालने के बाद राष्ट्रीय राजधानी में उनके संपर्क कार्यक्रमों का हिस्सा मानी जा रही है।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 12 अक्टूबर को डॉ. ढाल सिंह बिसेन को उत्तराखंड का राज्यपाल नियुक्त किया था। इसके बाद उन्होंने 19 अक्टूबर को देहरादून स्थित लोक भवन में राज्यपाल पद की शपथ ग्रहण की थी। उत्तराखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई थी।

न्यूज ब्रीफ

पौड़ी के प्रमोद मंद्रवाल बने चमोली विधानसभा चुनाव के प्रभारी

भारतेन्दु संवाददाता, पौड़ी। गगवाड़स्यूं घाटी के नेगियाणा गांव निवासी युवा सामाजिक कार्यकर्ता प्रमोद मंद्रवाल को उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए चमोली जनपद का प्रभारी नियुक्त किया है। इस जिम्मेदारी से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। प्रमोद मंद्रवाल लंबे समय से युवाओं के मुद्दे उठाने और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय हैं। वह सामाजिक संगठनों के माध्यम से युवाओं को जोड़ने, जरूरतमंदों की मदद करने और विभिन्न वर्गों के बीच सहयोग बढ़ाने का कार्य करते रहे हैं।

देशसेवा से लौटे सैनिकों का चंबा में जोरदार स्वागत

भारतेन्दु संवाददाता, नई टिहरी। चंबा में रविवार को सेना से 28 वर्ष की सेवा पूरी कर सेवानिवृत्त हुए तीन सूबेदारों का पूर्व सैनिक संगठन और स्थानीय लोगों ने ढोल-नगाड़ों व फूल-मालाओं से स्वागत किया। इनमें सेमवाल गांव के मकान सिंह तोमर, बुडोगी के यशपाल सिंह चौहान और क्यारी-नकोट के कुलदीप सिंह शामिल हैं। तीनों को शाल और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

जोशीमठ हादसे में मृतकों के पार्थिव शरीर किए गए बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, ज्योतिर्मठ। चमोली जिले के जोशीमठ के समीप 30 अक्टूबर को हुए हेलीकॉप्टर हादसे में जान गंवाने वाले सभी छह लोगों के पार्थिव शरीर बरामद कर लिए गए हैं। दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच चलाया गया बचाव अभियान पूरा हो गया है। सभी पार्थिव शरीरों को सड़क मार्ग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जोशीमठ पहुंचाया गया। आवश्यक कानूनी और चिकित्सकीय औपचारिकताएं पूरी करने के बाद आज हेलीकॉप्टर से एम्स ऋषिकेश भेज दिया गया। रेस्क्यू अभियान में भारतीय सेना, आईटीबीपी, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस, जिला प्रशासन और वन विभाग की टीमों ने संयुक्त रूप से हिस्सा लिया। कठिन पहाड़ी रास्तों और दुर्गम घटनास्थल के बावजूद बचाव दलों ने समन्वय के साथ सभी पार्थिव शरीरों को सुरक्षित बाहर निकाला।

पटेलनगर में पुलिस पर फायरिंग, जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश हुए घायल

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। देहरादून के पटेलनगर क्षेत्र में शनिवार देर रात पुलिस और मोटरसाइकिल सवार दो बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी। पुलिस ने उनके कब्जे से दो पिस्टल, जिंदा और खोखा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, नयागांव के पास चेकिंग के दौरान फर्जी नंबर प्लेट लगी मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को रोकने का प्रयास किया गया। वे बुडपुर की ओर भागने लगे। पीछा करने पर बदमाशों ने पुलिस वाहन पर फायरिंग कर दी, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें दोनों घायल हो गए।

पौड़ी में रेडक्रॉस सोसाइटी ने दीपावली तक चलाया स्वच्छता अभियान

भारतेन्दु संवाददाता, पौड़ी गढ़वाल। दीपावली का पर्व स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण में मनाने के उद्देश्य से भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी की पौड़ी जिला शाखा ने स्वच्छता अभियान शुरू किया है। दीपावली तक चलने वाले इस अभियान के तहत शाखा कार्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्रों में नियमित साफ-सफाई की जाएगी। साथ ही आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा। शाखा सचिव केशर सिंह असवाल ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में जनभागीदारी बढ़ाना और लोगों को अपने आसपास सफाई रखने के लिए प्रेरित करना है। अभियान के दौरान स्थानीय लोगों को स्वच्छता के महत्व की जानकारी दी जाएगी और उन्हें अपने परिवेश को साफ रखने के लिए जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल किसी विशेष दिन या अभियान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना जरूरी है। उन्होंने लोगों से अपने घरों और आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई बनाए रखने तथा अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

वैज्ञानिक से आईपीएस बने डॉ. जगदीश चंद्र, मुख्यमंत्री धामी ने सजाए सितारे

आयोजनों में निभाई अहम भूमिका, उत्कृष्ट सेवाओं के लिए कई बार हुए सम्मानित

राज्य ब्यूरो

नैनीताल। मेहनत, लगन और कर्तव्यनिष्ठा के दम पर उत्तराखंड पुलिस के अधिकारी डॉ. जगदीश चंद्र ने सफलता की नई मिसाल पेश की है। उन्हें राज्य पुलिस सेवा से पदोन्नति देकर भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में शामिल किया गया है। वर्तमान में वह नैनीताल जिले में एसपी क्राइम एवं ट्रैफिक के पद पर तैनात हैं। 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर देहरादून स्थित मुख्यमंत्री आवास में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने उनके कंधों पर आईपीएस के सितारे सजाकर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

डॉ. जगदीश चंद्र की उपलब्धि इसलिए खास है, क्योंकि पुलिस सेवा में आने से पहले वह वैज्ञानिक के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उन्होंने पंतनगर विश्वविद्यालय से पर्यावरण विज्ञान में एमएससी और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) से एमफिल तथा पीएचडी की उपाधि हासिल की। इसके अतिरिक्त उन्होंने मनोविज्ञान में भी स्नातकोत्तर की पढ़ाई की है।

वर्ष 2002 से 2005 तक उन्होंने देहरादून स्थित भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) में वैज्ञानिक के रूप में कार्य किया। इसके बाद वर्ष 2005 में उत्तराखंड राज्य पुलिस सेवा में शामिल हुए। पुलिस विभाग में उन्होंने देहरादून, चमोली और ऊधमसिंह नगर सहित विभिन्न स्थानों पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। वर्ष 2013 में उन्हें अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर पदोन्नति मिली। अब आईपीएस में पदोन्नति के साथ उनके करियर में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई है।

नैनीताल पुलिस में खुशी का माहौल



डॉ. जगदीश चंद्र की आईपीएस में पदोन्नति पर नैनीताल पुलिस परिवार में खुशी है। एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने भी उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। वैज्ञानिक के रूप में करियर शुरू कर पुलिस सेवा में आने और फिर आईपीएस अधिकारी बनने तक का उनका सफर युवाओं के लिए प्रेरणादायक है।

रुद्रप्रयाग पुलिस ने परेड प्रसारण के साथ मनाया राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह

पुलिसकर्मियों और विद्यार्थियों ने दिया एकता का संदेश

भारतेन्दु संवाददाता, रुद्रप्रयाग। लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती और राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शनिवार को रुद्रप्रयाग पुलिस लाइन रतूड़ा में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं ने गुजरात के एकता नगर में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह एवं परेड का बड़ी स्क्रीन पर सजीव प्रसारण देखा। कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस महानिरीक्षक मुख्यालय एवं प्रोविजनिंग एंड मॉडर्नाइजेशन बरिन्दर जीत सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया।



इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक लोकजीत सिंह और पुलिस उपाधीक्षक विकास पुंडीर ने पुलिस महानिरीक्षक का स्वागत किया। कार्यक्रम में डायट रतूड़ा के डीएलएड प्रशिक्षुओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इसके बाद पुलिस कर्मियों, डीएलएड प्रशिक्षुओं और गुरु राम राय पब्लिक स्कूल रुद्रप्रयाग तथा राजकीय इंटर कॉलेज रतूड़ा के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देशभक्ति पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

शाम साढ़े पांच बजे गुजरात के एकता नगर में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस परेड का सीधा प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ स्थानीय विद्यालयों के विद्यार्थी, प्रशिक्षु तथा गणमान्य लोग मौजूद रहे। इसी क्रम में जिले की सभी पांच कोतवाली और थानों में भी बड़ी स्क्रीन के माध्यम से परेड का प्रसारण देखा गया। संबंधित थाना प्रभारियों के नेतृत्व में पुलिस कर्मियों और स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों ने इसमें भाग लिया।

ऋषिकेश में गंगा संरक्षण के संकल्प संग दौड़े सैकड़ों धावक

भारतेन्दु संवाददाता, ऋषिकेश। गंगा संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से रविवार को ऋषिकेश में पांचवीं गंगा सस्टेनेबिलिटी रन-ऋषिकेश हिमालयाज का आयोजन किया गया। 'स्वच्छ गंगा के लिए दौड़ें, बेहतर कल के लिए दौड़ें' संदेश के साथ आयोजित इस दौड़ में प्रतिभागियों ने 10, 21, 35 और 50 किलोमीटर की श्रेणियों में हिस्सा लिया। विवेकानंद यूथ कनेक्ट फाउंडेशन ने परमार्थ निकेतन के सहयोग से इस आयोजन को किया। परमार्थ निकेतन के पीठाधीश्वर स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने गंगा बैराज, नीलकंठ रोड स्थित एम्स के गेट नंबर एक के सामने से हरी झंडी दिखाकर दौड़ का शुभारंभ किया। इसका समापन जानकी सेतु के निकट निर्धारित स्थल पर हुआ। स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने कहा कि गंगा भारत की जीवनधारा, आध्यात्मिक चेतना और अमूल्य प्राकृतिक धरोहर है। इसकी निर्मलता और अविरलता बनाए रखना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

धनाई ने युवाओं से स्वरोजगार अपनाने का किया आह्वान

भारतेन्दु संवाददाता, नई टिहरी। पूर्व काबीना मंत्री दिनेश धनाई ने रविवार को चंबा के एक निजी होटल में युवाओं से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने युवाओं से रोजगार के लिए पलायन करने के बजाय अपने क्षेत्र में स्वरोजगार के अवसर तलाशने और अपनी प्रतिभा के आधार पर आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज के युवाओं को अपने विजन और हुनर का भरपूर उपयोग करना चाहिए। नौकरी की लालसा तक सीमित रहने के बजाय स्वरोजगार, खेल, संस्कृति और अन्य चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में आगे बढ़ना चाहिए।



धनाई ने कहा कि युवा संवाद केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि टिहरी के भविष्य, युवाओं की आकांक्षाओं और विकास की नई दिशा पर विचार-विमर्श का मंच है। किसी भी समाज और राष्ट्र की असली ताकत उसकी युवा शक्ति होती है। युवाओं के विचार, मेहनत, प्रतिभा और संकल्प से क्षेत्र की तस्वीर बदली जा सकती है।

उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य टिहरी विधानसभा क्षेत्र के युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में काम करना है। इसके लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण और पर्यटन आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देना जरूरी है। टिहरी झील, होमस्टे और पर्यटन से युवाओं को जोड़कर रोजगार के नए अवसर विकसित किए जा सकते हैं।

उन्होंने युवाओं से अपनी समस्याएं, सुझाव और विकास संबंधी विचार खुलकर साझा करने की अपील की। साथ ही भरोसा दिलाया कि प्राप्त सुझावों को टिहरी के विकास की कार्ययोजना में शामिल करने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। कार्यक्रम में छात्रसंघ पदाधिकारियों, पूर्व छात्र नेताओं और बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया।

पर्यटक अधिकारी भर्ती परीक्षा में आधे से अधिक अभ्यर्थी रहे अनुपस्थित

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से पर्यटक अधिकारी के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए रविवार को लिखित प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की गई। देहरादून के निर्धारित परीक्षा केंद्र पर सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक हुई परीक्षा में लगभग 52 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने भाग लिया। आयोग के सचिव एनएस डुंगरियाल ने बताया कि परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए थे। परीक्षा केंद्र पर निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। इसके साथ ही किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि रोकने के उद्देश्य से जैमर की व्यवस्था की गई थी। अभ्यर्थियों की पहचान और उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए बायोमेट्रिक प्रणाली से उपस्थिति दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि परीक्षा की निगरानी के लिए आयोग कार्यालय में विशेष कंट्रोल रूम स्थापित किया गया था। यहां तैनात आयोग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने परीक्षा केंद्र पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लाइव निगरानी की। इससे परीक्षा प्रक्रिया पर लगातार नजर रखी गई और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया।

केदारताल में आठ लापता लोगों की तलाश जारी

हेलीकॉप्टर से तलाश के बावजूद लापता लोगों का नहीं मिला सुराग



भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून

उत्तरकाशी जिले के केदारताल क्षेत्र में लापता सात ट्रैकर्स और एक गाइड की तलाश के लिए राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) का सर्च एवं रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है। रविवार को बचाव दल ने हेलीकॉप्टर के माध्यम से क्षेत्र की दो बार हवाई रेकी की, लेकिन लापता लोगों या उनके टेंट का कोई स्पष्ट सुराग नहीं मिल सका। क्षेत्र में अत्यधिक बर्फबारी और प्रतिकूल मौसम के कारण तलाशी अभियान चुनौतीपूर्ण बना हुआ है।

एसडीआरएफ के अनुसार, इससे पहले गंगोत्री टीम ने केदारताल क्षेत्र में पहुंचकर लापता लोगों की तलाश के लिए रेकी की थी। हालांकि, अत्यधिक बर्फबारी और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण पैदल तलाशी अभियान आगे बढ़ाने में काफी दिक्कतें आईं। ऊंचाई वाले क्षेत्र में बर्फ की मोटी परत और मौसम की अनिश्चितता को देखते हुए हवाई सर्वेक्षण करने का निर्णय लिया गया। इसका उद्देश्य क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण कर लापता लोगों की संभावित स्थिति का पता लगाना था। रविवार को एसडीआरएफ के दो जवान हेड कांस्टेबल रवि चौहान और कांस्टेबल दीपक पंत हेलीकॉप्टर से हर्षिल पहुंचे। वहां से उन्होंने केदारताल क्षेत्र की दो बार हवाई रेकी की। इस दौरान पूरे इलाके का निरीक्षण किया गया, लेकिन लापता सात ट्रैकर्स और गाइड अथवा उनके टेंट के कोई स्पष्ट दृश्य संकेत नहीं मिल पाए। इसके चलते तलाशी अभियान में अभी तक कोई ठोस सफलता नहीं मिली है।

अतिरिक्त टीम बचाव उपकरणों के साथ रवाना

एसडीआरएफ सेनानायक अर्पण यदुवंशी के निर्देश पर वाहिनी मुख्यालय से एक अतिरिक्त टीम आवश्यक बचाव और पर्वतारोहण उपकरणों के साथ रवाना की गई है। मौसम और परिस्थितियां अनुकूल होने पर यह टीम केदारताल क्षेत्र में पहुंचकर तलाशी अभियान को आगे बढ़ाएगी। एसडीआरएफ अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ लगातार समन्वय बनाए हुए है और आगे की कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

दबाव के बावजूद यातायात नियमों का कराया पालन, कोतवाल ने बढ़ाया सम्मान

रसूखदार अधिकारी के आगे नहीं झुके श्रीनगर के होमगार्ड जवान, कर्तव्यनिष्ठा पर मिला सम्मान



राज्य ब्यूरो

श्रीनगर। नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी निभाते हुए श्रीनगर में तैनात होमगार्ड जवान अशोक कुमार ने कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल पेश की। उन्होंने एक रसूखदार अधिकारी की गाड़ी को वन-वे मार्ग में प्रवेश करने से रोक दिया। अधिकारी की ओर से कथित तौर पर दबाव बनाने का प्रयास किए जाने के बावजूद अशोक कुमार अपने फैसले पर अडिग रहे। उनके इस साहस और ईमानदारी की जानकारी मिलने पर श्रीनगर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने उनकी सराहना करते हुए सम्मानित किया।

श्रीनगर के काला रोड पर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए वन-वे नियम लागू है। इसी दौरान एक उच्च पद पर तैनात अधिकारी ने अपनी गाड़ी निर्धारित दिशा के विपरीत वन-वे मार्ग में ले जाने का प्रयास किया। उस समय यातायात व्यवस्था संभाल रहे होमगार्ड जवान अशोक कुमार ने अधिकारी को रोकते हुए नियमों की जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि मार्ग पर वन-वे व्यवस्था लागू है और किसी भी वाहन को इसके विपरीत जाने की अनुमति नहीं है। बताया जा रहा है कि अधिकारी ने अपने पद और प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए एक उच्चाधिकारी को फोन कर जवान पर दबाव बनाने का प्रयास भी किया। अधिकारी की ओर से दबाव बनाने की कोशिश के बावजूद अशोक कुमार ने अपने कर्तव्य से समझौता नहीं किया।

कानून के सामने सभी बराबर

इस घटना ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि कानून और यातायात के नियम सभी नागरिकों के लिए समान हैं। किसी व्यक्ति का पद, प्रतिष्ठा या प्रभाव उसे नियमों से ऊपर नहीं कर सकता। अशोक कुमार ने अपने आचरण से दिखाया कि वर्दी की वास्तविक पहचान रसूख के आगे झुकने में नहीं, बल्कि निष्पक्षता और ईमानदारी से जिम्मेदारी निभाने में है।

नई टिहरी में नौ नवंबर को भव्यता से मनाया जाएगा राज्य स्थापना दिवस

भारतेन्दु संवाददाता, नई टिहरी। उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस को भव्य और आकर्षक तरीके से मनाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। रविवार को जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। इसमें नौ नवंबर को जिला मुख्यालय और तहसील स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। डीएम ने सभी संबंधित विभागों को जिम्मेदारियां सौंपते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध तरीके से पूरी करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल ने कहा कि राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय के साथ ही सभी तहसीलों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश की विकास यात्रा और सरकारी योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाई जाएगी। इसके लिए कार्यक्रम स्थलों पर विभिन्न विभागों की ओर से स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉल के माध्यम से लोगों को विभागीय योजनाओं, उनकी पात्रता और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। साथ ही पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से लाभान्वित भी किया जाएगा। श्रम विभाग को पात्र श्रमिकों को श्रमिक किट वितरित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सभी तहसील स्तर पर राज्य आंदोलनकारियों को निमंत्रण पत्र भेजकर कार्यक्रमों में आमंत्रित किया जाएगा। समारोह के दौरान आंदोलनकारियों को सम्मानित कर राज्य निर्माण में उनके योगदान को याद किया जाएगा। शिक्षा विभाग को नवंबर में विभिन्न स्थानों पर प्रभात फेरियां आयोजित कराने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा विद्यालयों में स्लोगन और चित्रकला प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी।

विकास पार्षद और महापौर निधि से 100 वार्डों में 70 करोड़ के विकास कार्य प्रस्तावित

चुनाव से पहले देहरादून के वार्डों में विकास तेज

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव की आहट के बीच देहरादून नगर निगम क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने की तैयारी तेज हो गई है। शहर के सभी 100 वार्डों में सड़क, नाली, सुरक्षा दीवार और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। नगर निगम स्तर पर पार्षदों को अपने-अपने वार्डों में प्रस्तावित विकास कार्यों की प्रक्रिया जल्द पूरी करने और निर्माण कार्यों को धरातल पर उतारने के निर्देश दिए जा रहे हैं। अब तक पार्षद निधि के तहत स्वीकृत कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा था, जबकि महापौर कोटे से प्रस्तावित विकास कार्यों को भी जल्द शुरू कराने की तैयारी है।

नगर निगम बोर्ड की अप्रैल 2026 में हुई बैठक में पार्षदों के लिए वार्षिक विकास निधि 50 लाख रुपये निर्धारित करने का प्रस्ताव पारित किया गया था। इसके अनुसार शहर के सभी 100 वार्डों में पार्षद कोटे से कुल 50 करोड़ रुपये के विकास कार्य प्रस्तावित हैं। इसके अलावा महापौर कोटे से प्रत्येक वार्ड में 20 लाख रुपये के कार्य प्रस्तावित किए गए हैं। इस हिसाब से सभी वार्डों में महापौर निधि से कुल 20 करोड़ रुपये के कार्य कराए जाने की योजना है। दोनों मदों को मिलाकर विकास कार्यों की प्रस्तावित राशि लगभग 70 करोड़ रुपये तक पहुंचती है।

426 कार्यों पर चल रहा काम

पार्षद कोटे के तहत शहर के विभिन्न वार्डों में सड़क निर्माण, नालियों की मरम्मत, पुश्तों के निर्माण और सुरक्षा दीवारों सहित स्थानीय जरूरतों से जुड़े 426 कार्य कराए जा रहे हैं। सितंबर में नगर निगम ने सभी 100 वार्डों में लगभग 50 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू की थी। इसके बाद कई कार्यों पर काम आगे बढ़ा है। निगम प्रशासन का प्रयास है कि वार्डों में लंबे समय से लंबित बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। वहीं, महापौर निधि से प्रस्तावित करीब 252 विकास कार्यों के लिए नवंबर में टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके बाद संबंधित कार्यों को स्वीकृति और कार्यादेश की प्रक्रिया पूरी कर धरातल पर उतारने की तैयारी है। इन कार्यों में भी वार्डों की स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सड़क, नाली और अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं।

समय पर काम पूरा करना निगम के सामने चुनौती



इस तस्वीर का उपयोग सांकेतिक रूप में किया गया है।

आगामी विधानसभा चुनाव से पहले शहर में विकास कार्यों की प्रगति महत्वपूर्ण मानी जा रही है। वार्डों में सड़कें दुरुस्त होने, जल निकासी की व्यवस्था बेहतर होने और सुरक्षा दीवारों के निर्माण से स्थानीय लोगों को सीधा लाभ मिल सकता है। इसी को देखते हुए पार्षदों को अपने क्षेत्रों में कार्यों की नियमित निगरानी करने और संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया जा रहा है। हालांकि, नगर निगम के सामने चुनौती केवल बजट आवंटित करने और टेंडर प्रक्रिया पूरी करने तक सीमित नहीं है।

पंजाब में नशा तस्करों पर कसेगा शिकंजा, 35 विशेष अदालतों समेत 385 नए पदों को मंजूरी

नशा तस्करी पर सख्ती के साथ सड़क विकास और प्रशासनिक सुधारों को कैबिनेट की मंजूरी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब सरकार ने प्रदेश में नशा तस्करी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई तेज करने और आरोपितों को जल्द सजा दिलाने के लिए बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान की अध्यक्षता में शनिवार को हुई कैबिनेट बैठक में नशे से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए प्रदेश में 35 विशेष अदालतें स्थापित करने को मंजूरी दी गई। इन अदालतों के सुचारू संचालन के लिए 385 नए न्यायिक एवं सहायक पद भी सृजित किए जाएंगे। इनमें 35 जिला एवं सत्र न्यायाधीश और 315 सहायक जिला अटार्नी सहित अन्य पद शामिल हैं। सरकार का मानना है कि विशेष अदालतों के गठन से नशा तस्करी से जुड़े मामलों का तेजी से निपटारा होगा और लंबे समय तक मुकदमे लंबित रहने की समस्या कम होगी।

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार नशे के कारोबार को जड़ से समाप्त करने के लिए कानूनी व्यवस्था को मजबूत कर रही है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में एनडीपीएस मामलों में दोषसिद्धि की दर पहले लगभग 58 से 60 प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर 92 प्रतिशत से अधिक हो गई है। विशेष अदालतों की स्थापना से जांच और न्यायिक प्रक्रिया को गति मिलेगी तथा दोषियों को कानून के अनुसार सजा दिलाने में मदद मिलेगी।


कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करते सीएम भगवंत मान।

कैबिनेट ने मोहाली जिले के डेराबस्सी के निकट समगौली में 39 एकड़ जमीन पर कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट स्थापित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। यह परियोजना हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) की नवीकरणीय एवं हरित ऊर्जा कंपनी को दी गई है। चीमा ने कहा कि इस संयंत्र से क्षेत्र में गीले कचरे के निस्तारण की समस्या का समाधान करने में मदद मिलेगी। साथ ही जैविक कचरे का उपयोग ऊर्जा उत्पादन के लिए किया जा सकेगा। इससे स्वच्छता व्यवस्था बेहतर होने के साथ प्रदेश में हरित ऊर्जा को भी बढ़ावा मिलेगा।

राज्य में सड़कों के निर्माण और मरम्मत कार्यों को गति देने के लिए कैबिनेट ने बजट में 283.44 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि मंजूर की है। पहले सड़क निर्माण के लिए 1,050 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए थे, जिन्हें बढ़ाकर अब 1,333.44 करोड़ रुपये कर दिया गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों, विशेषकर ईरान और अमेरिका के बीच तनाव के कारण एलपीजी तथा अन्य संसाधनों की कीमतों में वृद्धि हुई है। इसका असर सड़क निर्माण में इस्तेमाल होने वाली लुक की लागत पर भी पड़ा है। निर्माण सामग्री महंगी होने से ठेकेदारों के सामने काम जारी रखने में कठिनाई आ रही थी और कई परियोजनाएं प्रभावित हो रही थीं। अतिरिक्त बजट से इन बाधाओं को दूर किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में लगभग 45 हजार किलोमीटर सड़कों के निर्माण और नवीनीकरण की योजना पर काम किया जा रहा है।

कैबिनेट ने राजस्व विभाग में पटवारियों के ग्रुप-सी पदों को राज्य कैडर से जिला कैडर में परिवर्तित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी। इससे पटवारियों की भर्ती और तैनाती जिला स्तर पर करने का रास्ता साफ होगा। सरकार के अनुसार इससे प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक सुविधाजनक बनाने और स्थानीय स्तर पर कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा पंजाब एग्रीकल्चरल प्रोड्यूस मार्केट्स बोर्ड (पीएबीबीएमबी) में पंजाब कैडर के 2,400 पद भरने की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी।

1984 के सिख कत्लेआम का दर्द बरकरार चार दशक बाद भी इंसाफ अधूरा : धामी

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर

नवंबर 1984 में दिल्ली सहित देश के विभिन्न हिस्सों में हुए सिख कत्लेआम की पीड़ा आज भी पीड़ित परिवारों के दिलों में बनी हुई है। चार दशक से अधिक समय बीतने के बावजूद कई पीड़ित परिवार न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के प्रधान एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने यह बात 1984 के सिख कत्लेआम में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कही। उन्होंने इस घटना को दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के माथे पर कलंक करार दिया।


एसजीपीसी प्रधान एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी।

एडवोकेट धामी ने कहा कि नवंबर 1984 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार की शह पर एक नवंबर से करीब एक सप्ताह तक सिखों के खिलाफ हिंसा और अमानवीय अत्याचार किए गए। इस दौरान बड़ी संख्या में सिखों को बेरहमी से मौत के घाट उतारा गया। उन्होंने कहा कि मानवता के खिलाफ किया गया यह कृत्य इतना भयावह था कि इसने दुनिया भर के संवेदनशील लोगों को झकझोर दिया था। इतने वर्षों बाद भी पीड़ित परिवारों को न्याय नहीं मिल पाना बेहद दुखद है।

एसजीपीसी प्रधान ने आरोप लगाया कि कत्लेआम के लिए जिम्मेदार लोगों को कानून के अनुसार सजा मिलनी चाहिए थी, लेकिन कांग्रेस ने इंसाफ दिलाने के बजाय आरोपों का सामना कर रहे नेताओं की पैरवी की। उन्होंने कहा कि ऐसे नेताओं को बड़े राजनीतिक पदों से भी नवाजा गया। इससे पीड़ित परिवारों के जख्म भरने के बजाय बार-बार हरे होते रहे। धामी ने कहा कि देश की आजादी और विकास में सिख समुदाय ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है और अनेक कुर्बानियां दी हैं, इसके बावजूद समुदाय को बार-बार अन्याय का सामना करना पड़ा है।

उन्होंने कहा कि नवंबर का महीना आते ही कत्लेआम में अपने परिजनों को खो चुके परिवारों का दर्द फिर ताजा हो जाता है। सरकारों को चाहिए कि वे पीड़ितों को न्याय दिलाने और हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा दिलाने के लिए ठोस कदम उठाएं।

एडवोकेट धामी ने कहा कि न्याय की लड़ाई केवल पीड़ित परिवारों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानवाधिकारों, लोकतांत्रिक मूल्यों और न्याय व्यवस्था में विश्वास से भी जुड़ी है। जब तक दोषियों को उनके किए की सजा नहीं मिलती, तब तक पीड़ित परिवारों को संतोष नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि सिख समुदाय इस दर्दनाक घटना को कभी नहीं भुला सकता और हर वर्ष मारे गए लोगों की स्मृति में कार्यक्रम आयोजित करता है। इसी क्रम में दो नवंबर को श्री दरबार साहिब परिसर में श्री अखंड पाठ साहिब के भोग डाले जाएंगे। इसके बाद 1984 के सिख कत्लेआम में मारे गए लोगों की आत्मिक शांति के लिए अरदास की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

फिरोजपुर में दूध पीने के बाद तीन बच्चियों की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, फिरोजपुर। पंजाब के फिरोजपुर जिले के गांव मोहरे वाला में शनिवार को संदिग्ध परिस्थितियों में तीन मासूम बच्चियों की मौत हो गई। मृतकों में दो सगी बहनें शामिल हैं। बताया जा रहा है कि दूध पीने के कुछ देर बाद तीनों की तबीयत बिगड़ गई और उनके मुंह से झाग निकलने लगा। स्वजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सक उन्हें बचा नहीं सके। ग्रामीणों के अनुसार, बच्चियों ने दूध पीने के अलावा दुकान से चिप्स और कुरकुरे भी खाए थे। ऐसे में उनकी मौत की वजह दूध, किसी अन्य खाद्य पदार्थ या कोई दूसरी परिस्थिति थी, इसका पता जांच के बाद ही चल सकेगा। सीनियर मेडिकल अफसर डॉ. निखिल गुप्ता ने बताया कि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही होगी। तीनों बच्चियों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं।

पंजाब में पांच-छह नवंबर को सरकारी दफ्तरों में कलम छोड़ो हड़ताल

भारतेन्दु संवाददाता, मोगा। पंजाब सरकार की नीतियों और लंबित मांगों के विरोध में पंजाब स्टेट मिनिस्टीरियल सर्विसेज यूनियन ने आंदोलन तेज करने का फैसला लिया है। डीसी कार्यालय मोगा में प्रदेश अध्यक्ष गुरनाम सिंह विरक और महासचिव तरसेम सिंह भट्ठल की अगुवाई में हुई बैठक में संघर्ष की रणनीति तैयार की गई। प्रदेश प्रेस सचिव गुरप्रीत सिंह खटड़ा ने बताया कि तीन नवंबर को जिला स्तर पर गेट रैलियां और चार नवंबर को विशाल प्रदर्शन किए जाएंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री, वित्त मंत्री और मुख्य सचिव के पुतले फूंके जाएंगे। मांगें पूरी नहीं होने पर पांच और छह नवंबर को प्रदेशभर के सरकारी कार्यालयों में कलम छोड़ो और कंप्यूटर बंद हड़ताल की जाएगी। यूनियन ने कर्मचारियों से आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है। इससे पहले 21 और 22 अक्टूबर को भी कर्मचारियों ने हड़ताल की थी। यूनियन के अनुसार, जुलाई से अब तक छुट्टियों को छोड़कर 17 दिन सरकारी कामकाज प्रभावित हो चुका है।

जालंधर के ग्लासी जंक्शन रेस्टोरेंट में पुलिस की देर रात छापेमारी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़ । जालंधर के मकसूदां रोड स्थित चर्चित पब और रेस्टोरेंट ग्लासी जंक्शन में पुलिस ने देर रात छापेमारी की। यह रेस्टोरेंट एचएचवी कॉलेज के पास स्थित है। पुलिस को यहां हुक्का बार चलाए जाने और ग्राहकों को हुक्का परोसने की सूचना मिली थी। जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो वहां मौजूद स्टाफ फरार हो गया। पुलिस अधिकारी के अनुसार, सूचना के आधार पर जांच की गई, लेकिन मौके से हुक्का परोसने का कोई सबूत नहीं मिला। हालांकि, रेस्टोरेंट में शराब परोसे जाने की बात सामने आई है। इस संबंध में पुलिस ने आबकारी विभाग को सूचित कर दिया है। अब मामले में संबंधित विभाग की ओर से आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लुधियाना में पति को 48 लाख का चूना लगाकर पत्नी फरार

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना । ऋषि नगर इलाके में एक महिला पर पति के घर से 29 लाख रुपये नकद, सोने-चांदी के जेवर और जरूरी दस्तावेज लेकर फरार होने का आरोप लगा है। इसके अलावा महिला ने पति के बैंक खाते से भी 19 लाख रुपये निकलवा लिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता के अनुसार, उसकी पत्नी निशा बेटे को बैंक जाने की बात कहकर घर से निकली थी। काफी देर तक वापस नहीं आने पर बेटे ने पड़ोसियों के फोन से उससे संपर्क किया। महिला हर बार एक घंटे में लौटने का आश्वासन देती रही, लेकिन घर नहीं पहुंची। बाद में पति ने अलमारी जांची तो उसमें रखे 29 लाख रुपये गायब मिले। आरोप है कि महिला घर से कपड़े, मोबाइल फोन, जेवर और जरूरी दस्तावेज भी ले गई। बैंक खाते की जांच में पता चला कि उसने नौ लाख रुपये निकलवाए थे, जबकि 28 अक्टूबर को उसकी सहमति से 10 लाख रुपये स्थानांतरित करवाए गए थे। इस तरह कुल 48 लाख रुपये की नकदी के अलावा जेवर और अन्य सामान गायब होने की शिकायत दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अमृतपाल की पार्टी में बढ़ी अंदरूनी कलह 23 जिला संगठन भंग करने पर विवाद

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद अमृतपाल सिंह की पार्टी अकाली दल वारिस पंजाब दे में अंदरूनी विवाद खुलकर सामने आ गया है। पार्टी की प्रिंसिपल ड्राफ्टिंग कमेटी ने संगठन में सरकारी तंत्र के कथित हस्तक्षेप और फैसलों पर बाहरी प्रभाव का आरोप लगाते हुए सिख संगतों से पार्टी की रक्षा के लिए आगे आने की अपील की है। कमेटी ने प्रदेश के 23 जिला संगठनों को भंग करने और अपने पांच सदस्यों की प्राथमिक सदस्यता समाप्त करने के फैसले पर भी सवाल उठाए हैं।

31 अक्टूबर को भाई बेअंत सिंह, भाई सतवंत सिंह और भाई केहर सिंह की शहादत को नमन करते हुए जारी बयान में कमेटी ने कहा कि अकाली दल वारिस पंजाब दे किसी व्यक्ति, परिवार या सरकारी तंत्र की संपत्ति नहीं, बल्कि पंथ और पंजाब की संगतों की अमानत है। जिला संगठनों को भंग करने के फैसले को कमेटी ने गैर-संवैधानिक बताते हुए खारिज किया।

कमेटी के प्रवक्ता गुरदीप सिंह भंडाल ने आरोप लगाया कि पार्टी में सरकारी हस्तक्षेप, पदों के बंटवारे और टिकटों को लेकर कई महीनों से सवाल उठ रहे थे। बहुमत जिला प्रधानों ने इन मुद्दों को कार्यकारी प्रधान बापू तरसेम सिंह के सामने भी उठाया था। चंडीगढ़ स्थित कार्यालय को फैसलों का केंद्र बनाने और लुधियाना में मनप्रीत सिंह इयाली के आवास पर होने वाली गतिविधियों पर भी आपत्ति जताई गई थी।

भंडाल के अनुसार, 20 अक्टूबर को बहुमत जिला प्रधानों ने छह पन्नों का पत्र कार्यकारी प्रधान को सौंपकर कथित बाहरी प्रभाव की निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की थी। कार्रवाई नहीं होने पर श्री फतेहगढ़ साहिब में बैठक आयोजित की गई और गुरुद्वारा श्री ज्योति स्वरूप साहिब में अरदास के बाद प्रिंसिपल ड्राफ्टिंग कमेटी का गठन किया गया। कमेटी के मुताबिक, बापू तरसेम सिंह समेत पांच नेताओं और बहुमत जिला प्रधानों के साथ करीब पांच घंटे बैठक हुई।

दो विधायकों के इस्तीफे से पंजाब में सियासी हलचल, 'आप' ने भाजपा पर साधा निशाना

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी के दो विधायकों के इस्तीफे के बाद पंजाब की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा और पार्टी के मीडिया कोऑर्डिनेटर बलतेज पन्नू ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा दूसरे दलों से निकाले गए और किनारे किए गए नेताओं को अपने साथ जोड़कर पंजाब में राजनीतिक आधार तलाश रही है। इस बीच आम आदमी पार्टी ने नशे के खिलाफ अभियान को संगठनात्मक मजबूती देने के लिए नशा मुक्ति मोर्चा में 67 नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की घोषणा भी की है।



कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने हमेशा पंजाब के हितों को प्राथमिकता दी है। पार्टी में किसी भी नेता के भ्रष्टाचार या प्रदेश के हितों के खिलाफ काम करने की जानकारी मिलने पर कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने ऐसे मामलों में बिना किसी हिचकिचाहट के संबंधित नेताओं को बाहर का रास्ता दिखाया।

अरोड़ा ने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह अब उन्हीं नेताओं को अपने साथ जोड़ रही है, जिन्हें आम आदमी पार्टी ने बाहर किया था या जिनसे पहले ही दूरी बना ली थी। उनके अनुसार, भाजपा के पास पंजाब में अपना मजबूत आधार नहीं है और वह दूसरे दलों से आए नेताओं के सहारे राजनीतिक जमीन तलाश रही है। उन्होंने भाजपा में शामिल होने वाले कुछ नेताओं को लेकर भी सवाल उठाए और कहा कि ऐसे लोगों से पंजाब के हितों की रक्षा की उम्मीद नहीं की जा सकती।

आप के मीडिया कोऑर्डिनेटर बलतेज पन्नू ने कहा कि दो विधायकों ने पार्टी से इस्तीफा दिया है, लेकिन उनकी गतिविधियों और कामकाज के कारण पार्टी पहले ही उनसे दूरी बना चुकी थी। उन्होंने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि उसे पंजाब में अपने उम्मीदवार नहीं मिल रहे हैं। इसलिए वह दूसरी पार्टियों से निकाले गए या किनारे किए गए नेताओं को अपने साथ जोड़ रही है।

आवंटन की तारीख बदलकर बिल्डर को पहुंचाया लाभ, अधिकारियों पर दबाव बनाने का आरोप

मोहाली में बिल्डर को 47 करोड़ की राहत गमाडा अधिकारियों पर ईडी ने उठाए सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

मोहाली में सरकारी जमीन के आवंटन से जुड़े मामले में गमाडा के अधिकारियों की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। सेक्टर-62 स्थित फूड कोर्ट साइट के आवंटन में एक निजी बिल्डर को कथित तौर पर करीब 47 करोड़ रुपये का फायदा पहुंचाने के लिए जमीन आवंटन की प्रभावी तारीख बदल दी गई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में सामने आया है कि इस फैसले के लिए गमाडा के मुख्य अभियंता पर अनुकूल रिपोर्ट तैयार करने का दबाव बनाया गया था। मुख्य अभियंता अजय गर्ग ने ईडी को बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों ने रिपोर्ट में 'आंशिक रूप से व्यवहार्य' शब्द लिखने के लिए उन पर दबाव डाला था।

मामला रेमिगेट बिल्ड एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड को आवंटित 1.13 एकड़ जमीन से जुड़ा है। सितंबर 2015 में कंपनी को सेक्टर-62 में फूड कोर्ट साइट 32.50 करोड़ रुपये के आरक्षित मूल्य पर आवंटित की गई थी। कंपनी की ओर से निर्धारित समय पर बकाया



राशि का भुगतान नहीं किए जाने पर गमाडा ने उसे कारण बताओ नोटिस जारी किया था। हालांकि, बाद में अधिकारियों ने भुगतान में देरी के लिए कंपनी के बजाय गमाडा के एस्टेट कार्यालय की कमियों को जिम्मेदार ठहराया। इसके बाद मामले में बिल्डर को राहत देने की प्रक्रिया शुरू हुई।

ईडी की जांच के अनुसार, मुख्य अभियंता अजय गर्ग की रिपोर्ट के आधार पर तत्कालीन एस्टेट अधिकारी हरदीप सिंह ने बिल्डर को राहत देने का प्रस्ताव तैयार किया था। इसे मंजूरी के लिए गमाडा की बैठक में रखा गया, जिसकी अध्यक्षता तत्कालीन मुख्य सचिव एवं गमाडा के चेयरमैन ने की थी। बैठक के बाद एस्टेट कार्यालय की रिपोर्ट के आधार पर जमीन आवंटन की प्रभावी तारीख सितंबर 2015 से बदलकर फरवरी 2022 कर दी गई। इस बदलाव से बिल्डर को करीब 47 करोड़ रुपये की देनदारी में कथित राहत मिलने का रास्ता साफ हुआ।

ईडी का आरोप है कि अधिकारियों ने निजी बिल्डर को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए नियमों और प्रशासनिक प्रक्रिया का इस्तेमाल किया। एजेंसी ने धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच के दौरान गमाडा कार्यालय में लगातार तीन दिन तक तलाशी अभियान चलाया था। इस दौरान जब्त दस्तावेजों और अन्य सामग्री को अपने कब्जे में रखने के समर्थन में एजेंसी ने दिल्ली स्थित न्यायनिर्णयन प्राधिकरण के समक्ष अधिकारियों और बिल्डर के बीच कथित मिलीभगत का विवरण प्रस्तुत किया है।

इस मामले में तत्कालीन एस्टेट अधिकारी हरदीप सिंह और अतिरिक्त मुख्य प्रशासक अमरिंदर सिंह मल्ही को भी ईडी ने पूछताछ के लिए तलब किया है। मुख्य अभियंता ने जिन वरिष्ठ अधिकारियों पर रिपोर्ट को प्रभावित करने का दबाव बनाने का आरोप लगाया है, उनके नाम एजेंसी की ओर से सार्वजनिक नहीं किए गए हैं।

बच्चों की बढ़ती आक्रामकता के पीछे घर और मोबाइल का माहौल जिम्मेदार

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। बच्चों में छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करना, मारपीट करना और दूसरों को चोट पहुंचाने की प्रवृत्ति को सामान्य शरारत समझकर नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। पंचकूला के सेक्टर-20 स्थित सरकारी स्कूल में तीसरी कक्षा के छात्र द्वारा पहली कक्षा की छह वर्षीय बच्ची पर ईंट से करीब 12 वार करने की घटना ने बच्चों में बढ़ती आक्रामकता को लेकर चिंता बढ़ा दी है। गंभीर रूप से घायल बच्ची का पीजीआई में उपचार चल रहा है।

क्लीनिकल साइकोलाजिस्ट डा. भविंदर सिंह के अनुसार, बच्चों के आक्रामक व्यवहार के पीछे पारिवारिक माहौल, भावनात्मक असुरक्षा और आसपास के वातावरण जैसे कई कारण हो सकते हैं। माता-पिता के बीच लगातार झगड़े, बच्चों को पर्याप्त समय नहीं देना और जरूरत से ज्यादा सख्ती उनके व्यवहार पर नकारात्मक असर डाल सकती है। कई बार बच्चे अपनी भावनाएं व्यक्त नहीं कर पाते और गुस्से के रूप में प्रतिक्रिया देते हैं।

मोबाइल पर हिंसक वीडियो, गेम और मारपीट वाली सामग्री देखने से भी बच्चों का व्यवहार प्रभावित हो सकता है। बच्चे कई बार देखी गई गतिविधियों


एआई फोटो

◆ बच्चों के हिंसक व्यवहार को जिद न समझें, समय रहते मनोवैज्ञानिक से लें सलाह

की नकल वास्तविक जीवन में करने लगते हैं। कुछ मामलों में एडीएचडी और ओडीडी जैसे व्यवहार संबंधी विकार भी आक्रामकता का कारण हो सकते हैं, हालांकि हर जिद्दी बच्चा किसी विकार से प्रभावित नहीं होता।

विशेषज्ञों का कहना है कि बच्चे के व्यवहार में अचानक बदलाव, बार-बार गुस्सा करना और दूसरों को नुकसान पहुंचाने की प्रवृत्ति दिखने पर मनोवैज्ञानिक से सलाह लेनी चाहिए। माता-पिता को डांटने या शारीरिक सजा देने के बजाय बच्चों से बातचीत करनी चाहिए। पेरेंट मैनेजमेंट ट्रेनिंग और काग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी से भी बच्चों को गुस्से पर नियंत्रण और भावनाएं सही तरीके से व्यक्त करना सिखाया जा सकता है।

चंडीगढ़ को देश का पहला नशामुक्त शहर बनाने का लक्ष्य: अमित शाह

एनडीपीएस मामलों में 93 प्रतिशत दोषसिद्धि, खेल और जागरूकता से युवाओं को नशे से दूर रखने की पहल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चंडीगढ़ को देश का पहला नशामुक्त शहर बनाने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए पुलिस को नशा तस्करी के खिलाफ अभियान और तेज करने का आह्वान किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि चंडीगढ़ पुलिस के प्रयासों और जनसहयोग से शहर को जल्द नशामुक्त बनाया जा सकेगा। रविवार को चंडीगढ़ पुलिस के 66वें स्थापना दिवस समारोह में उन्होंने पुलिस के कामकाज की सराहना करते हुए नशे और गैंगस्टरों के खिलाफ चल रही कार्रवाई को महत्वपूर्ण बताया।



चंडीगढ़ पुलिस के स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में बोलते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

सेक्टर-26 स्थित पुलिस लाइन में आयोजित समारोह में अमित शाह ने चंडीगढ़ पुलिस को प्रेसिडेंट पुलिस कलर अवॉर्ड प्रदान किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1966 से चंडीगढ़ पुलिस ने शहर की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपनी कार्यशैली और जिम्मेदारी के प्रति समर्पण के कारण पुलिस ने देश की पुलिस व्यवस्था में अलग पहचान बनाई है।

गृह मंत्री ने कहा कि आतंकवाद के दौर में चंडीगढ़ भी इससे अछूता नहीं रहा, लेकिन पुलिस ने साहस और पराक्रम के साथ चुनौतियों का सामना किया। पंजाब और हरियाणा की संयुक्त राजधानी होने के कारण चंडीगढ़ पुलिस पर सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की अतिरिक्त जिम्मेदारी रहती है। इसके बावजूद पुलिस ने दोनों राज्यों की पुलिस के साथ बेहतर समन्वय बनाकर ट्राईसिटी में सुरक्षा व्यवस्था संभाली है।

अमित शाह ने नए कानूनों के तहत एनडीपीएस मामलों में चंडीगढ़ पुलिस की 93 प्रतिशत दोषसिद्धि दर को भी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि नशा तस्करों और गैंगस्टरों के खिलाफ चल रही कार्रवाई से अपराधियों पर शिकंजा कसने में मदद मिली है। उन्होंने उम्मीद जताई कि पुलिस इसी प्रतिबद्धता के साथ काम जारी रखेगी और चंडीगढ़ देश में सबसे पहले नशामुक्त होगा।

चंडीगढ़ के प्रशासक और पंजाब के राज्यपाल ने बताया कि शहर में 11 सितंबर से नशे के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत अब तक 196 मामले दर्ज किए गए हैं और 211 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, 828 लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कहा कि भले ही खुले तौर पर नशे की बिक्री दिखाई नहीं देती, लेकिन नशे के इस्तेमाल की समस्या को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इससे निपटने के लिए पुलिस नशामुक्ति मित्रों और आम नागरिकों को भी अभियान से जोड़ रही है।

प्रशासक ने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए केवल पुलिस कार्रवाई पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ना भी जरूरी है। इसी उद्देश्य से शहर में खेल गतिविधियां शुरू की गई हैं। क्रिकेट के माध्यम से करीब 40 हजार बच्चों को जोड़ने के साथ वॉलीबाल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई हैं। पुलिस बस्तियों में जागरूकता अभियान चलाने के साथ नशे के खिलाफ कार्रवाई भी कर रही है।

डीजीपी डॉ. सागर प्रीत हुड्डा ने कहा कि दिसंबर 2029 तक देश को नशामुक्त बनाने के मिशन के तहत प्रशासक के मार्गदर्शन में चंडीगढ़ पुलिस लगातार काम कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पुलिस नशा तस्करी पर अंकुश लगाने और लोगों को जागरूक करने के लिए अपने प्रयास जारी रखेगी।

गृह मंत्री अमित शाह ने चंडीगढ़ को देश के सबसे बेहतर नियोजित शहरों में शामिल बताते हुए यहां की यातायात व्यवस्था की सराहना की। उन्होंने चंडीगढ़ पुलिस के ट्रैफिक प्रबंधन को सराहते हुए कहा कि शहर की व्यवस्थित यातायात व्यवस्था इसकी पहचान है। स्थापना दिवस समारोह में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका को भी रेखांकित किया गया।

जालंधर फ्लाईओवर पर रफ्तार का कहर ट्राली से भिड़ी कार, दो दोस्तों की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

जालंधर। जालंधर में रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। हादसा पुलिस लाइन के पास स्थित फ्लाईओवर पर हुआ, जहां तेज रफ्तार कार आगे चल रही ट्राली से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार सवार दोनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान स्पीड रिकार्ड कंपनी के मालिक दिनेश ओलख के बेटे दिवित ओलख और पप्पी स्वीट्स के मालिक के बेटे आरव तलवाड़ के रूप में हुई है। दोनों आपस में दोस्त थे। हादसे की खबर मिलते ही परिवारों और परिचितों में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार, दोनों युवक शनिवार रात अपने एक दोस्त की जन्मदिन पार्टी में शामिल होने गए थे। पार्टी समाप्त होने के बाद रविवार सुबह दोनों कार में सवार होकर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान पुलिस लाइन के पास फ्लाईओवर पर उनकी कार आगे चल रही ट्राली से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों युवकों को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

हादसे के बाद आसपास से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही थाना बारादरी की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू करवाया। पुलिस ने दोनों युवकों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। हादसे की सूचना मिलने के बाद मृतकों के परिजन भी मौके पर पहुंचे। जवान बेटों की मौत से परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।


एआई फोटो

पुलिस हादसे के कारणों का पता लगाने में जुटी है। जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि कार की रफ्तार कितनी थी और ट्राली से टक्कर किन परिस्थितियों में हुई। इसके लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस ट्राली चालक और अन्य संभावित साक्ष्यों के आधार पर हादसे की पूरी परिस्थितियों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। हादसे के बाद फ्लाईओवर पर कुछ समय के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई। क्षतिग्रस्त कार और दुर्घटना की गंभीरता देखकर हर कोई हैरान रह गया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जरूरी साक्ष्य जुटाए। जांच अधिकारी यह भी पता लगा रहे हैं कि दुर्घटना के समय कार कौन चला रहा था और क्या ट्राली चालक की ओर से कोई लापरवाही हुई थी। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग की मदद से घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ रही है। दोनों युवकों की मौत से जालंधर के व्यापारिक और सामाजिक हलकों में भी शोक का माहौल है।

उमर सरकार पर नेकां विधायकों का दबाव 25 सदस्यों ने उठाई बदलाव की मांग

मंत्रियों के कामकाज और संगठन में फैसलों को लेकर विधायकों ने जताई नाराजगी

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू

जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के भीतर नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के विधायकों की नाराजगी खुलकर सामने आने लगी है। पार्टी के करीब 25 विधायकों ने सरकार की कार्यशैली और मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व को लेकर असंतोष जताते हुए नेतृत्व के सामने अपनी मांगें रखी हैं। विधायकों ने उपमुख्यमंत्री सहित सभी आठ कैबिनेट मंत्रियों को 15 दिनों के भीतर हटाकर मंत्रिमंडल का नए सिरे से गठन करने की मांग की है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार नासिर असलम वानी को भी पद से हटाने का दबाव बनाया गया है।

यह घटनाक्रम शुक्रवार शाम को उस समय सामने आया, जब पार्टी विधायकों ने विधायक कैसर जमशेद लोन के आवास पर एक गोपनीय बैठक की। बैठक में शामिल एक विधायक के अनुसार, कुल 25 विधायक इसमें शामिल हुए। इनमें से 18 विधायक व्यक्तिगत रूप से बैठक में पहुंचे, जबकि सात ने ऑनलाइन माध्यम से अपनी भागीदारी दर्ज कराई। बैठक में मंत्रिमंडल के पुनर्गठन और पार्टी के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में मौजूद विधायकों ने कथित तौर पर सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया। इसमें पार्टी के व्यापक हितों का हवाला देते हुए पूरे मंत्रिमंडल को बदलने की मांग की गई। विधायकों का कहना था कि मंत्रिमंडल में विभागों का बंटवारा करने और नई जिम्मेदारियां तय करने से पहले पार्टी के भीतर व्यापक विचार-विमर्श होना चाहिए। उन्होंने निर्णय प्रक्रिया में विधायकों की भागीदारी बढ़ाने और संगठन के स्तर पर लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने पर भी जोर दिया।

बैठक में शामिल एक विधायक ने इसे पार्टी के भीतर आंतरिक लोकतंत्र बहाल करने की दिशा में पहला बड़ा कदम बताया। विधायकों की नाराजगी का केंद्र केवल मंत्रियों की नियुक्ति या विभागों का बंटवारा नहीं, बल्कि सरकार और संगठन के बीच संवाद की कमी भी बताई जा रही है।



सरकार के संख्याबल पर भी चर्चा

90 सदस्यीय जम्मू-कश्मीर विधानसभा में नेशनल कॉन्फ्रेंस के 41 विधायक हैं। पार्टी कांग्रेस के छह, छह निर्दलीय और माकपा के एक विधायक के समर्थन से गठबंधन सरकार चला रही है। ऐसे में पार्टी के करीब 25 विधायकों की एकजुटता सरकार और संगठन के भीतर राजनीतिक समीकरणों के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। विधायकों की यह बैठक ऐसे समय हुई है, जब सरकार के गठन के बाद मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व और जिम्मेदारियों को लेकर पार्टी के भीतर असंतोष की चर्चा सामने आ रही है। यदि विधायकों की मांग पर नेतृत्व को कोई फैसला लेना पड़ता है तो इसका असर मंत्रिमंडल के मौजूदा स्वरूप और सरकार की कार्यशैली पर पड़ सकता है। फिलहाल इस पूरे घटनाक्रम पर पार्टी नेतृत्व की प्रतिक्रिया और आगे की रणनीति का इंतजार है। आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला असंतुष्ट विधायकों से बातचीत कर उनकी नाराजगी दूर करते हैं या मंत्रिमंडल में बदलाव को लेकर कोई कदम उठाते हैं।

उपमुख्यमंत्री और राजनीतिक सलाहकार पर भी सवाल

विधायकों की ओर से रखी गई मांग में उपमुख्यमंत्री सहित सभी आठ मंत्रियों को हटाने की बात शामिल है। इसके अलावा मुख्यमंत्री के करीबी माने जाने वाले राजनीतिक सलाहकार नासिर असलम वानी को भी पद से हटाने की मांग की गई है। इससे मुख्यमंत्री के नेतृत्व और सरकार में सलाहकारों की भूमिका को लेकर पार्टी के भीतर मतभेद सामने आए हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला या पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की ओर से इन मांगों पर आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आने की जानकारी नहीं है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि पार्टी नेतृत्व विधायकों के प्रस्ताव पर किस तरह विचार करेगा और मंत्रिमंडल में बदलाव को लेकर कोई निर्णय लिया जाएगा या नहीं।

श्रीनगर से जम्मू और उत्तर भारत तक पहुंच रहे मिट्टी के हजारों दीये

कश्मीर में मुस्लिम परिवार के हाथों बने दीयों से जगमगाएंगे हजारों घर

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर

दीपावली के त्योहार में अब लगभग एक सप्ताह शेष है। ऐसे में देशभर में तैयारियां तेज हो गई हैं। जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर के निशात स्थित इशबर इलाके में भी दीपावली की रौनक दिखाई देने लगी है। यहां एक मुस्लिम परिवार दिन-रात मेहनत कर हजारों मिट्टी के दीये तैयार कर रहा है। मोहम्मद उमर कुमार और उनका परिवार इन दीयों को आकार दे रहा है, जो दीपावली की रात जम्मू सहित उत्तर भारत के कई राज्यों में लोगों के घरों को रोशन करेंगे। यह परिवार पिछले करीब 26 वर्षों से दीपावली के लिए दीये बनाने का काम कर रहा है।

उमर कुमार के अनुसार, उनके परिवार ने वर्ष 2000 में दीये बनाने की शुरुआत की थी। शुरुआत में उन्हें कुछ दर्जन दीयों का छोटा-सा ऑर्डर मिला था। धीरे-धीरे उनके काम की मांग बढ़ती गई और अब यह संख्या हजारों से लेकर दसियों हजार तक पहुंच गई है। उन्होंने बताया कि दीपावली का मौसम उनके लिए केवल कमाई का अवसर नहीं, बल्कि खुशी और संतोष का भी समय होता है। उनके परिवार का पुश्तैनी व्यवसाय मिट्टी के बर्तन बनाना है, लेकिन जब उनके हाथों से तैयार दीये किसी बड़े त्योहार का हिस्सा बनते हैं तो उन्हें विशेष खुशी मिलती है।



◆ इशबर का मुस्लिम परिवार 26 वर्षों से बना रहा दीये, दीपावली पर बढ़ी मांग, हजारों घर होंगे रोशन

उमर ने बताया कि उनका परिवार दीपावली से लगभग 20 दिन पहले दीये बनाने का काम शुरू कर देता है। त्योहार नजदीक आने के साथ ऑर्डर बढ़ते जाते हैं और काम की रफ्तार भी तेज करनी पड़ती है। इस बार कार्यशाला में छह लोग दो पालियों में काम कर रहे हैं। पहले जहां रोजाना करीब आठ घंटे काम होता था, वहीं अब ऑर्डर पूरे करने के लिए 16 घंटे तक काम किया जा रहा है।

उनके मुताबिक, अब तक करीब 10 हजार दीये बेचे जा चुके हैं, जबकि इतने ही दीये तैयार करने का काम जारी है। मांग को देखते हुए परिवार को लगातार मेहनत करनी पड़ रही है। उमर ने बताया कि वह वाणिज्य विषय में स्नातक हैं। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने किसी अन्य नौकरी की तलाश करने के बजाय अपने पुश्तैनी व्यवसाय को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया।

उमर के ग्राहक जम्मू-कश्मीर के अलावा उत्तर भारत के विभिन्न क्षेत्रों में हैं। उन्हें ऑनलाइन माध्यम से भी ऑर्डर मिलते हैं। कई व्यापारी सीधे कार्यशाला पहुंचकर अपनी जरूरत के अनुसार दीयों की संख्या बताते हैं। एक व्यापारी आमतौर पर हजारों दीये खरीदता है। इनका इस्तेमाल जम्मू और उत्तर भारत के अलग-अलग हिस्सों में दीपावली के दौरान किया जाता है। स्थानीय स्तर पर कश्मीरी पंडित और अन्य हिंदू परिवार भी कार्यशाला में पहुंचकर दीये खरीदते हैं। सैनिक भी यहां से दीये लेते हैं।

उमर का कहना है कि बाजार में कई जगह मिट्टी के दीये उपलब्ध होने के बावजूद लोग उनकी कार्यशाला तक पहुंचते हैं। इसकी वजह हाथों से तैयार किए गए दीये और उनमें इस्तेमाल होने वाली प्राकृतिक सामग्री है। उनके अनुसार, हाथ से बने दीयों को लोग पसंद करते हैं। वह इस काम में दूसरे कुम्हारों की भागीदारी को भी सकारात्मक मानते हैं। उनका कहना है कि मांग इतनी अधिक है कि कोई एक कुम्हार अकेले सभी ऑर्डर पूरे नहीं कर सकता। इसलिए व्यापारी बड़े ऑर्डर को अलग-अलग कुम्हारों में बांट देते हैं।

रुहुल्ला के इस्तीफे से श्रीनगर सीट पर सियासी हलचल, राथर के नाम की चर्चा तेज

रुहुल्ला के इस्तीफे पर श्रीनगर उपचुनाव की तैयारी, नेकां राथर को उतार सकती है मैदान में

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू

जम्मू-कश्मीर की राजनीति में श्रीनगर लोकसभा सीट को लेकर हलचल तेज हो गई है। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) सांसद सैयद आगा रुहुल्ला के इस्तीफे के एलान के बाद पार्टी अब संभावित उपचुनाव की तैयारी में जुट गई है। सूत्रों के अनुसार, यदि रुहुल्ला अपने फैसले पर कायम रहते हैं और लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा देते हैं तो नेकां अपने वरिष्ठ नेता अब्दुल रहीम राथर को चुनाव मैदान में उतार सकती है। राथर फिलहाल जम्मू-कश्मीर विधानसभा के अध्यक्ष हैं।

पार्टी के सामने श्रीनगर सीट को बरकरार रखने की चुनौती होगी। ऐसे में नेतृत्व किसी ऐसे नेता को उम्मीदवार बनाना चाहेगा, जिसकी श्रीनगर और बडगाम क्षेत्र में अच्छी पहचान हो। अब्दुल रहीम राथर को इसी लिहाज से संभावित उम्मीदवार के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, पार्टी की ओर से अभी तक उनके नाम की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।



उल्लेखनीय है कि श्रीनगर-बडगाम लोकसभा क्षेत्र से सांसद आगा सैयद रुहुल्ला ने तीन नवंबर को नेशनल कॉन्फ्रेंस की सदस्यता और लोकसभा सीट से इस्तीफा देने का एलान किया है। यदि वह औपचारिक रूप से इस्तीफा देते हैं तो श्रीनगर सीट रिक्त हो जाएगी और निर्वाचन आयोग को वहां उपचुनाव कराना होगा। नेकां नेतृत्व फिलहाल उन्हें मनाने की कोशिश में भी जुटा है। पार्टी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि यदि रुहुल्ला इस्तीफा देने के फैसले पर अड़े रहते हैं तो उपचुनाव की स्थिति बन सकती है।

राजनीतिक हलकों में यह चर्चा भी है कि रुहुल्ला निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ सकते हैं। ऐसी स्थिति में पीडीपी, कांग्रेस और अन्य दल उन्हें प्रत्यक्ष या परोक्ष समर्थन दे सकते हैं। इससे नेकां के लिए मुकाबला चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

जामा मस्जिद में संबोधन के बाद मीरवाइज फिर नजरबंद धार्मिक सभा रद्द

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर। हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के चेयरमैन और मीरवाइज-ए-कश्मीर डॉ. मौलवी मोहम्मद उमर फारूक को रविवार को एक बार फिर उनके घर में नजरबंद कर दिया गया। इस कार्रवाई के चलते वह श्रीनगर के जौनिमार इलाके में स्थित मस्जिद महबूब-उल-आलम में आयोजित होने वाली धार्मिक सभा को संबोधित नहीं कर सके। मीरवाइज ने इंटरनेट मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर अपनी नजरबंदी की जानकारी दी और इस पर निराशा जताई। मीरवाइज के अनुसार, प्रशासन ने यह कार्रवाई शुक्रवार को ऐतिहासिक जामा मस्जिद में दिए गए उनके संबोधन के बाद की है। उन्होंने आरोप लगाया कि जम्मू-कश्मीर से संबंधित इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप की हालिया रिपोर्ट में उठाए गए मुद्दों और सुझाए गए उपायों का समर्थन करने के कारण उन्हें रविवार को घर में नजरबंद किया गया। उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा कि जम्मू-कश्मीर और पूरे क्षेत्र में वास्तविक शांति तथा अपने लोगों के भविष्य को लेकर चिंता जताना और असहज तथ्यों को सामने रखना सत्तारूढ़ शासन को स्वीकार्य नहीं है। उनके अनुसार, रिपोर्ट की सिफारिशों का समर्थन करने के बाद उनके खिलाफ यह कार्रवाई की गई। बता दें कि शुक्रवार को ऐतिहासिक जामा मस्जिद में नमाज के दौरान दिए गए संबोधन में मीरवाइज ने जम्मू-कश्मीर में लंबे समय से जारी हिरासत, राजनीतिक कैदियों और नागरिक स्वतंत्रताओं पर पाबंदियों जैसे मुद्दे उठाए थे। उन्होंने क्षेत्र में सार्थक राजनीतिक संवाद की आवश्यकता पर भी जोर दिया था। इसके साथ ही सुलह और मेल-मिलाप की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की बात कही थी। मीरवाइज ने रविवार को होने वाली धार्मिक सभा में शामिल नहीं हो पाने पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि इस सभा में हिस्सा लेने और धार्मिक एवं आध्यात्मिक रूप से प्रेरणादायक संदेश सुनने की उम्मीद लगाए बैठे लोगों को निराशा होगी। उनकी नजरबंदी को लेकर प्रशासन की ओर से कार्रवाई का विस्तृत कारण सामने नहीं आया है। वहीं, मीरवाइज ने अपनी पोस्ट के माध्यम से इस कदम पर सवाल उठाते हुए कहा कि शांति और संवाद की बात रखने पर इस तरह की पाबंदियां उचित नहीं हैं।

कारगिल में चुनाव से पहले दल बदल तेज, अखून भाजपा में हुए शामिल

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू

लद्दाख में पंचायत और नगरपालिका चुनावों से पहले कारगिल की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) से निष्कासित लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद (एलएएचडीसी), कारगिल के पूर्व अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी पार्षद मोहम्मद जाफर अखून ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया है। वहीं, रजा अब्बासी और सामाजिक कार्यकर्ता फिदा हुसैन कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। चुनाव से पहले तीन प्रमुख चेहरों के अलग-अलग राजनीतिक दलों से जुड़ने को कारगिल में नए राजनीतिक समीकरणों के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

21 नवंबर को प्रस्तावित स्थानीय निकाय चुनावों से पहले हुए इस घटनाक्रम ने क्षेत्र की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है। एक ओर पूर्व परिषद प्रमुख अखून के भाजपा में शामिल होने से पार्टी को कारगिल में अपना आधार मजबूत करने का अवसर मिल सकता है, वहीं रजा अब्बासी और फिदा हुसैन के कांग्रेस में आने से पार्टी को स्थानीय स्तर पर नए चेहरे मिले हैं। तीनों नेताओं के राजनीतिक दल बदलने से आगामी चुनावों में विभिन्न दलों की रणनीति पर असर पड़ सकता है। मोहम्मद जाफर अखून एलएएचडीसी कारगिल के पूर्व अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी पार्षद रह चुके हैं।

रजा अब्बासी और फिदा हुसैन कांग्रेस में शामिल



दूसरी ओर, रजा अब्बासी और सामाजिक कार्यकर्ता फिदा हुसैन ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली है। रजा अब्बासी पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य की विधानसभा में जांस्कर का प्रतिनिधित्व कर चुके हाजी अब्बास के बेटे हैं। दोनों नेताओं ने लद्दाख प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष असगर अली करबलाई और अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में पार्टी का हाथ थामा। कांग्रेस नेताओं ने दोनों के पार्टी में शामिल होने को संगठन के लिए महत्वपूर्ण बताया। उनके अनुसार, स्थानीय स्तर पर प्रभाव रखने वाले इन चेहरों के जुड़ने से नगरपालिका चुनावों से पहले पार्टी को मजबूती मिलेगी। फिलहाल कारगिल में पंचायत और नगरपालिका चुनावों को लेकर राजनीतिक दल अपनी तैयारियों में जुटे हैं। ऐसे में प्रमुख नेताओं के दल बदलने से चुनावी मुकाबले को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

सोनमर्ग की खूबसूरती बचाने को प्रशासन सख्त, अवैध पार्किंग पर कार्रवाई शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के प्रमुख पर्यटन स्थल सोनमर्ग की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए प्रशासन ने अवैध पार्किंग के खिलाफ सख्त कदम उठाया है। सोनमर्ग डेवलपमेंट अथॉरिटी (एसडीए) ने हरित क्षेत्रों, खुले मैदानों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर अनधिकृत रूप से खड़े वाहनों को तत्काल हटाने के निर्देश जारी किए हैं। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि प्रतिबंधित स्थानों पर किसी भी वाहन को खड़ा करने की अनुमति नहीं होगी।

एसडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी की ओर से जारी आदेश में ट्रैफिक पुलिस को निर्देश दिया गया है कि निर्धारित पार्किंग स्थलों के बाहर खड़े वाहनों को बिना देरी हटाया जाए। आदेश में होटल माउंट व्यू, होटल अकबर, होटल नमरोस, थाजीवास गेट और गाडकोल के आसपास के क्षेत्रों को चिन्हित किया गया है। इसके अलावा श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग के उन हिस्सों पर भी कार्रवाई करने को कहा गया है, जहां पार्किंग की आधिकारिक अनुमति नहीं है।



प्राधिकरण ने निर्देश दिया है कि प्रतिबंधित स्थानों से हटाए गए वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थलों पर भेजा जाए। इसके लिए ओल्ड ट्रक यार्ड और शुटकाडी पार्किंग क्षेत्र को चिन्हित किया गया है। गांदरबल के डीएसपी ट्रैफिक को आदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने और चिन्हित स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने को कहा गया है।

जम्मू में सरकारी नौकरी के नाम पर साढ़े पांच लाख की ठगी

जम्मू। जम्मू में स्वास्थ्य विभाग में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर 5.50 लाख रुपये की कथित ठगी के मामले में क्राइम ब्रांच की आर्थिक अपराध शाखा ने आरोपी डेंटल डॉक्टर के खिलाफ अदालत में चार्जशीट पेश की है। आरोपी पर रणबीर पीनल कोड की धारा 420 के तहत मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता जौहर हफीज ने आरोप लगाया था कि आरोपी खान ने सिविल सचिवालय में प्रभावशाली लोगों से संपर्क होने का दावा कर उसे स्वास्थ्य विभाग में जूनियर असिस्टेंट की नौकरी दिलाने का भरोसा दिया था। इसके बदले उसने 5.50 लाख रुपये लिए, लेकिन नौकरी नहीं दिलाई। जांच इंस्पेक्टर तरनजीत सिंह ने की। इस दौरान शिकायतकर्ता, बैंक अधिकारियों और अन्य गवाहों के बयान दर्ज किए गए। बैंक रिकॉर्ड से शिकायतकर्ता के खाते से आरोपी के खाते में 5.50 लाख रुपये हस्तांतरित होने की पुष्टि हुई।

अनंतनाग में नशा तस्करों पर पुलिस का शिकंजा दस महीने में 602 आरोपित गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, अनंतनाग। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में नशे के कारोबार और नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ पुलिस ने व्यापक अभियान चलाया है। वर्ष 2026 के पहले दस महीनों में पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत 525 मामले दर्ज कर 602 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान 597 किलोग्राम से अधिक नशीले पदार्थ जब्त किए गए और 27.64 लाख रुपये नकद बरामद हुए।

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, नशा तस्करी से अर्जित संपत्ति के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 43 मामलों में करीब 63 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की गईं। इसके अलावा नशीले पदार्थों की अवैध कमाई से जुड़ी लगभग 20 करोड़ रुपये मूल्य की 20 संपत्तियों को ध्वस्त किया गया। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद करीब 2,000



किलोग्राम नशीले पदार्थों को नष्ट किया गया। वहीं, 305 मरला भूमि पर की जा रही अवैध खेती भी नष्ट की गई और तस्करों के कब्जे से 271 मरला से अधिक सरकारी जमीन मुक्त कराई गई।

पुलिस ने अभियान के दौरान नशीले पदार्थों की तस्करी और अवैध खेती में शामिल 13 महिलाओं को गिरफ्तार किया। वहीं, नशे से जुड़े मामलों में आठ सरकारी कर्मचारियों की संलिप्तता सामने आने के बाद उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई। निवारक कार्रवाई के तहत 17 तस्करों को पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम के तहत हिरासत में लिया गया। इसके अलावा नशे से जुड़े अपराधों के कारण 28 ड्राइविंग लाइसेंस और 22 वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द किए गए।

नशीले पदार्थों की आपूर्ति और आवाजाही रोकने के लिए पुलिस ने जिलेभर में 300 विशेष तलाशी अभियान चलाए। संबंधित विभागों के साथ मिलकर 23 मेडिकल दुकानों का निरीक्षण किया गया, जिनमें नियमों के उल्लंघन के मामले सामने आने पर कार्रवाई शुरू की गई। पुलिस ने एनडीपीएस मामलों की जांच को मजबूत बनाने के लिए 220 जांच अधिकारियों को प्रशिक्षण भी दिया। जिला पुलिस कार्यालय में आयोजित प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को कानूनी प्रक्रियाओं और साक्ष्यों के उचित रखरखाव की जानकारी दी गई।

कठुआ में ट्रक की टक्कर से 13 वर्षीय किशोर की मौत, छह घायल

भारतेन्दु संवाददाता, कठुआ। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में रविवार को जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर भीषण सड़क हादसा हो गया। कालीबाड़ी चौक के पास एक तेज रफ्तार ट्रक सड़क किनारे खड़ी दो मिनी बसों और एक ऑटो-रिक्शा से टकरा गया। हादसे में 13 वर्षीय किशोर की मौत हो गई, जबकि छह अन्य लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

एक अधिकारी के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब ट्रक कालीबाड़ी चौक पर खड़े वाहनों से जा भिड़ा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि इसकी चपेट में आए सात लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों और अन्य लोगों की मदद से घायलों को तत्काल उपचार के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी), कठुआ पहुंचाया गया।

अस्पताल में चिकित्सकों ने घायलों का उपचार शुरू किया, लेकिन गंभीर रूप से घायल 13 वर्षीय लड़के ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं, हादसे में घायल हुए छह अन्य लोगों का जीएमसी कठुआ में उपचार जारी है। उनकी स्थिति को लेकर फिलहाल विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि ट्रक चालक का वाहन पर नियंत्रण क्यों बिगड़ा और हादसा किन परिस्थितियों में हुआ। दुर्घटनास्थल पर मौजूद वाहनों और अन्य परिस्थितियों की भी जांच की जा रही है। फिलहाल हादसे में मृत किशोर की पहचान और दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस की कार्रवाई जारी है।

जम्मू एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू करने की तैयारी तेज़

जम्मू से मध्य पूर्व, सऊदी अरब और यूरोप के लिए उड़ानें शुरू करने की तैयारी

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू

जम्मू को अंतरराष्ट्रीय हवाई संपर्क से जोड़ने की दिशा में एयरपोर्ट प्रबंधन ने प्रयास तेज कर दिए हैं। धार्मिक पर्यटन, व्यापार, शिक्षा और विदेशों में रहने वाले लोगों की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए जम्मू से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू करने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। इसके तहत मध्य पूर्व, सऊदी अरब, ब्रिटेन और यूरोप के विभिन्न शहरों के लिए हवाई सेवाएं शुरू करने पर विचार किया जा रहा है।

इस संबंध में एयरपोर्ट प्रबंधन ने विभिन्न सरकारी एजेंसियों, विमानन कंपनियों, सुरक्षा संगठनों और व्यापार एवं पर्यटन क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। शनिवार को एयरपोर्ट निदेशक देवेंद्र यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में संभावित उड़ान मार्गों, यात्रियों की उपलब्धता और संचालन से जुड़े पहलुओं पर चर्चा की गई। बैठक में नए घरेलू टर्मिनल भवन में उड़ानों के स्थानांतरित



होने के बाद मौजूदा टर्मिनल भवन को अंतरराष्ट्रीय सेवाओं के लिए इस्तेमाल करने की संभावना पर भी विचार हुआ।

एयरपोर्ट निदेशक देवेंद्र यादव ने कहा कि पुराने टर्मिनल भवन के इस्तेमाल से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के संचालन के लिए अलग व्यवस्था विकसित करने का अवसर मिल सकता है। हालांकि, इसके लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाएं तैयार करने के साथ संबंधित नियामकीय मंजूरियां भी लेनी होंगी।

जम्मू चैंबर के चेयरमैन राहुल सहाय ने ऐसे अंतरराष्ट्रीय मार्गों के चयन पर जोर दिया, जहां यात्रियों की पर्याप्त संख्या उपलब्ध हो और विमानन कंपनियां लंबे समय तक सेवाएं जारी रख सकें। उन्होंने मध्य पूर्व, सऊदी अरब, ब्रिटेन और यूरोप के लिए उड़ानों की संभावनाओं का उल्लेख किया। उमरा यात्रा, धार्मिक पर्यटन और उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने वाले विद्यार्थियों की जरूरतों को भी महत्वपूर्ण बताया।

सियासत आटे की कतारों वाले पाकिस्तान की चर्चा क्यों, भारत की उपलब्धियों पर ध्यान दें : उपराज्यपाल सिन्हा

पाकिस्तान पर फारूक के बयान को लेकर उपराज्यपाल सिन्हा ने उठाए सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डा. फारूक अब्दुल्ला के पाकिस्तान संबंधी बयान को लेकर जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक बहस तेज हो गई है। उनके बयान के करीब एक सप्ताह बाद शनिवार को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस पर सवाल उठाते हुए कहा कि भारत की उपलब्धियों और वैश्विक मंचों पर उसकी बढ़ती प्रतिष्ठा की चर्चा करने के बजाय कुछ लोग पड़ोसी देश की बात क्यों करते हैं। उन्होंने पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि आखिर हम उस देश की चर्चा क्यों करते हैं, जहां लोगों को आटे के लिए लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता है।

श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के आठवें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि भारत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। दुनिया के विभिन्न मंचों पर देश की

◆ फारूक के बयान पर सिन्हा का पलटवार, पाकिस्तान की बदहाली का किया जिक्र

उपलब्धियों और प्रतिष्ठा को स्वीकार किया जा रहा है। ऐसे में भारत की बात करने के बजाय एक ऐसे देश की चर्चा करना उचित नहीं है, जहां आम लोगों को बुनियादी जरूरतों के लिए भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

सिन्हा ने कहा कि भारत की महिमा दुनिया के हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित हुई है। इसके बावजूद कुछ लोग पड़ोसी देश का उल्लेख करते हैं, जबकि वहां आटे के लिए लंबी कतारें लगती हैं। उन्होंने कहा कि देश की उपलब्धियों और प्रगति पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

उपराज्यपाल ने अपने संबोधन में आतंकवाद, अलगाववाद और उनके समर्थकों को लेकर भी कड़ा रुख जाहिर किया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में उन लोगों के लिए कोई जगह नहीं है, जिनका



मनोज सिन्हा और फारूक अब्दुल्ला।

अस्तित्व अलगाववाद और संघर्ष के कारोबार पर निर्भर रहा है। उन्होंने आतंकियों, अलगाववादियों और उनके समर्थकों को चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग अब उन तत्वों को पहचानने लगे हैं, जो प्रदेश को दोबारा आतंकवाद और हिंसा की ओर धकेलने का प्रयास कर रहे हैं। विशेष रूप से कश्मीर घाटी के आम नागरिक ऐसे लोगों के तौर-तरीकों को समझ चुके हैं। सिन्हा ने कहा कि प्रदेश में शांति और सामान्य स्थिति बनाए रखने के प्रयास जारी हैं और हिंसा को बढ़ावा देने वालों के लिए यहां कोई स्थान नहीं है।

गौरतलब है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डा. फारूक अब्दुल्ला ने 24 अक्टूबर को बारामूला में पार्टी कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित करते हुए पाकिस्तान का उल्लेख किया था। उन्होंने कहा था कि कश्मीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार उठाने के लिए पाकिस्तान के प्रयासों ने इसे चर्चा में बनाए रखा है।

फारूक अब्दुल्ला ने कहा था कि पड़ोसी देश लगातार कश्मीर मुद्दे को उठाता रहा है और विभिन्न मंचों पर यह कहता है कि कश्मीर का मसला अभी तक हल नहीं हुआ है। उन्होंने अपने बयान में कहा था कि पाकिस्तान हर जगह जाकर इस मुद्दे को उठाता है और इसके माध्यम से कश्मीर की चर्चा जारी रखता है।

संवाद से

जनकल्याण तक : ब्रिक्स संसदीय मंच का संदेश



एआई निर्मित चित्र।



कुलदीप सिंह धतवालिया

आज की दुनिया परस्पर जुड़ी हुई है। किसी एक देश में उठाया गया कदम व्यापार, ऊर्जा, पर्यावरण और तकनीक के रास्ते दूर-दराज के समाजों तक प्रभाव डाल सकता है। ऐसे समय में देशों के बीच संवाद और सहयोग का महत्व बढ़ जाता है। इसी व्यापक संदर्भ में 26 और 27 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली में 12वां ब्रिक्स संसदीय मंच आयोजित हुआ। इसका विषय था 'जन-केंद्रित विकास के लिए संसदों को सशक्त बनाना'। दो दिन की चर्चा के बाद सदस्य देशों ने संयुक्त घोषणा को सर्वसम्मति से स्वीकार किया। इस आयोजन का मूल संदेश है कि लोकतांत्रिक संस्थाएं तभी सार्थक हैं, जब उनकी नीतियां नागरिकों के जीवन में दिखाई देने वाला सुधार लाएं।

ब्रिक्स आज वैश्विक सहयोग का एक महत्वपूर्ण मंच है। इसके 11 सदस्य देश ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब भौगोलिक, सांस्कृतिक और आर्थिक दृष्टि से विविध हैं। इस विविधता के बीच साझा हितों पर सहमति बनाना आसान नहीं है। इसलिए संसदीय मंच का महत्व केवल बैठकों तक सीमित नहीं है। संसदों के प्रतिनिधि अपने समाजों की आकांक्षाएं, अनुभव और चुनौतियां सामने रखते हैं। बातचीत स ` हैं, तब सार्वजनिक मतभेद समझने, भरोसा बढ़ाने और सहयोग के व्यावहारिक रास्ते खोजने में मदद मिलती है। विश्वास मजबूत होता है।

मंच की चर्चा का केंद्र यह था कि संसदें जन-केंद्रित विकास को आगे बढ़ाने में अधिक प्रभावी भूमिका कैसे निभाएं। संसद कानून बनाती है, बजट पर विचार करती है और सरकार से जवाब मांगती है। साथ ही वह जनता और शासन के बीच संवाद का सेतु भी है। जब संसदें पारदर्शी, उत्तरदायी और नागरिकों के लिए सुलभ होती हैं, तब संयुक्त घोषणा ने संस्थागत क्षमता, जवाबदेही और नागरिकों की भागीदारी को महत्वपूर्ण माना। यह विचार स्थानीय लोकतंत्र के लिए भी उपयोगी है। निर्णय लोगों के जीवन से जुड़ें, उनकी आवाज सुनी जाए और काम की प्रगति की नियमित जानकारी मिले।

घोषणा में वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधिक बनाने और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया। विकासशील देशों और वैश्विक दक्षिण की आवाज अंतरराष्ट्रीय निर्णयों में पर्याप्त रूप से सुनाई दे, यह मांग समानता और न्याय से जुड़ी है। मंच ने आतंकवाद, आतंक के वित्तपोषण और आतंकियों को सुरक्षित ठिकाने देने की निंदा भी की। साथ ही वैश्विक समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए संवाद, शांति और सहयोग को जरूरी बताया गया।

एआई निर्मित चित्र।

तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर भी विचार हुआ। डिजिटल साधन संसदों के काम को तेज कर सकते हैं और नागरिकों की भागीदारी के नए अवसर खोल सकते हैं। हालांकि, तकनीक का उपयोग मानवीय मूल्यों, पारदर्शिता, निजता और जवाबदेही के साथ होना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाएं तभी उपयोगी होंगी, जब इंटरनेट और उपकरण उपलब्ध हों तथा जानकारी स्थानीय भाषा में मिले।

सतत विकास पर हुई चर्चा का सीधा संबंध गांवों और कस्बों से है। जलवायु परिवर्तन, जल संकट, स्वच्छता और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण स्थानीय जीवन को प्रभावित करते हैं। विकास और पर्यावरण संरक्षण को अलग-अलग नहीं रखा जा सकता। ऐसी योजनाएं अधिक टिकाऊ होंगी, जिनमें स्थानीय जरूरतों और समुदाय की भागीदारी को महत्व मिले।

ब्रिक्स मंच का संदेश ढटवाल के लिए भी प्रासंगिक है। पानी और स्वच्छता से जुड़े प्रश्नों का समाधान ग्राम सभा, पंचायत, वार्ड प्रतिनिधियों, जल एवं स्वच्छता समितियों और संबंधित विभागों के नियमित संवाद से ही संभव है। पेयजल स्रोतों की देखरेख, जल की गुणवत्ता, सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता और वर्षा जल संरक्षण जैसे कार्य मिलकर बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मोदी की उदारता, नड्डा की पहल से हिमाचल को नई संजीवनी



एआई निर्मित चित्र।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत 320 नई पीजी मेडिकल सीटें और 415 करोड़ रुपये की सहायता हिमाचल प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल से प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा और विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ाने का अवसर मिलेगा। यदि इस अवसर को योजनाबद्ध तरीके से धरातल पर उतारा जाए, तो हिमाचल प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक बदलाव संभव है। इससे न केवल प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों को मजबूती मिलेगी, बल्कि मरीजों को भी बेहतर उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्य में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता हमेशा से एक महत्वपूर्ण विषय रहा है। दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को कई बार गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए बड़े शहरों या अन्य राज्यों का रुख करना पड़ता है। ऐसे में चिकित्सा शिक्षा के विस्तार और विशेषज्ञ चिकित्सकों की संख्या बढ़ने से स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा मिल सकती है।

केंद्र सरकार की इस पहल का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब स्वीकृत सीटों और वित्तीय सहायता का उपयोग प्रभावी ढंग से किया जाएगा। प्रदेश में चिकित्सा संस्थानों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराने और विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार करने की दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे। इसके साथ ही मेडिकल कॉलेजों में आवश्यक शिक्षकों, चिकित्सकों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा। केवल सीटों की संख्या बढ़ाने से स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में अपेक्षित सुधार नहीं आएगा, बल्कि इसके लिए प्रशिक्षण, संसाधनों और सुविधाओं का समुचित विकास भी आवश्यक है।

हिमाचल प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए यह अवसर महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। प्रदेश के दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराना सरकार की



अजय श्याम

प्राथमिकताओं में शामिल होना चाहिए। यदि मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए, तो विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जा सकता है। इसके अलावा चिकित्सा शिक्षा में शोध, आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ प्रशिक्षण को बढ़ावा देने से प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों की क्षमता में भी वृद्धि होगी।

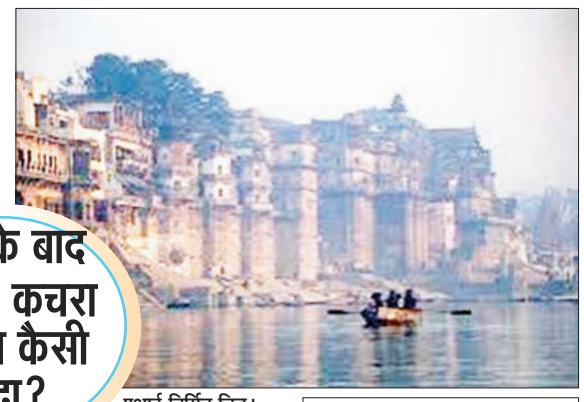
इस पहल से प्रदेश के युवाओं को भी लाभ मिलने की उम्मीद है। पीजी मेडिकल सीटों में वृद्धि होने से चिकित्सा क्षेत्र में आगे की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के लिए अवसर बढ़ेंगे। इससे उन्हें अपने ही प्रदेश में विशेषज्ञ चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिल सकता है। साथ ही, योग्य चिकित्सकों को प्रदेश में ही बेहतर शैक्षणिक और व्यावसायिक संभावनाएं उपलब्ध कराने से प्रतिभाशाली युवाओं को यहां बनाए रखने में मदद मिल सकती है। हालांकि, इसके लिए चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता, पर्याप्त संसाधनों और बेहतर कार्य परिस्थितियों पर विशेष ध्यान देना होगा।

हिमाचल प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार के बीच समन्वय भी महत्वपूर्ण रहेगा। स्वीकृत राशि का पारदर्शी और समयबद्ध उपयोग सुनिश्चित करना होगा, ताकि योजनाओं का लाभ निर्धारित समय में मिल सके। चिकित्सा संस्थानों में आधारभूत सुविधाओं के विकास के साथ ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए भी प्रयास करने होंगे। विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति, आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता और मरीजों के उपचार की बेहतर व्यवस्था इस दिशा में अहम भूमिका निभा सकती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'गंगा हमारी आस्था ही नहीं, बल्कि जीवन रेखा'

पूजा के बाद गंगा में कचरा डालना कैसी श्रद्धा?

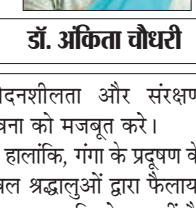


एआई निर्मित चित्र।

भारत में गंगा का महत्व केवल एक जलधारा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक विश्वासों से गहराई से जुड़ी हुई है। सदियों से गंगा को जीवनदायिनी और मोक्ष प्रदान करने वाली नदी के रूप में देखा जाता रहा है। करोड़ों लोगों की धार्मिक मान्यताएं इससे जुड़ी हैं। श्रद्धालु गंगा में स्नान कर पुण्य प्राप्ति और आत्मिक शांति की कामना करते हैं। धार्मिक अनुष्ठानों से लेकर सामाजिक परंपराओं तक, गंगा का स्थान भारतीय जीवन में विशेष रहा है। इसके बावजूद यह विडंबना कम नहीं कि जिस नदी को हम माता का दर्जा देते हैं, उसी को दूषित करने में भी पीछे नहीं रहते। गंगा के तटों पर पूजा-पाठ करने के बाद वहीं कचरा छोड़ देना आखिर कैसी श्रद्धा का परिचायक है? यह प्रश्न केवल किसी एक व्यक्ति के व्यवहार से संबंधित नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक सोच और सामाजिक जिम्मेदारी से भी जुड़ा है।

धार्मिक विश्वास मनुष्य की आंतरिक भावना का विषय है, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। गंगा के विभिन्न घाटों पर प्लास्टिक की थैलियां, बोतलें, खाने-पीने की वस्तुओं के अवशेष और पूजा सामग्री का बिखरा होना स्वच्छता के प्रति हमारी उदासीनता को उजागर करता है। अक्सर लोग नदी में स्नान करने और धार्मिक क्रियाएं पूरी करने के बाद अपने आसपास की सफाई पर ध्यान नहीं देते। कुछ लोग पूजा में इस्तेमाल होने वाली सामग्री को नदी में प्रवाहित करना पुण्य का कार्य मानते हैं, जबकि इससे जल की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। ऐसे में यह समझना आवश्यक है कि श्रद्धा का वास्तविक अर्थ केवल धार्मिक परंपराओं का निर्वहन करना नहीं, बल्कि उन प्राकृतिक धरोहरों की रक्षा करना भी है, जिन्हें हमारी संस्कृति में विशेष सम्मान दिया गया है।

भारतीय परंपरा में प्रकृति को जीवन का आधार माना गया है। नदियों, पर्वतों, जंगलों और वृक्षों के प्रति सम्मान हमारी सांस्कृतिक चेतना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके बावजूद व्यवहार में प्रकृति संरक्षण के प्रति अपेक्षित गंभीरता दिखाई नहीं देती। गंगा की स्वच्छता को लेकर चर्चा तो खूब होती है, लेकिन व्यक्तिगत स्तर पर जिम्मेदारी निभाने के मामले में अनेक लोग लापरवाही बरतते हैं। हमें यह समझना होगा कि किसी नदी को पवित्र मानना और उसकी स्वच्छता बनाए रखना एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। यदि हमारी गतिविधियां ही उसे नुकसान पहुंचा रही हैं, तो धार्मिक आस्था के साथ अपने व्यवहार की समीक्षा करना भी आवश्यक हो जाता है। सच्ची श्रद्धा वही है, जो प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और संरक्षण की भावना को मजबूत करे।



डॉ. अंकिता चौधरी

हालांकि, गंगा के प्रदूषण के लिए केवल श्रद्धालुओं द्वारा फैलाया जाने वाला कचरा जिम्मेदार नहीं है। नदी में पहुंचने वाला घरेलू सीवेज, औद्योगिक अपशिष्ट, नालों का दूषित पानी और ठोस कचरे का अनुचित निपटान भी गंभीर समस्या है। कई स्थानों पर गंदे पानी का पर्याप्त शोधन किए बिना उसे जलधाराओं में छोड़ने से प्रदूषण बढ़ने का खतरा बना रहता है। इसका दुष्प्रभाव केवल नदी के पानी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि जलीय जीवों, प्राकृतिक पारिस्थितिकी और मानव स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है। इसलिए गंगा को स्वच्छ बनाने के प्रयासों में सरकार और प्रशासन के साथ उद्योगों, स्थानीय निकायों, धार्मिक संस्थाओं तथा आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

'छाया से निकली दूध की धारा फिर प्रकट हुई देवी मा'



एआई निर्मित चित्र।

हिमाचल प्रदेश देवी-देवताओं, ऋषि-मुनियों और साधु-संतों की पावन भूमि है। यहां अनेक ऋषि-मुनियों ने घोर तपस्या करके सिद्धियां प्राप्त कीं और देवी-देवताओं से मनचाहे वरदान पाए। इसी देवभूमि के मंडी जनपद को प्राकृतिक सौंदर्य और प्राचीन धार्मिक स्थलों के कारण विशेष पहचान प्राप्त है। मंडी की प्राचीन राजधानी बटोहली, जिसे आज पुरानी मंडी के नाम से जाना जाता है, को बसाने का श्रेय सेन वंश के राजा अजबर सेन को दिया जाता है। वर्ष 1527 में उन्होंने राजधानी को भ्यूली से बटोहली स्थानांतरित किया। व्यास नदी के किनारे बसा मंडी अपनी प्राकृतिक सुंदरता, ठंडी आबोहवा और ऐतिहासिक मंदिरों के कारण छोटी काशी के नाम से भी प्रसिद्ध है।

मंडी जिले के सरकाघाट स्थित धर्मपुर उपमंडल में माता सकरैणी का दिव्य मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास का प्रमुख केंद्र है। स्थानीय लोग माता को जालपा मां के नाम से भी संबोधित करते हैं। मंडी से जोगेंद्रनगर होते हुए धर्मपुर तक का सड़क मार्ग घने जंगलों, देवदार, चीड़ और शीशम के वृक्षों से घिरी सुरम्य घाटियों तथा मनमोहक प्राकृतिक दृश्यों से होकर गुजरता है। ऊंची पहाड़ी पर स्थित इस प्राचीन मंदिर तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को सैकड़ों सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। मंदिर के प्रवेश द्वार पर स्थापित भव्य मूर्तियां और घंटियों की मधुर ध्वनि भक्तों को आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करती हैं।

दंतकथाओं के अनुसार, माता सकरैणी का प्राकट्य लगभग वर्ष 1899 में सकरैण गांव में हुआ माना जाता है। गांव के समीप चाम्बी में एक महात्मा नाले के किनारे धूनी रमाए रहते थे। वहां स्थित एक सुंदर जलस्रोत को आज भी स्थानीय लोग 'संत का डोह' कहते हैं। मान्यता है कि पुराने समय में पानी की कमी होने के बावजूद लोग दूर-दूर से यहां पानी भरने आते थे। एक रात माता ने महात्मा को स्वप्न में दर्शन देकर सकरैण गांव में खुदाई करवाने का आदेश दिया। बताया कि पांच-छह फुट की गहराई पर उनकी पत्थर की प्रतिमा मिलेगी। माता के निर्देशानुसार खुदाई की गई और उनकी पिंडी प्राप्त हुई, जिसे विधि-विधान से स्थापित किया गया। धीरे-धीरे यह स्थान श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का केंद्र बन गया।

मंदिर में सिंह पर विराजमान माता की अद्भुत प्रतिमा भक्तों को दिव्य दर्शन का अनुभव कराती है। मंदिर की दीवारों पर की गई सुंदर नक्काशी इसकी भव्यता को बढ़ाती है। परिसर में भगवान भोलेनाथ की विशाल प्रतिमा भी स्थापित है। यहां श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था की गई है। प्रतिवर्ष मई माह में माता के निमित्त जागरण आयोजित होता है, जिसमें प्रसिद्ध कलाकार भजन-कीर्तन के माध्यम से वातावरण को भक्तिमय बना देते हैं। मंदिर में प्रतिदिन सुबह और शाम आरती होती है।



तुलसी राम डोगरा

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

भोजन के साथ टीवी सेहत से बेवफाई

संजय एम तराणेकर

थाली में पकवान सजे हैं,
आँखें टीवी पर अटकी,
निवाला मुँह तक आता है,
सुध-बुध कहीं भटकी।
कभी समाचार-धारावाहिक,
मूवी का शोर मचता,
खाने का स्वाद न मिलता,
ध्यान कहीं नहीं रहता।
खाना सिर्फ पेट भरना नहीं,
ये जीवन का आधार,
हर निवाला स्वाद समझना,
सेहत का यह उपहार।
बैठो शांत, सुकून के संग,
भोजन का करें सम्मान,
टीवी को थोड़ी छुट्टी देकर,
अपनों से करों संवाद।
जल्दी-न हड़बड़ी में खाओ,
हर कौर खूब चबाओ,
स्वाद व संतुलन सेहत का,
थाली में मेल बिठाओ।
मोबाइल व टीवी छोड़ो यार,
भोजन को दो समय,
स्वस्थ शरीर का मंत्र,
'सजग' रहों जीवन सुखमय।

संपादकीय

बैंकों को होना होगा सतर्क

डिजिटल लेन-देन के बढ़ते चलन के साथ साइबर ठगी देश के सामने एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी है। डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन बैंकिंग और मोबाइल के माध्यम से होने वाले वित्तीय लेन-देन ने आम लोगों का जीवन सुविधाजनक बनाया है, लेकिन इसके साथ ही साइबर अपराधों का खतरा भी तेजी से बढ़ा है। डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी निवेश योजनाओं और बैंक खातों से रकम उड़ाने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। चिंता की बात यह है कि साइबर अपराधी आम लोगों की जीवनभर की जमा पूंजी कुछ ही मिनटों में हड़प लेते हैं। ऐसे में साइबर सुरक्षा और बैंकिंग व्यवस्था की जवाबदेही तय करना समय की सबसे बड़ी जरूरत बन गया है। इसी दिशा में सुप्रीम कोर्ट का हालिया रुख महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने 29 अक्टूबर को सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि बैंकों की जिम्मेदारी केवल लेन-देन दर्ज करने तक सीमित नहीं हो सकती। यदि बैंक की सतर्कता में कमी के कारण किसी ग्राहक को आर्थिक नुकसान होता है तो उसकी भरपाई का दायित्व भी बैंक पर होना चाहिए। अदालत का यह दृष्टिकोण आम नागरिकों के हितों की रक्षा के साथ बैंकिंग व्यवस्था में जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। साइबर ठगी के मामलों में अक्सर पीड़ित व्यक्ति को यह समझने का अवसर तक नहीं मिलता कि उसके खाते से पैसा कब और कैसे निकल गया। कई बार शिकायत करने के बाद भी उसे बैंक और अन्य संबंधित संस्थानों के बीच चक्कर लगाने पड़ते हैं। ऐसी स्थिति में पीड़ित को राहत देने के लिए स्पष्ट और प्रभावी व्यवस्था होना जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि बैंकों की जिम्मेदारी केवल लेन-देन दर्ज करने तक सीमित नहीं है। संदिग्ध गतिविधियों की पहचान करना, असामान्य लेन-देन को रोकना और जरूरत पड़ने पर पुलिस को तत्काल सूचना देना भी उनकी जिम्मेदारी है। यदि किसी खाते में अचानक बड़ी रकम का लेन-देन होता है या थोड़े समय में कई संदिग्ध स्थानों पर पैसा भेजा जाता है तो बैंकिंग प्रणाली को ऐसे मामलों में सतर्क होना चाहिए। इसके बावजूद कई बार बैंकिंग तंत्र समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठा पाता। साइबर ठगी की रकम एक खाते से दूसरे खाते में तेजी से स्थानांतरित कर दी जाती है, जिससे उसे वापस हासिल करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे मामलों में बैंकों की जवाबदेही तय करने का सुप्रीम कोर्ट का रुख स्वागतयोग्य है।

देश में साइबर अपराधों की गंभीरता को आंकड़ों से भी समझा जा सकता है। वर्ष 2021 से 2025 के बीच राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर लगभग 65.99 लाख शिकायतें दर्ज हुईं और ठगी की रकम 55 हजार करोड़ रुपये से अधिक रही। वर्ष 2025 में ही 24 लाख से ज्यादा शिकायतें दर्ज हुईं और करीब 22,495 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हुई। ये आंकड़े बताते हैं कि साइबर अपराध अब केवल व्यक्तिगत धोखाधड़ी तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि संगठित आर्थिक अपराध का रूप ले चुके हैं। डिजिटल अरेस्ट के नाम पर लोगों को मानसिक दबाव में लेकर उनकी करोड़ों रुपये की जमा पूंजी हड़पने के मामले भी इस खतरे को और गंभीर बनाते हैं। बुजुर्गों, नौकरीपेशा लोगों और डिजिटल तकनीक की सीमित जानकारी रखने वाले नागरिकों को विशेष रूप से निशाना बनाया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने असामान्य लेन-देन की पहचान के लिए स्वचालित निगरानी व्यवस्था विकसित करने, संदिग्ध खातों की जांच करने, जरूरत पड़ने पर भौतिक सत्यापन कराने और पुलिस को तत्काल सूचना देने जैसे उपायों पर जोर दिया है। इन निर्देशों का प्रभावी क्रियान्वयन जरूरी है। बैंकों को अपनी तकनीकी व्यवस्था मजबूत करनी होगी, ताकि किसी खाते में संदिग्ध गतिविधि होने पर तुरंत चेतावनी जारी हो सके। इसके लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल भी उपयोगी साबित हो सकता है। साथ ही बैंक कर्मचारियों को साइबर अपराध के नए तरीकों के प्रति प्रशिक्षित करना भी आवश्यक है।

इस मामले में केंद्रीय वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। बैंकों के लिए साइबर सुरक्षा के मानक अधिक कठोर बनाने, शिकायतों के निपटारे की समयसीमा निर्धारित करने और ठगी की रकम को तत्काल रोकने के लिए बेहतर समन्वय व्यवस्था विकसित करने की जरूरत है। पीड़ितों को मुआवजा देने की स्पष्ट प्रक्रिया होनी चाहिए, ताकि बैंक की लापरवाही सामने आने पर उन्हें लंबे समय तक कानूनी प्रक्रिया में न उलझना पड़े। इसके अलावा साइबर अपराधियों के नेटवर्क, उनके डिजिटल ठिकानों और विदेशों में संचालित गिरोहों पर कार्रवाई के लिए जांच एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाना होगा।

हालांकि साइबर ठगी से बचाव की जिम्मेदारी केवल बैंकों और सरकार की नहीं है। आम नागरिकों को भी डिजिटल लेन-देन करते समय सतर्क रहना होगा। किसी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, बैंक संबंधी जानकारी, पासवर्ड या अन्य गोपनीय विवरण साझा नहीं करने चाहिए। अनजान लिंक पर क्लिक करने और बिना जांच-पड़ताल के निवेश योजनाओं में पैसा लगाने से बचना चाहिए। डिजिटल अरेस्ट जैसी धमकियों से घबराने के बजाय संबंधित एजेंसियों से आधिकारिक माध्यमों के जरिए जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। किसी भी साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में तत्काल शिकायत दर्ज कराना भी जरूरी है।

-शिवांश धाकड़

आज की प्रमुख हस्ती

फिल्मों से ओटीटी तक का सफर

हिंदी सिनेमा की अभिनेत्री ईशा देओल का जन्म 2 नवंबर 1981 को मुंबई में हुआ। वह दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र और अभिनेत्री हेमा मालिनी की बड़ी बेटी हैं। फिल्मी परिवार में जन्म लेने के बावजूद ईशा ने अभिनय की दुनिया में अपनी पहचान बनाने के लिए लगातार प्रयास किए। उन्होंने वर्ष 2002 में रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'कोई मेरे दिल से पूछे' से मुख्य अभिनेत्री के रूप में अपने करियर की शुरुआत की। इस फिल्म में उनके साथ आफताब शिवदासानी, संजय कपूर, जया बच्चन और अनुपम खेर नजर आए थे। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही, लेकिन ईशा के अभिनय को पहचान मिली। इसके लिए उन्हें 48वें फिल्मफेयर पुरस्कार समारोह में सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेत्री का पुरस्कार मिला।



ईशा देओल
जन्म : 2 नवंबर 1981

ईशा देओल की शुरुआती फिल्मों को दर्शकों और समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। वर्ष 2002 में वह 'ना तुम जानो ना हम' और 'क्या दिल ने कहा' में भी दिखाई दीं। इसके बाद वर्ष 2003 में उनकी फिल्में 'कुछ तो है' और 'चुरा लिया है तुमने' रिलीज हुईं, लेकिन ये बॉक्स ऑफिस पर खास प्रदर्शन नहीं कर सकीं। इसी वर्ष वह जेपी दत्ता की बहुचर्चित युद्ध आधारित फिल्म 'एलओसी कारगिल' में भी नजर आईं। इसमें उनके साथ अभिषेक बच्चन थे। फिल्म में कई कलाकार होने के कारण उन्हें अभिनय का सीमित अवसर मिला, फिर भी उनके काम को सराहना मिली।

वर्ष 2004 ईशा के करियर के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ। उन्होंने मणिरत्नम की राजनीतिक फिल्म 'आयुथा एझुथु' में काम किया। इसी साल वह एक्शन थ्रिलर 'धूम' में भी नजर आईं, जिसने उन्हें व्यापक लोकप्रियता दिलाई। इसके बाद वर्ष 2005 में उनकी कई चर्चित फिल्में प्रदर्शित हुईं। इनमें एक्शन थ्रिलर 'दस', हॉरर फिल्म 'काल' और हास्य फिल्म 'नो एंट्री' शामिल हैं। इन फिल्मों की सफलता ने उनके करियर को नई दिशा दी। हालांकि, इसके बाद उन्हें लगातार सफलता नहीं मिली और उन्होंने अभिनय से कुछ समय का विराम ले लिया।

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

ढालपुर दशहरा मार्केट में लगी भीषण आग, तीन अस्थाई ढाबे जलकर राख, एक व्यक्ति झुलसा

गैस सिलेंडर में आग लगने से मची अफरा-तफरी, दमकल विभाग की मुस्तैदी से सैकड़ों दुकानें जलने से बचीं

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। जिला मुख्यालय कुल्लू के ढालपुर स्थित दशहरा मार्केट में रविवार दोपहर बाद गैस सिलेंडर में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग ने देखते ही देखते आसपास के अस्थाई ढाबों को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में तीन ढाबे पूरी तरह जलकर राख हो गए, जबकि एक व्यक्ति झुलस गया। दमकल विभाग की मुस्तैदी से मार्केट की सैकड़ों अन्य दुकानें आग की चपेट में आने से बच गईं।

जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर बाद दशहरा मार्केट में एक गैस सिलेंडर ने अचानक आग पकड़ ली। आग की लपटें उठते ही वहां मौजूद दुकानदारों और लोगों में हड़कंप मच गया। कुछ ही देर में आग आसपास के अस्थाई ढाबों तक फैल गई और पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।



आग की चपेट में आने से अश्वनी कुमार के दो अस्थाई ढाबे और जीशान का एक ढाबा पूरी तरह जल गया। इससे दोनों कारोबारियों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। वहीं, अश्वनी कुमार भी आग की चपेट में आने से झुलस गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। दमकल कर्मियों ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया। उनकी सतर्कता और मुस्तैदी के कारण मार्केट में मौजूद सैकड़ों अन्य अस्थाई दुकानों को सुरक्षित बचा लिया गया।

समय रहते आग पर नियंत्रण नहीं पाया जाता तो बाजार में बड़ा नुकसान हो सकता था। उधर, पुलिस ने घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आग लगने के कारणों सहित पूरे मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद बाजार में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चिंता जताई जा रही है।

तीन ढाबे जलकर राख, दमकल ने सैकड़ों दुकानों को बचाया

घटना के बाद दशहरा मार्केट में दुकानदारों और कारोबारियों के बीच चिंता का माहौल है। आग की चपेट में आए तीनों ढाबे अस्थाई रूप से संचालित किए जा रहे थे। अचानक लगी आग ने कुछ ही समय में कारोबारियों को भारी नुकसान पहुंचा दिया। इस घटना ने बाजार में आग से सुरक्षा के इंतजामों को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई से आग आसपास की दुकानों तक नहीं फैल सकी। इससे सैकड़ों दुकानदारों का सामान और उनकी आजीविका सुरक्षित बच गई। वहीं, झुलसे व्यक्ति को लेकर घटना के बाद लोगों में चिंता बनी हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है, ताकि आग लगने के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। फिलहाल नुकसान का आकलन और जांच से जुड़ी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

डॉ. राकेश सिंह ने एम्स बिलासपुर में सेवा और समर्पण की मिसाल कायम की



अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। कुछ अधिकारी अपने पद से नहीं, बल्कि व्यवहार, विनम्रता और जनहित के प्रति संवेदनशीलता से लोगों के दिलों में जगह बनाते हैं। एम्स बिलासपुर के कुलसचिव डॉ. राकेश कुमार सिंह भी ऐसी ही शख्सियत हैं। उन्होंने अपने लगभग ढाई वर्ष के कार्यकाल में सरल स्वभाव और कार्यशैली से खास पहचान बनाई।

अब वह अपने मूल विभाग हिमाचल प्रदेश वित्त एवं लेखा सेवाएं में संयुक्त नियंत्रक के पद पर शिमला में नई जिम्मेदारी संभालेंगे। फेडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष कश्मीर सिंह ठाकुर ने डॉ. सिंह के कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह ने एम्स बिलासपुर में प्रशासनिक जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और कुशलता से किया। उनकी विशेषता रही कि वह हर फरियादी की बात गंभीरता से सुनते और समस्या के समाधान का प्रयास करते थे।

कश्मीर सिंह ठाकुर ने कहा कि पत्रकारिता जगत के साथ भी डॉ. सिंह का व्यवहार आत्मीय और सहयोगात्मक रहा। उन्होंने मीडिया कर्मियों को संस्थान से जुड़ी जानकारी उपलब्ध करवाने में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया। उन्होंने कहा कि किसी अधिकारी की वास्तविक पहचान उसके पद से नहीं, बल्कि उसके जाने के बाद लोगों के मन में बने सम्मान से होती है। डॉ. सिंह ने यह सम्मान अर्जित किया है।

न्यूज ब्रीफ

पंकज जमवाल की चेतावनी के बाद पठानकोट चौक के गड्ढों का हुआ स्थायी समाधान

जितेंदर कुमार ,भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंदर नगर। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता पंकज जमवाल की प्राथमिकी दर्ज करवाने की चेतावनी के बाद एनएचएआई ने पठानकोट चौक पर गड्ढों की समस्या दूर करने के लिए सड़क के नीचे बड़ा पाइप डाला है। इससे पानी की निकासी सुचारू होने और बार-बार गड्ढे बनने की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, शहर के मंदिर रोड और सरकाघाट मार्ग की हालत अब भी खस्ताहाल है। लोक निर्माण विभाग ने इन सड़कों की मरम्मत के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। पंकज जमवाल ने विभाग को जल्द सुधार करने की चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसा नहीं होने पर प्राथमिकी दर्ज करवाई जाएगी।

कुल्लू-मनाली बना बॉलीवुड सितारों की पसंद जिमी शेरगिल और जान्हवी कपूर ने दी दस्तक

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। बॉलीवुड कलाकारों का पसंदीदा शूटिंग स्थल कुल्लू-मनाली एक बार फिर फिल्मी सितारों से गुलजार है। अभिनेता जिमी शेरगिल और अभिनेत्री भाग्यश्री पानुचे अपने मित्र एवं बरागढ़ रिजॉर्ट के निदेशक नकुल खुल्लर से मिलने पहुंचे। दोनों कलाकार हिंदी फिल्म की शूटिंग के लिए यहां आए हैं। फिल्म का निर्देशन इंद्रनील कर रहे हैं। इसकी शूटिंग रामगढ़, सिस्सू, केलांग और नग्गर में होगी। वहीं, अभिनेत्री जान्हवी कपूर भी कुल्लू-मनाली पहुंची हैं। वह करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म 'लग जा गले' की शूटिंग के लिए यहां आई हैं।

भूतपूर्व सैनिकों की नियुक्तियों के लिए जिलावार चयन प्रक्रिया 18 से

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश भूतपूर्व सैनिक निगम (हिमपैस्को) 18 नवंबर से आउटसोर्स आधार पर नियुक्तियों के लिए जिलावार चयन प्रक्रिया शुरू करेगा। इसमें भूतपूर्व जेसीओ और अन्य रैंकों के सैनिकों की अलग-अलग दिनों में स्क्रीनिंग होगी। हमीरपुर मुख्यालय में सुबह 10 बजे पहुंचना होगा। अभ्यर्थियों को मूल डिस्चार्ज बुक और उसकी स्वप्रमाणित छायाप्रति लानी होगी। पिछले वर्ष चयनित और वेटिंग लिस्ट में शामिल सैनिकों को दोबारा स्क्रीनिंग देने की जरूरत नहीं है। पात्रता और अन्य शर्तें निगम की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स में रिद्धिमा ने चमकाया हुनर, दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीता

मनप्रीत सिंह, भारतेन्दु संवाददाता, नेरचौक। डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स-2026 में डीएवी पब्लिक स्कूल सुंदरनगर की छात्रा रिद्धिमा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीता। नोएडा में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उन्होंने डबल डच सिंगल फ्री स्टाइल स्किपिंग और सिंगल फ्री स्टाइल स्किपिंग में स्वर्ण पदक हासिल किए। वहीं, सिंगल रोप टीम फ्री स्टाइल स्किपिंग में रजत पदक अपने नाम किया। रिद्धिमा नाचन विधानसभा क्षेत्र के ननाईटला गांव की रहने वाली हैं। विद्यालय पहुंचने पर प्रधानाचार्य मोहित चुघ ने उनका स्वागत किया और उपलब्धि के लिए सराहना की। रिद्धिमा के पिता अध्यापक और माता राजस्व अधिकारी हैं। उनकी सफलता से परिवार, गांव और स्कूल में खुशी का माहौल है।

रिवालसर में आत्यापात्या के जिला स्तरीय ट्रायल संपन्न, 90 खिलाड़ियों ने लिया भाग



रितेश चौहान, भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। आत्यापात्या एसोसिएशन जिला मंडी की ओर से रिवालसर में जिला स्तरीय चयन ट्रायल आयोजित किया गया। इसमें सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग के लड़के एवं लड़कियों सहित कुल 90 खिलाड़ियों ने भाग लिया। चयन प्रक्रिया के आधार पर लगभग 72 खिलाड़ियों का चयन आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है। यह प्रतियोगिता 15 और 16 नवंबर को आयोजित होगी। ट्रायल में करीब 10 राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों ने भी हिस्सा लिया। चयनकर्ताओं में तमन्ना राठौर, शिवम, संतोष कुमार, कंचन देव राणा और सुरेश कुमार शामिल रहे।

सामान्य वर्ग की बैठक में यूजीसी नियमों और आरक्षण व्यवस्था पर जताई चिंता



भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। शिव विकास होटल में सामान्य वर्ग के विभिन्न मुद्दों को लेकर आयोजित बैठक में धर्मपुर और सरकाघाट क्षेत्र के करीब 100 लोगों ने भाग लिया। इसमें राजपूत सभा, ब्राह्मण सभा सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि, बुद्धिजीवी और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में यूजीसी के नए नियमों को वापस लेने अथवा उनमें सुधार करने और एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम में आवश्यक संशोधन की मांग उठाई गई। वक्ताओं ने कहा कि आरक्षण का आधार जाति के बजाय आर्थिक स्थिति हो तथा क्रीमी लेयर में आने वाले संपन्न लोगों को इसका लाभ न मिले। बैठक में सुरेंद्र राणा, शिवकुमार वर्मा, अजय परवारी और सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य आरके ठाकुर सहित कई प्रतिनिधियों ने विचार रखे। सर्वसम्मति से चेतावनी दी गई कि मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं होने पर व्यापक आंदोलन शुरू किया जाएगा। बैठक में उपस्थित लोगों ने एकजुट होकर सरकार से जल्द निर्णय लेने और सामान्य वर्ग की मांगों को प्राथमिकता देने की अपील की।

वोट चोरी के आरोपों के बीच कांग्रेस हिमाचल में चुनावी वादों का हिसाब दे: विपिन परमार

भारतेन्दु संवाददाता, पालमपुर

'वोट बचाओ, देश बचाओ' महारैली के बीच भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सुलह के विधायक विपिन सिंह परमार ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से हिमाचल की जनता के चुनावी वादों का हिसाब देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाना राजनीतिक दलों का अधिकार है, लेकिन अपने शासन और चुनावी वादों की जवाबदेही भी सुनिश्चित करनी चाहिए।

परमार ने कहा कि कांग्रेस ने दस गारंटियों के आधार पर प्रदेश की जनता से समर्थन मांगा था। अब सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि



इनमें से कितनी गारंटियां पूरी हुईं, कितनी आंशिक रूप से लागू हुईं और कितनी अभी लंबित हैं। पुरानी पेंशन योजना, महिलाओं को 1500 रुपये, युवाओं को रोजगार, 300 यूनिट मुफ्त बिजली और किसानों-बागवानों से जुड़े वादों पर सरकार को स्थिति सार्वजनिक करनी चाहिए। प्रत्येक गारंटी की समयसीमा, लाभार्थियों की संख्या और प्रगति का ब्यौरा भी देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को राष्ट्रीय राजनीति में भागीदारी के साथ प्रदेश के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। केवल घोषणाओं और राजनीतिक भाषणों से जनता की अपेक्षाएं पूरी नहीं होतीं। परमार ने चुनावी अनियमितताओं के आरोपों पर कहा कि राजनीतिक दलों को आरोपों के साथ तथ्य और प्रमाण भी प्रस्तुत करने चाहिए। उन्होंने 23 अक्टूबर को चार राज्यों में हुए शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के चुनावों का उल्लेख करते हुए कहा कि कर्नाटक की चारों सीटों पर कांग्रेस को हार मिली, जबकि उत्तर प्रदेश में पार्टी ने प्रत्याशी नहीं उतारे थे।

नौकरी तलाशने के बजाय रोजगार प्रदाता बनें युवा

अभिलाषी विश्वविद्यालय में नवागंतुकों को मिला संदेश

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। अभिलाषी विश्वविद्यालय परिसर में नवप्रवेशी विद्यार्थियों के स्वागत के लिए फ्रेशर्स पार्टी 'आविर्भाव: नई राहें, नए कदम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुलाधिपति डॉ. आरके अभिलाषी, प्रति कुलाधिपति डॉ. एलके अभिलाषी, कुलपति प्रो. एचके चौधरी, कुलसचिव डॉ. कपिल कपूर सहित विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता और विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

इस अवसर पर कृषि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. पीसी शर्मा ने मुख्य अतिथि और गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। उन्होंने ई. चिराग और श्रीमती अदिति अभिलाषी का विशेष रूप से आभार जताया। कुलाधिपति डॉ. आरके अभिलाषी ने युवाओं को नौकरी तलाशने के बजाय अपना



उद्यम स्थापित कर रोजगार प्रदाता बनने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में कृषि के महत्व और इससे जुड़े आधुनिक उद्योगों में उपलब्ध संभावनाओं की जानकारी दी। कुलपति प्रो. एचके चौधरी ने हरित क्रांति के योगदान को रेखांकित करते हुए मिट्टी और प्रकृति से जुड़ाव बनाए रखने पर जोर दिया।

उन्होंने मुंशी प्रेमचंद के कथन का उल्लेख करते हुए कृषि के महत्व को समझाया और सतत विकास के लिए प्रकृति के प्रति संवेदनशील रहने की बात कही। कार्यक्रम में नवप्रवेशी विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। वरिष्ठ विद्यार्थियों और शिक्षकों ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

18वीं राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता का सफल आयोजन

भारतेन्दु संवाददाता, देहरा। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के सप्तसिंधु परिसर-द्वितीय में 30 अक्टूबर को 18वीं राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता (2025-26) आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा नामित ग्रुप को-ऑर्डिनेटर प्रो. प्रल्हाद माने की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। लेफ्टिनेंट बलबीर सिंह ने प्रतियोगिता में विश्लेषक की भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने भारतीय संसद की कार्यप्रणाली का प्रदर्शन करते हुए वंदे मातरम्, प्रश्नकाल, शून्यकाल और विधायी कार्यवाही प्रस्तुत की। प्रतिभागियों ने समसामयिक मुद्दों पर विचार रखते हुए संसदीय मर्यादा, तार्किक अभिव्यक्ति और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर पीताम्बर कुमार, अमनदीप मिश्रा, नेहा, हर्षिका शर्मा, अर्शित सूद और दिशा का चयन कर उन्हें स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

परिवहन प्रकोष्ठ के जिला संयोजक विनोद सोनी ने टीम सहित धूमल से की शिष्टाचार भेंट

सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भारतीय जनता पार्टी परिवहन प्रकोष्ठ के जिला संयोजक विनोद सोनी ने अपनी टीम के साथ समीरपुर में पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने प्रो. धूमल का आशीर्वाद लिया और संगठन से जुड़े विषयों पर चर्चा की। इस अवसर पर प्रो. प्रेम कुमार धूमल ने परिवहन प्रकोष्ठ के कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया।

उन्होंने कार्यकर्ताओं को संगठन के प्रति समर्पण, अनुशासन और निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक संगठन की मजबूती उसके समर्पित कार्यकर्ताओं और मजबूत संगठनात्मक ढांचे पर निर्भर करती है। कार्यकर्ताओं की सक्रियता और आपसी समन्वय से संगठन को मजबूती मिलती है। परिवहन प्रकोष्ठ की सक्रिय



◆ विनोद सोनी ने टीम सहित प्रो. धूमल से लिया आशीर्वाद

भागीदारी भी संगठन को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करती है।

प्रो. धूमल ने कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने और निष्ठा के साथ काम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने संगठन की मजबूती के लिए अनुशासन और समर्पण को महत्वपूर्ण बताया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उनके अनुभवों और मार्गदर्शन को सुना। परिवहन प्रकोष्ठ के जिला संयोजक विनोद सोनी ने प्रो. धूमल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका राजनीतिक अनुभव, संगठनात्मक कौशल और सार्वजनिक जीवन में योगदान भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए प्रेरणास्रोत है।

उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन कार्यकर्ताओं को जनसेवा और संगठनात्मक जिम्मेदारियों का बेहतर ढंग से निर्वहन करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने भरोसा जताया कि परिवहन प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता संगठन को मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा से काम करेंगे।

फाइनेंस इलेवन ने एलीट इलेवन को 92 रनों से हराकर जीता खिताब

भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। रुद्राक्षा वेलफेयर सोसाइटी की ओर से आयोजित रुद्राक्षा क्रिकेट लीग का रविवार को खेल मैदान जोगिंद्रनगर में समापन हुआ। फाइनल मुकाबले में फाइनेंस इलेवन ने एलीट इलेवन को 92 रनों से हराकर विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। समारोह की अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष एवं जय मां दुर्गा कॉलेज ऑफ नर्सिंग के निदेशक डॉ. राकेश धरवाल ने की।

फाइनल में पहले बल्लेबाजी करते हुए फाइनेंस इलेवन ने निर्धारित 15 ओवरों में 152 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एलीट इलेवन की टीम विपक्षी गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाई और महज 60 रनों पर सिमट गई। इस तरह फाइनेंस इलेवन ने शानदार जीत दर्ज की। इस अवसर पर डॉ. धरवाल ने युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने एंटी चिट्टा अभियान को मजबूत

◆ डॉ. राकेश धरवाल ने विजेता टीम को किया सम्मानित



करने की आवश्यकता बताते हुए सोसाइटी के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने भविष्य में भी खेलों और जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन का आह्वान किया।

डॉ. धरवाल ने विजेता टीम को ट्रॉफी के साथ 25 हजार रुपये और उपविजेता टीम को ट्रॉफी व 11 हजार रुपये देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्यार चंद ठाकुर, थाना प्रभारी रंजीत सिंह, राकेश कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बंजार की ज्योति ठाकुर को मिला हिम रत्न सम्मान

शिमला में सीएम ने दी 18 लाख रुपए की राशि

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। बंजार की पैरा एथलीट ज्योति ठाकुर को खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रदेश सरकार ने 18 लाख रुपये की पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया है। शिमला में आयोजित सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने ज्योति सहित अन्य खिलाड़ियों को सम्मानित किया। ज्योति ठाकुर राज्य और राष्ट्रीय स्तर की पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीतकर हिमाचल का नाम रोशन कर चुकी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने खेल नीति के तहत खिलाड़ियों को मिलने वाली पुरस्कार राशि में 150 से 300 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की है। इसका उद्देश्य खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करना और उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाना है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर चार वर्षों में दूसरी बार खिलाड़ियों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित



किया गया। उन्होंने बताया कि जापान में हाल ही में आयोजित प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को भी नियमानुसार पूरी पुरस्कार राशि दी जाएगी।

प्रदेश में सरकारी रोजगार में खिलाड़ियों के लिए तीन प्रतिशत खेल कोटे का प्रावधान है। ज्योति ठाकुर ने सम्मान के लिए प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री का आभार जताया। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से खिलाड़ियों के लिए किए गए प्रावधानों से उन्हें आगे बढ़ने का प्रोत्साहन मिलेगा। अपनी सफलता का श्रेय उन्होंने कोच, माता-पिता और गुरुजनों के सहयोग को दिया।

सुख-आश्रय मंडी जिला में 12.94 करोड़ रुपए से 791 अनाथ एवं अर्ध-अनाथ बच्चे लाभान्वित

मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना: संवेदनशील नेतृत्व से अनाथ बच्चों के सपने हो रहे साकार

रूप लाल कौंडल, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। माता-पिता का साथ छूटने के बाद अनाथ बच्चों के सामने भावनात्मक चुनौतियों के साथ शिक्षा, आर्थिक सुरक्षा और आवास जैसी समस्याएं भी खड़ी हो जाती हैं। ऐसे बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़कर सम्मानजनक जीवन के अवसर उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना चला रही है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में शुरू की गई इस पहल के तहत अनाथ एवं बेसहारा बच्चों को आर्थिक सहायता, उच्च शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, स्वरोजगार, आवास और विवाह अनुदान जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं।

तीन वर्षों में 12.94 करोड़ रुपये खर्च: मंडी जिला में वित्तीय वर्ष 2023-24, 2024-25, 2025-26 तथा 30 सितंबर 2026 तक योजना के तहत कुल 12 करोड़ 94 लाख 74 हजार 392 रुपये खर्च किए गए





हैं। इस राशि से जिले के 791 अनाथ एवं अर्ध-अनाथ बच्चे लाभान्वित हुए हैं। योजना का उद्देश्य बच्चों को तत्काल आर्थिक राहत देने के साथ उन्हें भविष्य के फैसले स्वयं लेने और आत्मनिर्भर बनने के योग्य बनाना है।

सामाजिक सुरक्षा के साथ त्योहारों पर भी सहायता: योजना के तहत पूर्ण अनाथ बच्चों को प्रतिमाह चार हजार रुपये सामाजिक सुरक्षा राशि दी जा रही है। बाल एवं बालिका देखभाल संस्थानों में रहने वाले बच्चों को निर्धारित श्रेणियों के अनुसार एक हजार और 2500 रुपये प्रतिमाह सहायता प्रदान की जाती है। मंडी जिला में इस मद में 6.53 करोड़ रुपये से अधिक खर्च हुए हैं। इसके अलावा पोषण अनुदान के रूप में करीब 51 लाख रुपये दिए गए हैं। संस्थानों में रहने वाले बच्चों को दीपावली सहित अन्य त्योहार मनाने के लिए प्रति बच्चा, प्रति त्योहार 500 रुपये उत्सव भत्ता दिया जाता है। इस पर जिले में 33 लाख रुपये से अधिक खर्च किए गए हैं।

शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा: बच्चों की पढ़ाई और कौशल विकास को प्राथमिकता देते हुए 72 पूर्ण अनाथ बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए करीब 36 लाख रुपये की सहायता दी गई है। वहीं, 50 बच्चों को व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए 26 लाख रुपये से अधिक प्रदान किए गए हैं। इसके अलावा 23 बच्चों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए 42.46 लाख रुपये की मदद मिली है। चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट का दर्जा प्राप्त बच्चों को एक्सपोजर विजिट पर भी भेजा जाता है। हाल ही में जिले के बच्चों के एक दल ने बाघा बॉर्डर सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण किया।

मकान और विवाह के लिए आर्थिक सहयोग: योजना के तहत 65 लाभार्थियों को विवाह अनुदान के रूप में 1.29 करोड़ रुपये दिए गए हैं। वहीं, 108 पात्र लाभार्थियों को मकान निर्माण के लिए 2.10 करोड़ रुपये की सहायता मिली है। कनैड क्षेत्र के गौरव ने गृह निर्माण और विवाह के लिए सहायता मिलने पर मुख्यमंत्री का आभार जताया। सरकाघाट के साहिल ने भी मकान निर्माण के लिए अनुदान मिलने पर सरकार का धन्यवाद किया है।

तीन भूमिहीनों को मिली जमीन: पूर्ण अनाथ बच्चों के लिए भूमि आवंटन का भी प्रावधान किया गया है। मंडी जिला में तीन भूमिहीन लाभार्थियों को दो-दो बिस्वा भूमि प्रदान की गई है। इससे उन्हें अपना आवास बनाने का अवसर मिलेगा।

मंडी में दो नवंबर से सजेगा अंतर-महाविद्यालय एथलेटिक्स का मंच

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी के तत्वावधान में सरदार पटेल विश्वविद्यालय की अंतर-महाविद्यालय एथलेटिक मीट-2026 का आयोजन दो से चार नवंबर तक पड्डुल मैदान में किया जाएगा। प्रतियोगिता में पुरुष और महिला वर्ग के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। उद्घाटन समारोह सोमवार सुबह 10:30 बजे होगा, जिसमें उच्च शिक्षा निदेशालय की निदेशक सुनीता सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता के आयोजन में प्राध्यापक, गैर-शिक्षक कर्मचारी, पीटीए, सीएससीए और विद्यार्थी सहयोग कर रहे हैं। खेल आयोजन सचिव डॉ. अंजू शर्मा के अनुसार एसपीयू के अधीन 20 महाविद्यालयों की टीमें प्रतियोगिता में भाग लेंगी। आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का गठन और खेल मैदानों की तैयारी पूरी कर ली गई है। प्रो. विवेक कपूर को खेल संयोजक नियुक्त किया गया है।

हरियाणा बिजली निगम का प्रमोशन पर नया नियम

भारतेन्दु संवादाता, पंचकूला। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) ने तकनीकी कर्मचारियों की सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अहम फैसला लिया है। निगम ने कर्मचारियों के प्रमोशन को सेफ्टी कोड टेस्ट पास करने की शर्त से जोड़ दिया है। अब निर्धारित सुरक्षा परीक्षा पास किए बिना तकनीकी कर्मचारियों को पदोन्नति नहीं मिलेगी।

निगम के फैसले के अनुसार, संबंधित कर्मचारियों को सेफ्टी कोड टेस्ट पास करने के लिए छह महीने का समय दिया जाएगा। इस अवधि में परीक्षा पास नहीं करने वाले कर्मचारियों के वित्तीय लाभ रोक दिए जाएंगे। इससे कर्मचारियों के लिए निर्धारित समयसीमा के भीतर परीक्षा उत्तीर्ण करना जरूरी हो गया है। निगम का यह कदम तकनीकी कर्मचारियों को कार्यस्थल पर सुरक्षा नियमों के प्रति अधिक जागरूक और जिम्मेदार बनाने की दिशा में उठाया गया है। बिजली से

◆ छह महीने में परीक्षा पास नहीं की तो वित्तीय लाभ रुकेंगे

जुड़े काम में सुरक्षा मानकों का पालन बेहद जरूरी होता है। थोड़ी सी लापरवाही भी कर्मचारी और आसपास के लोगों के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकती है। ऐसे में सेफ्टी कोड की जानकारी और उसका व्यावहारिक पालन सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है।

इस फैसले से तकनीकी कर्मचारियों को सुरक्षा नियमों की जानकारी हासिल करने और निर्धारित परीक्षा की तैयारी करने पर ध्यान देना होगा। छह महीने की समयसीमा पूरी होने के बाद परीक्षा पास नहीं करने वाले कर्मचारियों के वित्तीय लाभ प्रभावित होंगे। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के इस निर्णय से प्रमोशन की प्रक्रिया में सुरक्षा संबंधी योग्यता को महत्व मिलेगा। कर्मचारियों के लिए अब पदोन्नति के साथ सेफ्टी कोड टेस्ट पास करना भी अनिवार्य शर्त बन गया है।

सेफ्टी कोड टेस्ट के बिना तकनीकी कर्मचारियों की पदोन्नति पर रोक

इसके साथ ही निगम के इस निर्णय से कर्मचारियों में सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीरता बढ़ने की उम्मीद है। परीक्षा के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा कि तकनीकी कर्मचारी बिजली से जुड़े कार्यों के दौरान निर्धारित सावधानियों और सुरक्षा प्रक्रियाओं की जानकारी रखें। इससे कार्यस्थल पर संभावित दुर्घटनाओं का जोखिम कम करने में मदद मिल सकती है। कर्मचारियों को अब पदोन्नति के लिए तकनीकी कार्यकुशलता के साथ सुरक्षा संबंधी ज्ञान भी साबित करना होगा। इससे निगम में सुरक्षित कार्य संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा और कर्मचारियों की जिम्मेदारी भी तय होगी।

हरियाणा की गौरवशाली यात्रा पर पीएम मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री ने हरियाणा की गौरवशाली विरासत और समृद्ध संस्कृति को सराहा

भारतेन्दु संवादाता, चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा राज्य के गठन के 60 वर्ष पूरे होने पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने हरियाणा को गौरवशाली इतिहास, अद्भुत पराक्रम और समृद्ध संस्कृति से सुसज्जित देश की शान बताया। प्रधानमंत्री ने राज्य की उपलब्धियों और राष्ट्र निर्माण में उसके योगदान की सराहना की।



हरियाणा ने छह दशकों की यात्रा में विभिन्न क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान बनाई है। कृषि, खेल, उद्योग और सुरक्षा सहित अनेक क्षेत्रों में प्रदेश के लोगों ने उल्लेखनीय योगदान दिया है। राज्य के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है। वहीं, प्रदेश के जवानों ने सीमाओं की सुरक्षा और देश की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हरियाणा की पहचान उसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और मेहनतकश लोगों से भी जुड़ी है। प्रदेश ने अपनी लोक संस्कृति और परंपराओं को सहेजते हुए विकास के विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने का प्रयास किया है। प्रधानमंत्री ने राज्य के इसी गौरवशाली सफर को रेखांकित करते हुए प्रदेशवासियों के योगदान को सराहा। हरियाणा का गठन एक नवंबर 1966 को हुआ था। पंजाब से अलग होकर बने इस राज्य ने बीते 60 वर्षों में विकास के कई पड़ाव पार किए हैं। प्रदेश ने कृषि उत्पादन, खेल प्रतिभाओं और औद्योगिक गतिविधियों के क्षेत्र में अपनी पहचान स्थापित की है। यहां के युवाओं ने सेना और सुरक्षा बलों में सेवाएं देकर भी देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी प्रदेशवासियों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विकसित और समृद्ध हरियाणा बनाने के संकल्प को दोहराया।

मुख्यमंत्री ने राज्य की प्रगति में योगदान देने वाले सभी लोगों के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया। हरियाणा स्थापना दिवस प्रदेश के इतिहास, उपलब्धियों और भविष्य की प्राथमिकताओं पर विचार करने का अवसर है। छह दशक की यात्रा में राज्य ने अपनी अलग पहचान बनाई है।

सैनी ने विकसित हरियाणा का संकल्प दोहराया

इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेशवासियों को हरियाणा स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए सभी से राज्य के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा को विकसित और समृद्ध बनाने के लिए सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। प्रदेश की प्रगति में किसानों, जवानों, खिलाड़ियों, उद्यमियों और मेहनतकश लोगों का महत्वपूर्ण योगदान है। मुख्यमंत्री ने राज्य की उपलब्धियों को आगे बढ़ाने और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर अवसर तैयार करने के संकल्प को दोहराया।

अंबाला-चंडीगढ़ हाईवे पर भीषण हादसा

ओवरलोड ट्राले की टक्कर से नौ वाहन क्षतिग्रस्त

टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्राला चालक एक घंटे तक केबिन में फंसा रहा

भारतेन्दु संवादाता, अंबाला। अंबाला-चंडीगढ़ नेशनल हाईवे पर रविवार को सुल्तानपुर बैरियर के पास एक ओवरलोड ट्राले के कारण बड़ा सड़क हादसा हो गया। पुराने पासपोर्ट कार्यालय के सामने हुए इस हादसे में एक के बाद एक करीब आठ से नौ वाहन आपस में टकरा गए। हादसे में कई वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक वाहन के परखच्चे उड़ गए, जबकि ओवरलोड ट्राले का चालक केबिन में ही फंस गया। उसे बाहर निकालने में करीब एक घंटे का समय लगा। हादसे में चालक की हालत नाजुक बताई जा रही है।



जानकारी के अनुसार, अंबाला-चंडीगढ़ नेशनल हाईवे पर सुल्तानपुर बैरियर के पास ओवरलोड 12 टायर ट्राला गुजर रहा था। इसी दौरान हाईवे पर खड़ा एक ट्रक आगे चल रही कार से जा टकराया। इसके बाद पीछे से आ रहे ओवरलोड ट्राले और अन्य वाहनों की चपेट में आने से स्थिति बिगड़ गई। देखते ही देखते एक के बाद एक करीब नौ वाहन आपस में भिड़ गए। अचानक हुई इस भिड़ंत से हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और वाहन चालकों में हड़कंप मच गया।

हादसे में ट्राला, ट्रक, कंटेनर, स्विफ्ट, टियागो, क्रेटा और थार समेत दो अन्य वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। कई गाड़ियों को काफी नुकसान पहुंचा है। टक्कर के बाद ट्राला चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया। केबिन क्षतिग्रस्त होने के कारण उसे बाहर निकालना मुश्किल हो गया। करीब एक घंटे तक चालक केबिन में फंसा रहा।

बाद में उसे बाहर निकालने की कार्रवाई की गई। हादसे में चालक को गंभीर चोटें आई हैं और उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। हादसे के बाद अंबाला-चंडीगढ़ नेशनल हाईवे पर यातायात प्रभावित हो गया। वाहनों की टक्कर के कारण सड़क पर लंबा जाम लग गया और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। करीब एक घंटे तक हाईवे पर यातायात बाधित रहा। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के कारण सड़क पर आवागमन सामान्य करना भी चुनौती बना रहा। गनीमत रही कि इतने बड़े हादसे के बावजूद किसी की जान जाने की सूचना नहीं है। नौ वाहनों की भिड़ंत ने हाईवे पर तेज रफ्तार और ओवरलोड वाहनों की आवाजाही को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

रायपुररानी तहसील में रजिस्ट्रियों का काम ठप, लोग परेशान

भारतेन्दु संवादाता, पंचकूला। रायपुररानी तहसील में जमीन-जायदाद की रजिस्ट्रियों का काम प्रभावित होने से आम लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। रजिस्ट्री करवाने के लिए तहसील पहुंच रहे लोगों को बिना काम करवाए ही वापस लौटना पड़ रहा है। इससे उनका समय और पैसा दोनों बर्बाद हो रहे हैं। लोगों को अपने जरूरी काम के लिए बार-बार तहसील के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। तहसील में यह स्थिति रजिस्ट्री क्लर्क के रिश्वत मामले में पकड़े जाने के बाद से बनी हुई है। क्लर्क की गिरफ्तारी के बाद रजिस्ट्री से संबंधित कामकाज प्रभावित हो गया।

◆ रजिस्ट्री न होने से तहसील पहुंच रहे लोगों को परेशानी

इसके चलते जमीन-जायदाद के पंजीकरण के लिए आने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासनिक व्यवस्था सुचारू नहीं होने के कारण लोगों में नाराजगी भी बढ़ रही है।

व्यवस्था को सामान्य करने के लिए प्रशासन की ओर से 22 अक्टूबर को मोहित शर्मा को रजिस्ट्री क्लर्क नियुक्त करने के आदेश जारी किए गए थे। हालांकि, आदेश जारी होने के बावजूद उन्होंने अभी तक अपना कार्यभार नहीं संभाला है। इसके बाद हनी को भी रजिस्ट्री क्लर्क की जिम्मेदारी सौंपने के आदेश दिए गए, लेकिन उन्होंने भी अब तक चार्ज नहीं लिया। ऐसे में दो कर्मचारियों की नियुक्ति के बावजूद तहसील में रजिस्ट्रियों का काम शुरू नहीं हो पाया है। लोगों का कहना है कि जरूरी दस्तावेज और अन्य औपचारिकताएं पूरी करने के बाद भी उन्हें बिना रजिस्ट्री करवाए लौटना पड़ रहा है। अब लोगों को इंतजार है कि तहसील में जल्द व्यवस्था बहाल हो और जमीन-जायदाद के पंजीकरण का काम नियमित रूप से शुरू हो सके।

हिसार रोडवेज डिपो में दूसरे दिन भी हड़ताल जारी, तीन दौर की वार्ता बेनतीजा



हिसार में रोडवेज हड़ताल से बस सेवा लगातार दूसरे दिन ठप।

भारतेन्दु संवादाता, हिसार। हिसार डिपो में रोडवेज कर्मचारियों की हड़ताल रविवार को लगातार दूसरे दिन भी जारी रही। प्रशासन और कर्मचारी नेताओं के बीच अब तक तीन दौर की वार्ता हो चुकी है, लेकिन किसी भी दौर में सहमति नहीं बन पाई।

इसके चलते सरकारी बसों का संचालन बंद रहा और यात्रियों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बस सेवा प्रभावित होने के कारण यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है। निजी बसों पर यात्रियों का दबाव बढ़ गया है। विशेषकर उन लोगों को परेशानी हो रही है, जो रोजाना कामकाज, पढ़ाई और अन्य जरूरी कार्यों के लिए रोडवेज बसों से सफर करते हैं। हड़ताल के कारण डिपो से बसों की नियमित आवाजाही प्रभावित है। प्रशासन की ओर से कर्मचारी नेताओं के साथ बातचीत के जरिए गतिरोध दूर करने का प्रयास किया गया, लेकिन तीन दौर की वार्ता के बावजूद कोई समाधान नहीं निकल सका।

ऐसे में हड़ताल समाप्त होने को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है। वहीं, सहकारी समिति ने बसों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग उठाई है। हड़ताल के चलते यात्रियों को हो रही परेशानी के बीच बसों के संचालन और सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी हुई है।

करनाल लक्ष्य हत्याकांड में सातवां आरोपी गिरफ्तार, पुरानी रंजिश में युवक की हुई थी हत्या

चंडीगढ़ के फोर्टिस अस्पताल में उपचार के दौरान हुई थी मौत

भारतेन्दु संवादाता, करनाल। करनाल में पुरानी रंजिश के चलते युवक लक्ष्य की हत्या के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सेक्टर-9 करनाल निवासी सुजाल के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, इस मामले में अब तक सात आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सुजाल को शनिवार को पुलिस ने पकड़ा।



पुलिस की गिरफ्त में लक्ष्य हत्याकांड का सातवां आरोपी सुजाल।

जानकारी के अनुसार, 14 अक्टूबर को पुरानी रंजिश के चलते लक्ष्य पर हमला किया गया था। हमलावरों ने युवक पर लाठी-डंडों और चाकुओं से वार किए थे। हमले में लक्ष्य गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से हालत गंभीर होने के चलते चंडीगढ़ के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। वहां उपचार के दौरान लक्ष्य की मौत हो गई थी। युवक की मौत के बाद मामला हत्या में तब्दील हो गया और पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने इस मामले में अलग-अलग आरोपियों को गिरफ्तार किया। अब सुजाल की गिरफ्तारी के साथ ही कुल गिरफ्तार आरोपियों की संख्या सात हो गई है। पुलिस के अनुसार, वारदात के पीछे पुरानी रंजिश बताई जा रही है। इसी रंजिश के चलते आरोपियों ने लक्ष्य पर हमला किया था। हमले में इस्तेमाल किए गए हथियारों में लाठी-डंडे और चाकू शामिल थे।

घटना के बाद घायल युवक को पहले उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी हालत गंभीर बनी रही। बाद में चंडीगढ़ के फोर्टिस अस्पताल में उसकी मौत हो गई। लक्ष्य हत्याकांड में सातवीं गिरफ्तारी के बाद पुलिस मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में गिरफ्तार आरोपी की भूमिका और उससे पूछताछ के दौरान सामने आए तथ्यों का विस्तृत ब्योरा नहीं दिया गया है।

क्राइम ब्रांच का गो-तस्करों पर शिकंजा, मुठभेड़ के बाद तीन गोवंश बरामद

भारतेन्दु संवादाता, नूंह। नूंह जिले के सदर थाना क्षेत्र के घासेड़ा गांव में रविवार को क्राइम ब्रांच पुलिस और गो-तस्करों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान गो-तस्करों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए गोलियां चलाईं। मुठभेड़ में एक गो-तस्कर पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। घायल आरोपी की पहचान दिलशाद उर्फ दिल्ला निवासी सुडाका के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, क्राइम ब्रांच की टीम निरीक्षक विनोद कुमार के नेतृत्व में कार्रवाई कर रही थी। इसी दौरान घासेड़ा क्षेत्र में पुलिस टीम का सामना गो-तस्करों से हो गया। पुलिस को देखकर आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की। इस दौरान एक गोली दिलशाद के पैर में लग गई और वह घायल होकर गिर पड़ा। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने मौके से तीन गोवंश बरामद किए हैं। इसके अलावा एक देसी कट्टा और एक कारतूस भी बरामद किया गया है। पुलिस बरामद सामान को कब्जे में लेकर मामले की जांच कर रही है। मौके पर मौजूद अन्य आरोपियों की भूमिका और गो-तस्करी से जुड़े नेटवर्क की भी पड़ताल की जा रही है।

पूर्व आईआरएस अधिकारी परनीत सचदेव ने छोड़ा हरेरा चेयरमैन का पद

पूर्व आईआरएस अधिकारी ने जुलाई में दिया था त्यागपत्र

भारतेन्दु संवादाता, चंडीगढ़। हरियाणा रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथारिटी (हरेरा) पंचकूला के चेयरमैन का पद रिक्त हो गया है। राज्यपाल ने चेयरमैन परनीत एस सचदेव का त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है। उनका इस्तीफा 20 अक्टूबर से प्रभावी माना गया है। सचदेव ने 21 जुलाई को अपने पद से इस्तीफा दिया था। राज्यपाल की मंजूरी के बाद अब प्राधिकरण में चेयरमैन का पद खाली हो गया है।



भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी परनीत एस सचदेव को दिसंबर 2023 में हरेरा पंचकूला का चेयरमैन नियुक्त किया गया था। उन्होंने करीब ढाई साल तक इस पद पर जिम्मेदारी संभाली। अब उनका त्यागपत्र स्वीकार होने के बाद प्राधिकरण के नए चेयरमैन की नियुक्ति को लेकर स्थिति स्पष्ट होने का इंतजार है। हरियाणा में रियल एस्टेट क्षेत्र को व्यवस्थित और नियंत्रित करने के लिए दो अलग-अलग रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथारिटी कार्यरत हैं। ये प्राधिकरण संपत्ति और निर्माण क्षेत्र से जुड़ी गतिविधियों को विनियमित करने के साथ ही घर खरीदारों और अन्य पक्षों की शिकायतों का निपटारा करते हैं। हरेरा गुरुग्राम मुख्य रूप से गुरुग्राम जिले में चल रही रियल एस्टेट परियोजनाओं, शिकायतों और अन्य गतिविधियों की निगरानी करता है।

हरेरा पंचकूला में नया चेयरमैन जल्द

वहीं, हरेरा पंचकूला के अधिकार क्षेत्र में गुरुग्राम जिले को छोड़कर हरियाणा के अन्य सभी जिले आते हैं। यहां संबंधित रियल एस्टेट परियोजनाओं, बिल्डरों और घर खरीदारों की शिकायतों का निपटारा किया जाता है। प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता बनाए रखना और घर खरीदारों के हितों की रक्षा करना है। चेयरमैन का पद खाली होने के बाद अब नए अध्यक्ष की नियुक्ति पर सबकी नजरें टिकी हैं। नए चेयरमैन की नियुक्ति तक प्राधिकरण के कामकाज और लंबित मामलों के निपटारे को लेकर आगे की व्यवस्था पर भी ध्यान रहेगा।

करनाल में ओवरलोड ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत, तीन बेटों ने खोया पिता

मंडी से घर लौटते समय ओवरलोड ट्रक की चपेट में आए

भारतेन्दु संवादाता, करनाल। करनाल के विश्वकर्मा चौक के पास ओवरलोड ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान भगवानदास के रूप में हुई है। वह सब्जी मंडी में काम खत्म करने के बाद रात करीब 11 बजे बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान हादसा हो गया। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया।



◆ ओवरलोड ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार भगवानदास की मौत

जानकारी के अनुसार, भगवानदास रोजाना की तरह सब्जी मंडी में अपना काम खत्म कर घर जाने के लिए निकले थे। रात करीब 11 बजे वह विश्वकर्मा चौक के पास पहुंचे। इसी दौरान उनकी बाइक ओवरलोड ट्रक की चपेट में आ गई। हादसा इतना गंभीर था कि भगवानदास की जान नहीं बचाई जा सकी। घटना की सूचना मिलने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे।

हादसे की खबर मिलते ही परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। भगवानदास के परिवार में तीन बेटे हैं। उनकी मौत से तीनों बेटों के सिर से पिता का साया उठ गया।

तीन बेटों से छिना पिता का साया

हादसे की सूचना मिलने के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक भगवानदास की जान जा चुकी थी। परिवार के तीनों बेटों के लिए पिता का इस तरह दुनिया से चले जाना बड़ा सदमा है। घर में अचानक मातम छा गया। परिजनों और रिश्तेदारों का घर पर पहुंचना जारी रहा। अहोई अष्टमी से पहले हुई इस घटना से परिवार की खुशियां गम में बदल गईं। हादसे ने एक बार फिर ओवरलोड वाहनों से सड़क पर पैदा होने वाले खतरे को उजागर किया।

प्रतिबंध आईडी नहीं होने पर पंजीकरण के लिए स्वास्थ्यकर्मियों को 90 दिन मिलेंगे

हरियाणा में स्वास्थ्यकर्मियों की प्रैक्टिस के लिए एचपीआर आईडी जरूरी

भारतेन्दु संवादाता, चंडीगढ़। हरियाणा में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े डॉक्टरों और अन्य पेशेवरों के लिए हेल्थकेयर प्रोफेशनल रजिस्ट्री (एचपीआर) आईडी बनवाना अनिवार्य कर दिया गया है। इस फैसले के दायरे में डॉक्टरों, दंत चिकित्सकों, आयुष चिकित्सकों, नर्सों, फार्मासिस्टों सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मियों को शामिल किया गया है। अब संबंधित काउंसिलों में नए पंजीकरण और पुराने पंजीकरण के नवीनीकरण के दौरान एचपीआर आईडी की अनिवार्यता लागू रहेगी।

इस व्यवस्था के तहत जिन स्वास्थ्यकर्मियों के पास एचपीआर आईडी नहीं होगी, उन्हें इसे बनवाने के लिए अधिकतम 90 दिन का समय दिया जाएगा। निर्धारित समयसीमा के भीतर आईडी



पंजीकरण बहाल होने तक स्वास्थ्यकर्मी नहीं कर सकेंगे प्रैक्टिस।

बनवाना जरूरी होगा। यदि कोई स्वास्थ्यकर्मी तय अवधि में एचपीआर आईडी नहीं बनवाता है तो उसका प्रोविजनल पंजीकरण बिना किसी अतिरिक्त नोटिस के निलंबित कर दिया जाएगा। पंजीकरण निलंबित होने का सीधा असर संबंधित स्वास्थ्यकर्मी की प्रैक्टिस पर पड़ेगा। ऐसे स्वास्थ्यकर्मी को दोबारा पंजीकरण बहाल होने तक प्रैक्टिस करने की अनुमति नहीं होगी। यानी निर्धारित समय में आईडी नहीं बनवाने पर स्वास्थ्यकर्मी को अपने पेशे से जुड़ा काम रोकना पड़ सकता है। इस कारण डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों के लिए समय रहते एचपीआर आईडी बनवाना जरूरी होगा। नई व्यवस्था में केवल डॉक्टर ही नहीं, बल्कि दंत चिकित्सा और आयुष चिकित्सा से जुड़े पेशेवरों के साथ नर्सों और फार्मासिस्टों को भी शामिल किया गया है। संबंधित काउंसिलों में पंजीकरण कराने वाले सभी पात्र स्वास्थ्यकर्मियों को इस अनिवार्यता का पालन करना होगा। नए पंजीकरण के साथ-साथ पंजीकरण का नवीनीकरण करवाते समय भी एचपीआर आईडी की जरूरत होगी।

एचपीआर आईडी बिना प्रैक्टिस पर रोक

इसके चलते स्वास्थ्यकर्मियों को अपने पंजीकरण से संबंधित दस्तावेजों के साथ एचपीआर आईडी की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी। जिन पेशेवरों का पहले से पंजीकरण है, उन्हें नवीनीकरण के समय इस अनिवार्यता को पूरा करना होगा। वहीं, नए पंजीकरण के लिए आवेदन करने वालों को भी एचपीआर आईडी बनवानी पड़ेगी। निर्धारित 90 दिनों की अवधि में आईडी बनवाने की जिम्मेदारी संबंधित स्वास्थ्यकर्मी की होगी। समयसीमा पूरी होने के बाद जिनका प्रोविजनल पंजीकरण निलंबित होगा, वे पंजीकरण बहाल होने तक मरीजों का उपचार या अपने पेशे से जुड़ा कार्य नहीं कर सकेंगे। इस व्यवस्था में डॉक्टरों के अलावा दंत चिकित्सक, आयुष चिकित्सक, नर्स और फार्मासिस्ट भी शामिल हैं। ऐसे में सभी संबंधित पेशेवरों को नए नियम के अनुसार अपनी पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

न्यूज ब्रीफ

कैंसर मरीजों के लिए बड़ी उम्मीद, क्लीनिकल ट्रायल से विकसित होंगे इलाज के नए विकल्प


एआई इमेज

एजेंसी ,नई दिल्ली देश में कैंसर के बढ़ते मामलों को देखते हुए उपचार के नए विकल्प विकसित करना और सही जांच को बढ़ावा देना जरूरी है। इसके लिए क्लीनिकल परीक्षण (क्लीनिकल ट्रायल) अहम भूमिका निभा सकते हैं। अमेरिका के रोसवेल पार्क कॉम्प्रिहेंसिव कैंसर सेंटर में कार्यरत भारतीय मूल के प्रोफेसर ध्यानचंद्र ने गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय में आयोजित 21वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'इमर्जिंग फ्रंटियर्स इन कैंसर रिसर्च' में यह बात कही। उन्होंने बताया कि क्लीनिकल ट्रायल से कैंसर के इलाज की नई संभावनाएं सामने आती हैं। आनुवांशिक और गैर-आनुवांशिक कैंसर के मरीजों में एक ही प्रकार का कैंसर होने के बावजूद उपचार की जरूरत अलग-अलग हो सकती है। ऐसे में मरीजों पर किए जाने वाले शोध और क्लीनिकल परीक्षण भविष्य में अन्य मरीजों के लिए भी बेहतर उपचार विकल्प विकसित करने में मददगार साबित हो सकते हैं। सम्मेलन में प्रोफेसर ध्यानचंद्र और डॉ. साहिल बम्बू ने कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने, इलाज से जुड़ी भ्रांतियां दूर करने और आधुनिक प्रयोगशालाओं व शोध केंद्रों के विकास पर जोर दिया। विशेषज्ञों के अनुसार, बेहतर डायग्नोस्टिक सुविधाओं और वैज्ञानिक शोध से कैंसर के उपचार को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में मदद मिल सकती है।

आगरा खंड शिक्षक निर्वाचन में सुरक्षा चूक पर कार्रवाई, निर्वाचन आयोग को सौंपी गई रिपोर्ट



एजेंसी, नई दिल्ली आगरा खंड शिक्षक एमएलसी चुनाव में 23 अक्टूबर को तीन बूथों पर हुई बूथ कैप्चरिंग और सुरक्षा में लापरवाही के मामले को निर्वाचन आयोग ने गंभीरता से लिया है। इस मामले में मंडलायुक्त एवं रिटर्निंग अधिकारी नगेंद्र प्रताप ने छह निलंबित अधिकारियों समेत 27 अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ आरोप पत्र तैयार कर निर्वाचन आयोग को भेज दिया है। दरअसल, 23 अक्टूबर को सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक मतदान हुआ था। इस दौरान फतेहाबाद ब्लॉक के बूथ संख्या 26 और सैंया ब्लॉक के बूथ संख्या 21 समेत तीन बूथों पर हंगामा हुआ था। आरोप है कि बूथों पर सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही बरती गई और मतपत्रों को अस्त-व्यस्त किया गया। **12 जिलों में हुआ था चुनाव** आगरा खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में आगरा और मथुरा समेत कुल 12 जिले शामिल हैं। यहां 150 मतदान केंद्रों पर करीब 50 हजार मतदाताओं के मतदान की व्यवस्था थी। अब 27 अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की रिपोर्ट आयोग को भेजे जाने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई का इंतजार है।

प्रयागराज में मां बनी बेटे की हत्यारिन, कपड़े से घोंटा गला; बेटी ने पिता को बताया सच

एजेंसी, नई दिल्ली गंगापार के बहरिया थाना क्षेत्र के मंसूरपुर गांव में मासूम की हत्या के मामले में पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। आरोप है कि बच्चे की हत्या किसी और ने नहीं, बल्कि उसकी सगी मां सोना ने कपड़े से गला घोंटकर की थी। पुलिस ने पिता की शिकायत पर आरोपित मां को गिरफ्तार कर लिया है। मंसूरपुर निवासी पूर्णमासी लाल मौर्य ने शुक्रवार रात पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। उन्होंने बताया कि 29 अक्टूबर को वह करेली में मजदूरी कर रहे थे। इसी दौरान भतीजे महेंद्र ने फोन कर बेटे रामसुख की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की सूचना दी। घर पहुंचने पर बेटे का शव दरवाजे पर रखा मिला। बाद में बेटी संगीता ने पिता को बताया कि मां ने ही रामसुख की हत्या की थी। बेटी के बयान और शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच की और आरोपित सोना को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस पर फायरिंग करना पड़ा भारी, जवाबी कार्रवाई में 50 हजार का इनामी बदमाश ढेर

एजेंसी, नई दिल्ली


नोएडा मुठभेड़ में शार्प शूटर ढेर।

नोएडा में शनिवार रात पुलिस और बदमाश के बीच हुई मुठभेड़ में रणदीप भाटी गैंग से जुड़े 50 हजार रुपये के इनामी शार्प शूटर अमन उर्फ माया त्यागी की मौत हो गई। मुठभेड़ सेक्टर-126 थाना क्षेत्र में हुई। इस दौरान गोली लगने से दो पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस के मुताबिक, नोएडा पुलिस और सीआरटी की टीम वांछित अपराधी माया त्यागी की तलाश में अभियान चला रही थी।

इसी दौरान शनिवार रात सेक्टर-126 इलाके में पुलिस टीम का सामना उससे हो गया। खुद को घिरा देखकर बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसे लगी। घायल अवस्था में उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

दो पुलिसकर्मियों को लगी गोली मुठभेड़ के दौरान सब इंस्पेक्टर नरेंद्र के पैर और कांस्टेबल धीरज के हाथ में गोली लगी। दोनों घायल पुलिसकर्मियों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

घटना की जानकारी मिलने पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मौके से एक बाइक, पिस्तौल और कारतूस बरामद किए हैं। माया त्यागी बादलपुर थाने का वांछित अपराधी था और उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

शाहरुख खान के 61वें जन्मदिन से पहले 'मन्नत' पर लगी बड़ी स्क्रीन, क्या फैंस को मिलेगा फिल्म 'किंग' के टीजर का तोहफा?

एजेंसी, नई दिल्ली


2 नवंबर को है शाह रुख खान का बर्थडे

बॉलीवुड के किंग खान यानी शाहरुख खान के जन्मदिन से पहले उनके प्रशंसकों के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। 2 नवंबर को शाहरुख खान अपना 61वां जन्मदिन मनाएंगे। इस खास मौके से पहले उनके मुंबई स्थित घर 'मन्नत' पर एक बड़ी स्क्रीन लगाई गई है। इसके बाद से सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हो गई है कि क्या शाहरुख की आगामी फिल्म 'किंग' का टीजर इसी स्क्रीन पर रिलीज किया जाएगा? हालांकि, इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' को लेकर पहले से ही दर्शकों में काफी उत्सुकता है। ऐसे में जन्मदिन के मौके पर फिल्म से जुड़ी किसी बड़ी घोषणा या खास झलक मिलने की उम्मीद की जा रही है। प्रशंसकों को लग रहा है कि अभिनेता अपने जन्मदिन पर फिल्म का टीजर या कोई विशेष जानकारी साझा कर सकते हैं। **निर्देशक सिद्धार्थ आनंद की पोस्ट से बढ़ी चर्चा** फिल्म 'किंग' के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक रहस्यमयी पोस्ट साझा की है। इस पोस्ट के बाद फिल्म को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। इसके अलावा ऐसी खबरें भी सामने आई हैं कि शाहरुख के जन्मदिन पर फिल्म का पहला गाना जारी किया जा सकता है।

हालांकि, अभी तक मेकर्स की ओर से टीजर, गाने या किसी अन्य घोषणा की रिलीज तारीख को लेकर आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। यही वजह है कि प्रशंसक शाहरुख के जन्मदिन पर मिलने वाले सरप्राइज का इंतजार कर रहे हैं। **'मन्नत' की बड़ी स्क्रीन ने खींचा फैंस का ध्यान** शाहरुख खान के घर 'मन्नत' पर लगाई गई बड़ी स्क्रीन की तस्वीरें सामने आने के बाद प्रशंसकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। सोशल मीडिया पर लोग अनुमान लगा रहे हैं कि इस स्क्रीन के जरिए फिल्म 'किंग' का टीजर या कोई खास वीडियो दिखाया जा सकता है। शाहरुख के जन्मदिन पर हर साल बड़ी संख्या में प्रशंसक उनके घर के बाहर पहुंचते हैं।

अभिनेता भी कई बार मन्नत की बालकनी में आकर प्रशंसकों का अभिवादन करते हैं। ऐसे में इस बार बड़ी स्क्रीन को लेकर भी कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। फिलहाल शाहरुख खान के बांद्रा स्थित घर 'मन्नत' में बड़े स्तर पर नवीनीकरण का काम चल रहा है। इसी वजह से अभिनेता और उनका परिवार इस समय पाली हिल स्थित एक आलीशान डुप्लेक्स अपार्टमेंट में रह रहा है।

दिल्ली में इंडिया गठबंधन की महारैली से गरमाई सियासत, 50 हजार लोगों के लिए की गई व्यवस्था

एजेंसी, नई दिल्ली


रामलीला मैदान की ओर बढ़ते समर्थक।

राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में रविवार, 1 नवंबर को इंडिया गठबंधन की ओर से 'वोट बचाओ, देश बचाओ' महारैली का आयोजन किया गया। इस रैली में विपक्षी दलों के कई बड़े नेताओं ने हिस्सा लिया और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। रैली का मुख्य मुद्दा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में कथित अनियमितताएं, लोकतंत्र और संविधान की रक्षा रहा। महारैली में शामिल विपक्षी नेताओं ने अपने संबोधन के दौरान केंद्र सरकार की नीतियों और चुनावी प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए।

नेताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। इसी दौरान प्रधानमंत्री पद को लेकर भी विपक्षी नेताओं की ओर से बयान सामने आया कि देश का अगला प्रधानमंत्री कौन बनेगा, इसका फैसला जनता करेगी। **कई बड़े नेताओं ने लिया हिस्सा** रामलीला मैदान में आयोजित इस महारैली में तेजस्वी यादव, इकरा हसन, सलमान खुर्शीद, सचिन पायलट और सुप्रिया सुले सहित इंडिया गठबंधन के कई प्रमुख नेता शामिल हुए। नेताओं ने मंच से मताधिकार की सुरक्षा और लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती का मुद्दा उठाया। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान कई तरह की अनियमितताएं सामने आ रही हैं। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने और प्रत्येक योग्य नागरिक के मतदान अधिकार की रक्षा करने की मांग की।

40 से 50 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था महारैली को लेकर रामलीला मैदान में बड़े स्तर पर तैयारियां की गई थीं। आयोजन स्थल पर करीब 40 से 50 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई। रैली में शामिल होने के लिए दिल्ली के अलावा दूसरे राज्यों से भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और समर्थकों का पहुंचना शुरू हो गया था। लोग बसों और निजी वाहनों के जरिए रैली स्थल तक पहुंचे।

पीएनबी में प्रेमी-प्रेमिका का करोड़ों का खेल! 49 खाताधारकों की एफडी से निकाले 10.24 करोड़

एजेंसी, नई दिल्ली



ग्रेटर नोएडा बैंक घोटाले में नया खुलासा।

सेक्टर पाई-1 स्थित पंजाब नेशनल बैंक में हुए करोड़ों रुपये के फर्जीवाड़े की परतें लगातार खुल रही हैं। इस मामले में बैंक की महिला कर्मचारी दीपांशी के साथ उसके प्रेमी आशुतोष पाठक की भूमिका भी सामने आई है। आरोप है कि दोनों ने मिलकर खाताधारकों की फिक्स्ड डिपॉजिट की रकम हड़पने की साजिश रची और करोड़ों रुपये का गबन किया। फिलहाल केंद्रीय जांच ब्यूरो की टीम दोनों आरोपियों की तलाश में जुटी है। **छह अधिकारियों की यूजर आईडी का किया गलत इस्तेमाल** पंजाब नेशनल बैंक अधिकारियों के मुताबिक, बैंक में ऑफिस असिस्टेंट के पद पर तैनात दीपांशी ने कथित तौर पर इस पूरे फर्जीवाड़े की साजिश रची।

उसने बैंक के छह अधिकारियों की कोर बैंकिंग सिस्टम यूजर आईडी और पासवर्ड का गलत इस्तेमाल किया। इसके बाद पहले अपने प्रेमी आशुतोष पाठक का बैंक में खाता खुलवाया और फिर ग्राहकों की एफडी की रकम उसके खाते में ट्रांसफर कर दी। बैंक की पूछताछ के दौरान दीपांशी ने कथित तौर पर स्वीकार किया था कि उसने आशुतोष के कहने पर ग्राहकों की अनुमति के बिना उनके खातों से रकम ट्रांसफर की थी। इसके लिए दूसरे अधिकारियों की यूजर आईडी और पासवर्ड का इस्तेमाल किया गया। आरोप है कि लेनदेन से जुड़े वाउचर भी नष्ट कर दिए गए। **49 लोगों की एफडी तोड़कर निकाले 10.24 करोड़** बैंक के दावे के मुताबिक, मुख्य आरोपी दीपांशी ने 49 खाताधारकों की एफडी तोड़ी।

इन एफडी से करीब 10 करोड़ 24 लाख रुपये निकालकर सात अलग-अलग खातों में ट्रांसफर किए गए। इसके बाद रकम आशुतोष पाठक के खाते तक पहुंचाई गई और उसमें से कुछ पैसे निकाल भी लिए गए। बैंक की शुरुआती जांच में सामने आया कि रकम को कई खातों के जरिए घुमाया गया। इनमें प्रदीप कुमार, मेमबंती देवी, प्रियंका कुमारी, शांति देवी, शालिनी और सरोज देवी के खाते शामिल बताए गए हैं।

आगरा में कुक्कुट पालन उद्योग की बदलेगी तस्वीर, 40 करोड़ रुपये का निवेश; किसानों को मिलेगा फायदा

एजेंसी, नई दिल्ली



आगरा मंडल में कुक्कुट पालन (पोल्ट्री फार्मिंग) उद्योग को बढ़ावा देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। इस क्षेत्र में करीब 40 करोड़ रुपये के निवेश का रास्ता साफ हुआ है। शनिवार को पशुपालन विभाग की ओर से मंडलायुक्त सभागार में आयोजित पोल्ट्री कॉन्क्लेव में विभिन्न उद्यमियों ने कुक्कुट व्यवसाय के विस्तार और नई इकाइयां स्थापित करने के लिए 40 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

इस कॉन्क्लेव में 150 से अधिक पोल्ट्री उद्यमियों और प्रगतिशील किसानों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र में पोल्ट्री उद्योग की संभावनाओं को बढ़ाना, आधुनिक तकनीक को अपनाना और किसानों को इस व्यवसाय से जोड़कर उनकी आय के नए अवसर तैयार करना रहा। **मंडलायुक्त ने उद्यमियों का बढ़ाया उत्साह** कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडलायुक्त नगेन्द्र प्रताप ने की। उन्होंने पोल्ट्री उद्यमियों से संवाद करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और कुक्कुट पालन उद्योग के विकास की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने उन्नत नस्ल के चूजों के महत्व, अंडों के पोषण संबंधी फायदों और पोल्ट्री फार्म में जैव सुरक्षा के उपायों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक तरीकों को अपनाकर पोल्ट्री व्यवसाय को अधिक व्यवस्थित और लाभकारी बनाया जा सकता है। **विशेषज्ञों ने दी आधुनिक तकनीक की जानकारी** कॉन्क्लेव में मथुरा स्थित दुवासु विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. अमिताभ भट्टाचार्य ने आधुनिक तकनीक के माध्यम से पोल्ट्री प्रबंधन की जानकारी दी।

उन्होंने बेहतर उत्पादन और पशु स्वास्थ्य के लिए वैज्ञानिक प्रबंधन के महत्व को समझाया। वहीं, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अविनाश ने वैज्ञानिक तरीके से दाना प्रबंधन करने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संतुलित आहार और उचित प्रबंधन से पोल्ट्री उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है।

अमेठी में किसानों की बदली किस्मत, धान छोड़ सिंघाड़े की खेती से कमा रहे ज्यादा मुनाफा

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेठी में जिले के जायस क्षेत्र में सिंघाड़े की खेती किसानों के लिए कमाई का नया जरिया बनकर उभर रही है। कम लागत और बाजार में अच्छी कीमत मिलने के कारण किसान अब पारंपरिक धान की खेती के बजाय सिंघाड़े की खेती को प्राथमिकता दे रहे हैं। इससे उन्हें धान की तुलना में अधिक मुनाफा हो रहा है। जायस में किसानों की दिनचर्या भी काफी अलग है। जब शहर के लोग गहरी नींद में सो रहे होते हैं, तब किसान रात करीब तीन बजे तालाबों में उतरकर सिंघाड़ा तोड़ने लगते हैं। सुबह चार बजे तक उपज लेकर किसान मंडी पहुंच जाते हैं। यहां सुबह साढ़े छह बजे तक खरीद-बिक्री का सिलसिला चलता है। इस मंडी में रोजाना बड़ी संख्या में किसान और व्यापारी पहुंचते हैं। कम लागत में बेहतर कमाई सिंघाड़े की खेती किसानों के लिए इसलिए फायदेमंद साबित हो रही है, क्योंकि इसमें कम लागत लगाकर अच्छी आमदनी हासिल की जा सकती है।

ममता बनर्जी से मिले अभिजीत दीपके, 'वोट चोरी' के मुद्दे पर इंडिया गठबंधन को दिया समर्थन

एजेंसी, नई दिल्ली


अभिजीत दीपके ने ममता बनर्जी से मुलाकात की। सोशल मीडिया

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक की महारैली को अपना समर्थन दिया है। हालांकि, समर्थन के बावजूद उन्होंने रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाले विरोध-प्रदर्शन में शामिल नहीं होने का फैसला किया है। दीपके का कहना है कि उनकी पार्टी अपनी अलग राजनीतिक पहचान बनाए रखेगी और इसी वजह से वह इंडिया ब्लॉक की महारैली में प्रत्यक्ष रूप से हिस्सा नहीं लेगी।

इस बीच अभिजीत दीपके ने तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने अपनी पार्टी और संगठन के युवाओं के विरोध-प्रदर्शन को समर्थन देने के लिए ममता बनर्जी का आभार जताया। दोनों के बीच संगठन के विरोध-प्रदर्शन और उससे जुड़े घटनाक्रम को लेकर भी चर्चा हुई। **'वोट चोरी' के आरोपों पर कॉकरोच जनता पार्टी ब्लॉक को समर्थन** अभिजीत दीपके ने वोट चोरी के आरोपों को लेकरइंडिया ब्लॉक की ओर से आयोजित विरोध-प्रदर्शन के प्रति एकजुटता दिखाई है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि समर्थन देने का मतलब गठबंधन के कार्यक्रम में शामिल होना नहीं है। कॉकरोच जनता पार्टी अपनी स्वतंत्र पहचान और अलग राजनीतिक अस्तित्व बनाए रखना चाहती है।

उनके इस रुख से साफ है कि पार्टी मुद्दों के आधार पर विपक्षी दलों का समर्थन करेगी, लेकिन अपनी अलग पहचान के साथ राजनीतिक गतिविधियां जारी रखेगी। **ममता बनर्जी से मुलाकात में जताया आभार** दीपके ने बताया कि ममता बनर्जी से उनकी मुलाकात का एक प्रमुख उद्देश्य संगठन के पहले विरोध-प्रदर्शन के दौरान मिले समर्थन के लिए धन्यवाद देना था। उन्होंने बताया कि नीट पेपर लीक मामले को लेकर उनकी पार्टी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर अपना पहला विरोध-प्रदर्शन आयोजित किया था। इस दौरान ममता बनर्जी ने उनके संगठन के युवाओं के आंदोलन का समर्थन किया था।

दीपके ने इस सहयोग के लिए उनका आभार जताया। **दिल्ली पुलिस की कार्रवाई का भी उठाया मुद्दा** अभिजीत दीपके ने दिल्ली पुलिस द्वारा संगठन के नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका को गिरफ्तार किए जाने का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि इस घटनाक्रम के दौरान ममता बनर्जी ने उनके संगठन के पक्ष में समर्थन जताया था।

सेक्टर गामा-2 में बनेगा नया फुटओवर ब्रिज, स्कूली बच्चों और स्थानीय निवासियों को मिलेगी राहत

एजेंसी, नई दिल्ली


पैदल यात्रियों की सुविधा के लिए फुटओवर ब्रिज बनेगा। सांकेतिकत तस्वीर

शहर में पैदल यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने बड़ा फैसला लिया है। सेक्टर गामा-2 स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल के सामने 60 मीटर चौड़ी सड़क पर फुटओवर ब्रिज का निर्माण कराया जाएगा। इस ब्रिज के बनने से स्कूल जाने वाले बच्चों, अभिभावकों और आसपास के निवासियों को सड़क पार करने में काफी सहूलियत मिलेगी। खासतौर पर बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के प्रोजेक्ट विभाग के अनुसार, फुटओवर ब्रिज का निर्माण डिजाइन, बिल्ड, फंड, ऑपरेट और ट्रांसफर मॉडल पर किया जाएगा।

इसके तहत निर्माण करने वाली कंपनी को 20 साल के लाइसेंस पीरियड के लिए अधिकृत किया जाएगा। कंपनी ही ब्रिज के निर्माण और संचालन की जिम्मेदारी संभालेगी। **बच्चों और राहगीरों की सुरक्षा होगी सुनिश्चित** प्राधिकरण के अधिकारियों के मुताबिक, फिलहाल स्कूल के सामने बच्चों को सड़क पार करने में परेशानी होती है। कई बच्चे पैदल ही सड़क पार करते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ऐसे में फुटओवर ब्रिज बनने से विद्यार्थियों को सुरक्षित तरीके से सड़क पार करने की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा यह इलाका रिहायशी क्षेत्र में भी आता है। यहां से बड़ी संख्या में महिलाएं, बुजुर्ग और नौकरीपेशा लोग रोजाना आवागमन करते हैं। फुटओवर ब्रिज बनने से इन सभी को फायदा होगा। **आने वाले समय में बढ़ेगा ट्रैफिक का दबाव**

यह सड़क एलजी-शारदा गोल चक्कर के रास्ते नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे लिंक रोड से जुड़ती है। ऐसे में आने वाले दिनों में इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही और ट्रैफिक का दबाव बढ़ने की संभावना है।

इसी को देखते हुए प्राधिकरण ने पहले से ही पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए यह योजना तैयार की है। टेंडर प्रक्रिया शुरू, 23 नवंबर को खुलेगी तकनीकी बिड फुटओवर ब्रिज के निर्माण के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, टेंडर की तकनीकी बिड 23 नवंबर को खोली जाएगी। इसके बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत निर्माण एजेंसी का चयन किया जाएगा।

दिल्ली में आज जुटेंगे विपक्ष के दिग्गज, 45 हजार कुर्सियों के साथ रामलीला मैदान में भव्य तैयारियां

रामलीला मैदान में विपक्ष का शक्ति प्रदर्शन आज, 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली से पहले भाजपा का तीखा हमला

एजेंसी, नई दिल्ली



बीजेपी ने विपक्ष पर साधा निशाना। सांकेतिकत तस्वीर

राजधानी दिल्ली के रामलीला मैदान में आज रविवार, 1 नवंबर को विपक्षी दलों के गठबंधन की विशाल महारैली आयोजित की जा रही है। इस रैली को 'वोट बचाओ, देश बचाओ' नाम दिया गया है। महारैली को लेकर रामलीला मैदान में व्यापक तैयारियां की गई हैं। वहीं, दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कड़े इंतजाम किए हैं, ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी तरह की अव्यवस्था न हो और बड़ी संख्या में पहुंचने वाले लोगों को नियंत्रित किया जा सके।

दूसरी ओर, विपक्ष की इस महारैली को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने निशाना साधा है। भाजपा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्टर जारी करते हुए गठबंधन की रैली को 'ठगों का मेला' बताया है। भाजपा दिल्ली के आधिकारिक एक्स अकाउंट से किए गए पोस्ट में लिखा गया कि आज दिल्ली के रामलीला मैदान में फिर से 'ठगों का मेला' लगने वाला है। पोस्ट में विपक्ष पर आरोप लगाया गया कि उसका उद्देश्य अपनी राजनीतिक जमीन बचाने के लिए देश-विरोधी ताकतों के इशारे पर देश में अफवाह और अराजकता फैलाना है। भाजपा के इस बयान के बाद विपक्ष की महारैली को लेकर राजनीतिक माहौल और गरमा गया है। हालांकि, विपक्षी दल इस आयोजन को लोकतंत्र और मताधिकार से जुड़े मुद्दों को उठाने का मंच बता रहे हैं।

रैली के माध्यम से गठबंधन के नेता 'वोट बचाओ, देश बचाओ' का संदेश देने की तैयारी में हैं। इस कार्यक्रम में विपक्ष के कई प्रमुख नेताओं के शामिल होने की संभावना है। **रामलीला मैदान में बड़े स्तर पर तैयारियां** महारैली को सफल बनाने के लिए शनिवार देर रात तक रामलीला मैदान में तैयारियां जारी रहीं।

आयोजन स्थल पर विशाल तिरंगे के साथ दो मंच तैयार किए गए हैं। इसके अलावा लोगों के बैठने के लिए बड़े पंडाल बनाए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, मैदान में लगभग 40 से 45 हजार कुर्सियों की व्यवस्था की गई है, ताकि रैली में पहुंचने वाले लोगों को बैठने में परेशानी न हो। कार्यक्रम स्थल पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेडिंग भी की गई है। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए दिल्ली पुलिस ने आवश्यक प्रबंध किए हैं। रैली में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद को देखते हुए आयोजन स्थल पर व्यवस्थाओं को व्यवस्थित रखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मेरठ में बड़ा खुलासा: सेना की फायरिंग रेंज के लिए आरक्षित जमीन पर बस गई कॉलोनियां

एजेंसी, नई दिल्ली

मेरठ में जिले के उल्देपुर गांव में अवैध कॉलोनियों का मामला अब गंभीर रूप लेता जा रहा है। आरोप है कि कॉलोनाइजरों ने करोड़ों रुपये कमाने के लिए सेना की फायरिंग रेंज के लिए आरक्षित जमीन को भी नहीं छोड़ा। अकेले उल्देपुर गांव में करीब 95 हेक्टेयर आरक्षित भूमि पर अवैध कॉलोनियां और अन्य निर्माण कर दिए गए हैं। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दायर करने वाले लोकेश खुराना ने न्यायिक आयोग के अध्यक्ष एवं पूर्व न्यायाधीश सुधांशु धूलिया से शिकायत की है। उन्होंने ईमेल के जरिए जमीन का विवरण और उत्तर प्रदेश सरकार के गजट आदेश की प्रति भेजकर पूरे मामले की जांच कराने तथा इसे आयोग की जांच में शामिल करने की मांग की है। **सेना के अभ्यास के लिए आरक्षित है जमी**न दरअसल, मेरठ के सोफीपुर में सेना की फायरिंग रेंज स्थित है। यहां सेना के जवान फायरिंग, गोला दागने और तोप चलाने का अभ्यास करते हैं। सुरक्षा की दृष्टि से सोफीपुर के साथ मामेपुर, ललसाना और उल्देपुर गांवों की सैकड़ों बीघा जमीन भी आरक्षित की गई है।

न्यूज ब्रीफ

कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष की टिप्पणी के विरोध में बद्दी में पुतला फूंका, कार्यकर्ताओं ने जताया रोष



भारतेन्दु संवाददाता, बद्दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता के प्रति कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की कथित अभद्र टिप्पणी के विरोध में रविवार को बद्दी के सिक्का चौक के समीप प्रदर्शन किया गया। जिला उपाध्यक्ष गुरमेल चौधरी और विधि चंद की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला दहन किया। इस दौरान युवाओं ने कांग्रेस मुर्दाबाद और खड़गे मुर्दाबाद के नारे लगाए। जिला उपाध्यक्ष गुरमेल चौधरी और विधि चंद ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले नेताओं को अपनी भाषा की मर्यादा बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता और परिवार के प्रति कथित अभद्र टिप्पणी करना अनुचित है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन किसी के परिवार और व्यक्तिगत सम्मान को लेकर अभद्र भाषा का प्रयोग नहीं होना चाहिए। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों के नेताओं से सार्वजनिक जीवन में शालीनता और आपसी सम्मान बनाए रखने की अपील की।

मानव कल्याण समिति के निशुल्क चिकित्सा शिविर में 125 से अधिक मरीजों का जांचा स्वास्थ्य



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। मानव कल्याण समिति अर्की की ओर से स्वर्गीय प्रभावती गौतम की पुण्य स्मृति में ग्राम पंचायत दावटी के शिवनगर गांव में निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर स्वर्गीय प्रभावती गौतम के पुत्र विवेक गौतम और पुत्रवधू डॉ. सोनिका गौतम उपस्थित रहे। शिविर में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने 125 से अधिक लोगों के स्वास्थ्य की जांच की। इस दौरान 24 मरीजों की हृदय जांच और 91 लोगों की रक्त जांच की गई। इसके अतिरिक्त 35 से अधिक जरूरतमंदों को निःशुल्क नजर के चश्मे वितरित किए गए तथा सभी मरीजों को दवाइयां भी मुफ्त दी गईं। समिति के सचिव राजेश कपाटिया ने बताया कि वर्ष 2010 में स्थापित समिति प्रतिवर्ष अर्की क्षेत्र में दो निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित करती है। शिवनगर में आयोजित यह समिति का 20वां शिविर था। समिति अध्यक्ष राजेंद्र गौतम ने चिकित्सकों, स्वयंसेवकों, ग्रामीणों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों ने समिति के प्रयासों की सराहना की।

चेलरा दी मलाह की महिलाएं 15 वर्षों से चला रही स्वच्छता अभियान



भागमल ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बरोट। छोटाभंगाल घाटी की कोठी कोहड़ पंचायत के अंतर्गत महिला मंडल चेलरा दी मलाह की महिलाओं ने रविवार को प्रधान शांता देवी की अगुवाई में गांव में स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान महिलाओं ने गांव के अंदरूनी रास्तों, गलियों और नालियों की सफाई की। साथ ही गांव तक आने वाले रास्तों को भी साफ किया। प्रधान शांता देवी ने बताया कि अभियान के दौरान रास्तों और नालियों के किनारे उगी घास तथा झाड़ियों को काटकर गांव से दूर सुरक्षित स्थान पर गहरे गड्ढों में दबाया गया। उन्होंने बताया कि महिला मंडल की महिलाएं पिछले करीब 15 वर्षों से लगातार स्वच्छता अभियान चला रही हैं। मंडल में कुल 20 महिलाएं शामिल हैं, जिन्हें 10-10 सदस्यों के दो समूहों में बांटा गया है। दोनों समूह बारी-बारी से प्रत्येक रविवार को गांव की सफाई करते हैं। जरूरत पड़ने पर अन्य दिनों में भी अभियान चलाया जाता है। महिलाओं के निरंतर प्रयासों के चलते गांव हमेशा साफ-सुथरा रहता है। महिला मंडल ने भविष्य में भी इस अभियान को जारी रखने का संकल्प लिया है।

पद्धर में पटाखों की बिक्री के लिए पांच स्थान निर्धारित, छह नवंबर तक करना होगा आवेदन

भारतेन्दु संवाददाता, पद्धर। दीपावली पर्व के मद्देनजर पद्धर उपमंडल प्रशासन ने पटाखों की बिक्री के लिए पांच स्थान निर्धारित किए हैं। उपमंडलाधिकारी नागरिक सुरजीत सिंह ने बताया कि पटाखों की बिक्री केवल निर्धारित स्थानों पर ही की जा सकेगी। निर्धारित स्थानों में पंचायत घर ढ्रंग का मैदान, उरला पटवारघर के पीछे का क्षेत्र, कुन्नु स्थित हरदू गलू मेला मैदान, पाली में राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे खुला स्थान तथा बरोट का लकड़ी बाजार शामिल हैं। उन्होंने बताया कि पटाखों के थोक भंडारण और बिक्री के लिए जिला दंडाधिकारी मंडी से नियमानुसार अनुमति लेना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त उपमंडलाधिकारी कार्यालय पद्धर से भी अनुमति प्राप्त करनी होगी। सुरजीत सिंह ने इच्छुक विक्रेताओं को छह नवंबर तक आवेदन करने के निर्देश दिए हैं। आवेदन के साथ निर्धारित शुल्क की रसीद और विस्फोटक नियम 2008 के तहत आवश्यक प्रपत्र संख्या चार और पांच-ई जमा करवाने होंगे। बिना अनुमति पटाखे बेचने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तृप्ता पब्लिक स्कूल चलवाड़ा के दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का समापन, मेधावी सम्मानित



भारतेन्दु संवाददाता, जवाली। तृप्ता पब्लिक स्कूल चलवाड़ा में आयोजित दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का रविवार को धूमधाम से समापन हुआ। समापन समारोह की अध्यक्षता एसडीएम ज्वाली नरेंद्र जरियाल ने की। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न कक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए एसडीएम ने उन्हें नशे और मोबाइल फोन के अत्यधिक इस्तेमाल से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति एकाग्रचित होकर मेहनत और अनुशासन के साथ पढ़ाई करनी चाहिए। शिक्षा ही सफलता की महत्वपूर्ण आधारशिला है। उन्होंने कहा कि नशा युवाओं के भविष्य को प्रभावित करता है, जबकि मोबाइल फोन का अधिक इस्तेमाल पढ़ाई और एकाग्रता पर बुरा असर डालता है। विद्यार्थियों को अपना समय पढ़ाई, खेलकूद और सकारात्मक गतिविधियों में लगाना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों से भी बच्चों को उचित मार्गदर्शन देने का आग्रह किया। इस अवसर पर स्कूल के चेयरमैन वीरेंद्र नरियाल, प्रधानाचार्य राकेश राणा, बिजली बोर्ड के अधीक्षण अभियंता अमन चौधरी, अधिशासी अभियंता विशाल पत्रवाल, कांग्रेस प्रवक्ता संसार सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

नाहन में श्रद्धा-आस्था से मनाया जा रहा अहोई अष्टमी का पर्व

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। देश सहित प्रदेश में त्योहारों का सीजन शुरू हो चुका है। करवा चौथ के बाद अहोई अष्टमी का पर्व पूरी श्रद्धा-भाव से मनाया जा रहा है। सिरमौर में भी इस पर्व को मनाया जाता है और जिला मुख्यालय नाहन के बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। अहोई अष्टमी का पर्व संतान की समृद्धि के लिए मनाया जाता है और माताएं अपनी संतान की सुख-समृद्धि की कामना हेतु उपवास रखती हैं, जिसे शाम को तारे को देखकर खोला जाता है। इसमें विशेष रूप से गन्ने की पूजा की जाती है, जैसे गन्ना बढ़ता है वैसे ही वंश भी बढ़े। इसके अलावा विशेष मिठाई, खिलौने आदि एक पात्र जिसे झकरी कहा जाता है, उसे भरकर पूजा स्थान में रखकर पूजन किया जाता है। साथ ही माता अहोई से परिवार की संपन्नता की कामना की जाती है। सनातन धर्म मंदिर नाहन के पुजारी पंडित राम लाल शर्मा ने बताया कि अहोई माता से संतान की सुख-समृद्धि की कामना की जाती है और पूजा-अर्चना की जाती है। इसके साथ ही इस दिन पर चांदी का मनका धागे में डालकर बच्चों को पहनाया जाता है जोकि एक प्राचीन परम्परा है और साथ ही सम्पदा भी इकट्ठी हो जाती है ,शाम को तारे को देखकर अहोई माता की पूजा के बाद यह व्रत खोला जाता है।

सात जिलों में आज बारिश-बर्फबारी के आसार

3 से 7 नवंबर तक साफ रहेगा मौसम, जनजातीय क्षेत्रों में शून्य से नीचे पहुंचा तापमान

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में अगले 24 घंटों के दौरान सात जिलों में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला, किन्नौर और लाहौल-स्पीति में सोमवार को मौसम खराब रह सकता है।

प्रदेश के अन्य जिलों में मौसम साफ रहने का अनुमान है। हालांकि, 3 से 7 नवंबर तक राज्यभर में मौसम साफ रहेगा। रविवार को अधिकांश क्षेत्रों में धूप खिलने से मौसम सुहावना रहा, लेकिन तापमान में गिरावट के साथ ठंड बढ़ रही है। जनजातीय क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे पहुंच गया है। मंडी जिले के सुंदरनगर में सुबह धुंध छाने से दृश्यता घटकर 400 मीटर रह गई। मौसम विभाग की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के अनुसार जनजातीय जिला लाहौल स्पीति के कुकुमसेरी में न्यूनतम तापमान माइनस 1.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा ताबो में न्यूनतम तापमान 0.1 डिग्री रहा। इसके अलावा कल्पा में 4.8, मनाली में 7.2, बजौरा में 9.8, भुंतर



में 10.0, सोलन में 10.0, कुफरी में 10.1, शिमला में 11.0, भरमौर में 11.0, पालमपुर में 11.0, सुंदरनगर में 11.6, ऊना में 12.0, धर्मशाला में 12.6, कांगड़ा में 13.0, बिलासपुर में 13.0, मंडी में 13.2, जुब्बड़हट्टी में 14.0, नाहन में 14.3, देहरा गोपीपुर में 16.0, नेरी में 16.4 और पांवटा साहिब में 18.0 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान कुकुमसेरी में रहा, जबकि सबसे अधिक पांवटा साहिब में दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने सोमवार को चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला, किन्नौर और लाहौल-स्पीति जिलों में बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई है।

इन जिलों के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी हो सकती है, जबकि निचले क्षेत्रों में बारिश के आसार हैं। हालांकि, विभाग ने राज्य में भारी बारिश या भारी बर्फबारी का कोई अलर्ट जारी नहीं किया है। अन्य जिलों में मौसम साफ रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार 3 से 7 नवंबर तक पूरे प्रदेश में मौसम साफ रहेगा। ऐसे में अगले कुछ दिनों तक बारिश और बर्फबारी की संभावना के बाद राज्य में मौसम सामान्य रहने की उम्मीद है।

सुंदरनगर में धुंध से दृश्यता 400 मीटर

मंडी जिले के सुंदरनगर में रविवार सुबह धुंध छाने से दृश्यता घटकर 400 मीटर रह गई। इससे सुबह के समय वाहन चालकों को परेशानी हो सकती है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश के अधिकांश मौसम केंद्रों पर बारिश और बर्फबारी दर्ज नहीं की गई। शिमला में न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से एक डिग्री अधिक है। सुंदरनगर में न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री रहा, जो सामान्य से 2.9 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। भुंतर में 10 डिग्री तापमान सामान्य से 2.7 डिग्री अधिक रहा। कल्पा में न्यूनतम तापमान 4.8 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.2 डिग्री अधिक है। धर्मशाला में 12.6 डिग्री तापमान सामान्य से 0.5 डिग्री अधिक रहा। ऊना में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1.3 डिग्री अधिक है।

किन्नौर के डॉ. राजेश के. मेहता ने बढ़ाया हिमाचल का मान, अमेरिका में बने प्रतिष्ठित डिस्टिंग्विश्ड फेलो

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले के छोटे से गांव स्पिलो से निकलकर अमेरिका में चिकित्सा क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने वाले डॉ. राजेश के. मेहता ने प्रदेश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। उन्हें अमेरिकन एकेडमी ऑफ चाइल्ड एंड एडोलसेंट साइकियाट्री (एएसीएपी) की ओर से प्रतिष्ठित डिस्टिंग्विश्ड फेलो (डीएफएएसीएपी) सम्मान से नवाजा गया है। बीते 28 अक्तूबर को अमेरिका के अटलांटा में आयोजित एकेडमी की वार्षिक बैठक में उन्हें पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान बाल एवं किशोर मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं, शिक्षा, शोध, नेतृत्व और पेशेवर योगदान के लिए दिया जाता है। इसे एकेडमी की सर्वोच्च सदस्यता श्रेणी माना जाता है। डॉ. मेहता आईजीएमसी शिमला के वर्ष 2000 एमबीबीएस बैच के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा किन्नौर के नेसांग और भाभानगर में प्राप्त की। इसके बाद सैनिक स्कूल सुजानपुर टीहरा से शिक्षा हासिल की और स्कूल के 15वें बैच के विद्यार्थी रहे। वर्ष 2000 में आईजीएमसी शिमला में एमबीबीएस में दाखिला लेने के बाद वर्ष 2006 में उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद अमेरिका की सेंट लुइस यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन से मनोचिकित्सा में रेजिडेंसी और इंस्टीट्यूट ऑफ लिविंग, हार्टफोर्ड से बाल एवं किशोर मनोचिकित्सा में फेलोशिप हासिल की।

डेढ़ साल बाद बहाल होगा सैंज-बकशाहल सड़क मार्ग, ग्रामीणों में खुशी की लहर



भारतेन्दु संवाददाता, सैंज। करीब डेढ़ वर्ष से सड़क सुविधा से वंचित सैंज घाटी के बकशाहल गांव के लोगों के लिए राहत भरी खबर है।

लंबे इंतजार के बाद अब गांव का संपर्क मार्ग बहाल होने जा रहा है। सड़क बहाली का कार्य शुरू होने से ग्रामीणों में खुशी की लहर है। 25 जून 2025 को जीवा नाला में बादल फटने और भारी मात्रा में मलबा आने से बकशाहल गांव को जोड़ने वाला सड़क मार्ग बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके चलते गांव के करीब 50 परिवारों के 150 से अधिक लोग सड़क सुविधा से वंचित हो गए थे। ग्रामीणों को रोजमर्रा के कामकाज, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य जरूरी कार्यों के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। सैंज वैली विकास समिति के अध्यक्ष बुधराम के नेतृत्व में ग्रामीणों ने कई बार प्रशासन और प्रदेश सरकार के समक्ष सड़क बहाली की मांग उठाई। आखिरकार एपीएमसी अध्यक्ष राम सिंह मियां की पहल पर सड़क बहाली का कार्य शुरू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ी है। पार्वती जलविद्युत परियोजना चरण-दो और चरण-तीन के सहयोग से सड़क बहाली का कार्य शुरू किया जा रहा है। इसके लिए मशीनें सैंज पहुंच चुकी हैं और मौके पर काम भी शुरू हो गया है। सड़क बहाली की पहल पर बुधराम सहित ग्रामीणों ने एपीएमसी अध्यक्ष राम सिंह मियां और दोनों परियोजनाओं के प्रबंधन का आभार जताया। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि जल्द ही सड़क निर्माण कार्य पूरा होगा और गांव दोबारा सड़क सुविधा से जुड़ जाएगा।

1984 के सिख नरसंहार को कभी भुलाया नहीं जा सकता: शैलेंद्र

भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। भारतीय जनता पार्टी सोलन शहरी मंडल वर्ष 1984 में देश में हुए सिख नरसंहार की 42वीं बरसी पर उन सभी निर्दोष लोगों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है, जिन्होंने उस दुर्भाग्यपूर्ण और दर्दनाक दौर में अपनी जान गंवाई थी। यह घटना भारतीय इतिहास में मानवता पर लगा एक ऐसा काला धब्बा है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। भाजपा सोलन शहरी मंडल इस अमानवीय और नृशंस हत्याकांड की कड़े शब्दों में निंदा करता है। धर्म और समुदाय के आधार पर निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाना किसी भी सभ्य समाज के लिए अस्वीकार्य और शर्मनाक है। हजारों परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया, अनेक महिलाओं ने अपना सुहाग और बच्चों ने अपने माता-पिता खोए। उन परिवारों का दर्द आज भी देश की सामूहिक स्मृति में जीवित है। मंडल का मानना है कि किसी भी लोकतांत्रिक देश में हिंसा, नफरत और सांप्रदायिक उन्माद के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। दोषियों को न्याय के कटघरे में लाना और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाना लोकतंत्र तथा कानून के शासन की जिम्मेदारी है।

नंदपुर में धू-धू कर जली दिल्ली के युवकों की कार, तीनों सुरक्षित



भारतेन्दु संवाददाता, बड़ूही। ऊना-धर्मशाला राष्ट्रीय राजमार्ग पर नंदपुर में शनिवार देर रात एक सियाज कार आग की चपेट में आकर जलकर राख हो गई। गनीमत रही कि कार सवार तीनों युवक समय रहते बाहर निकल गए और सुरक्षित बच गए।

पुलिस के अनुसार दिल्ली के तिलक नगर निवासी अनीश कुमार, अंशुल मित्तल और चंद्र चोपड़ा श्री बगलामुखी माता मंदिर में माथा टेकने के बाद दिल्ली लौट रहे थे। रात करीब 12:30 बजे नंदपुर पहुंचने पर चालक ने कार के बोनट से धुआं निकलता देखा। उसने तुरंत गाड़ी रोक दी और तीनों बाहर निकल गए। कुछ ही देर में कार में आग भड़क उठी और पूरी गाड़ी जल गई।

सूचना मिलने पर पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी।

डीएसपी अंब अनिल पटियाल ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि कार सवार तीनों युवक सुरक्षित हैं। हादसे में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है। पुलिस मामले में आगामी कार्रवाई कर रही है।

गलू छाणग में पैराग्लाइडर खेतों में गिरा, ऑस्ट्रिया का पायलट गंभीर घायल



भारतेन्दु संवाददाता, जोगेंद्रनगर। उपमंडल के गलू छाणग क्षेत्र में रविवार को पैराग्लाइडिंग के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। बीड़-बिलिंग से उड़ान भरने वाला एक पैराग्लाइडर खेतों में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें ऑस्ट्रिया के सेल्जबर्ग निवासी पायलट निकोलस थॉमस गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही जोगेंद्रनगर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल पायलट को 108 एंबुलेंस के माध्यम से जोगेंद्रनगर अस्पताल पहुंचाया। मिली जानकारी के अनुसार निकोलस थॉमस ने रविवार सुबह बीड़-बिलिंग से पैराग्लाइडिंग के लिए उड़ान भरी थी। दोपहर बाद जब वह जोगेंद्रनगर उपमंडल के गलू छाणग क्षेत्र में पहुंचे तो उनका पैराग्लाइडर अचानक खेतों में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में पायलट की पीठ और पेट में अंदरूनी चोटें आई हैं। जोगेंद्रनगर अस्पताल में चिकित्सकों ने उन्हें प्राथमिक उपचार दिया। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए विवेकानंद अस्पताल पालमपुर रेफर कर दिया गया, जहां उन्हें भर्ती करवाया गया है।

सर्दियों में तेलिंग-मुद गांव का नहीं कटेगा संपर्क, वैली ब्रिज हुआ तैयार



धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, काजा। जनजातीय क्षेत्र स्पीति घाटी के दुर्गम पिन वैली क्षेत्र में सर्दियों के दौरान ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलने जा रही है। लोक निर्माण विभाग के मेकैनिक विंग ने तेलिंग-मुद वैली ब्रिज को सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया है।

इस पुल के शुरू होने से भारी बर्फबारी और हिमस्खलन के खतरे के बीच तेलिंग और मुद गांव के लोगों को सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होगा। इससे सर्दियों में भी दोनों गांवों का संपर्क बनाए रखने में मदद मिलेगी। पिन वैली के तेलिंग और मुद गांव को जोड़ने वाला पुराना सड़क मार्ग सर्दियों में काफी जोखिम भरा हो जाता था। भारी बर्फबारी और हिमस्खलन की आशंका के चलते कई बार ग्रामीणों का संपर्क पूरी तरह कट जाता था। इससे लोगों को चिकित्सा सुविधाओं, रोजमर्रा की जरूरतों और आपातकालीन परिस्थितियों में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। ग्रामीणों की समस्याओं को देखते हुए प्रशासन और लोक निर्माण विभाग ने वैकल्पिक पुल स्थापित करने का निर्णय लिया था। अब पुल के सफलतापूर्वक तैयार होने से क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली है। जनजातीय सलाहकार समिति के सदस्य एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता छेवांग ने पुल निर्माण में योगदान देने वाले लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने मेकैनिक विंग के प्रमुख सहायक अभियंता भीम सेन नेगी और उनकी पूरी टीम सहित विभागीय अधिकारियों, मजदूरों तथा स्थानीय प्रशासन का आभार जताया। उन्होंने कहा कि स्पीति में शून्य से नीचे तापमान और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद पुल को स्थापित करना सराहनीय कार्य है। यह पुल सर्दियों में ग्रामीणों के लिए किसी वरदान से कम नहीं होगा। लाहौल-स्पीति की विधायक अनुराधा राणा ने भी समय पर पुल तैयार करने के लिए लोक निर्माण विभाग का आभार व्यक्त किया। पुल के शुरू होने से स्थानीय ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। लोगों को उम्मीद है कि अब सर्दियों में आवाजाही और आपातकालीन सेवाओं के लिए पहले से बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी।

बिलासपुर में 41वीं राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता, 976 खिलाड़ियों ने लिया भाग

- अश्विंदर गिल ने 100 और 200 मीटर दौड़ में जीते स्वर्ण पदक

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। पीएम श्री मुख्यमंत्री आदर्श राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (सीबीएसई) बिलासपुर में आयोजित 41वीं अंडर-14 राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में प्रदेशभर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

तीन दिवसीय प्रतियोगिता में प्रदेश के 12 जिलों और एक खेल छात्रावास के करीब 976 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में शतरंज, ऊंचीकूद, लंबीकूद, गोला फेंक, चक्का फेंक और दौड़ सहित विभिन्न स्पर्धाएं आयोजित की गईं। राज्य निदेशालय के मीडिया प्रभारी चंचल सिंह ठाकुर ने बताया कि शतरंज छात्रा वर्ग में कांगड़ा प्रथम, सोलन द्वितीय और ऊना तृतीय रहा। छात्र वर्ग में सिरमौर ने पहला, चंबा ने दूसरा और सोलन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। ऊंची कूद छात्र वर्ग में चंबा के आदित्य कुमार प्रथम, सोलन के प्रिंस कुमार द्वितीय और शिमला के हार्दिक शर्मा तृतीय रहे। छात्रा वर्ग में चंबा की पूनम प्रथम और कुल्लू की कुसुम द्वितीय रहीं। गोला फेंक छात्र वर्ग में कांगड़ा के अरनव पाटिल प्रथम रहे, जबकि छात्रा वर्ग में सिरमौर की साक्षी ने पहला स्थान हासिल किया। चक्का फेंक में छात्र वर्ग में मंडी के जगदीश कुमार और छात्रा वर्ग में ऊना की नव्या प्रथम रहीं। लंबी कूद छात्र वर्ग में सिरमौर के शिवांश शर्मा तथा छात्रा वर्ग में ऊना की अश्विंदर गिल ने बाजी मारी। दौड़ प्रतियोगिताओं में 100 मीटर छात्रा वर्ग में ऊना की अश्विंदर गिल और छात्र वर्ग में ऊना के अरनव चौधरी प्रथम रहे। 200 मीटर छात्रा वर्ग में अश्विंदर गिल तथा छात्र वर्ग में सोलन के राजवीर सिंह ने पहला स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर छात्रा वर्ग में बिलासपुर की नव्या और छात्र वर्ग में हमीरपुर के कौस्तुभ ठाकुर प्रथम रहे। 600 मीटर छात्र वर्ग में सोलन के आरुष तथा छात्रा वर्ग में बिलासपुर की तमन्ना ठाकुर ने प्रथम स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

तृप्ता पब्लिक स्कूल चलवारा में वार्षिक उत्सव की धूम कृषि मंत्री ने मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित



भारतेन्दु संवाददाता, जवाली। जवाली विधानसभा क्षेत्र के तृप्ता पब्लिक स्कूल चलवारा में वार्षिक उत्सव 2026-27 हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह में प्रदेश के कृषि एवं पशुपालन मंत्री चौधरी चंद्र कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

स्कूल प्रबंधक वीरेंद्र नरियाल और प्रधानाचार्य राकेश राणा सहित समस्त स्टाफ ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने आकर्षक मार्च पास्ट और बैज समारोह प्रस्तुत किया। मुख्यातिथि को शॉल, टोपी और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में चौधरी चंद्र कुमार ने कहा कि तृप्ता पब्लिक स्कूल ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा के प्रसार और बच्चों के सर्वांगीण विकास में सराहनीय भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि वार्षिक समारोह विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभा को सामने लाने का बेहतर माध्यम हैं। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। प्रधानाचार्य राकेश राणा ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत कर विद्यालय की शैक्षणिक और खेल उपलब्धियों की जानकारी दी। समारोह में विद्यार्थियों ने गणेश वंदना, हिमाचली नाटी, गरबा, गिद्दा, भांगड़ा, देशभक्ति नृत्य और रामायण मंचन सहित अनेक रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। ताइक्वांडो और स्केटिंग के रोमांचक प्रदर्शन भी आकर्षण का केंद्र रहे। अंत में स्कूल प्रबंधक वीरेंद्र नरियाल ने मुख्य अतिथि, अभिभावकों और उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। समारोह में बड़ी संख्या में अभिभावक और स्थानीय गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

नगरोटा में चिट्टे के साथ पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। कांगड़ा जिला के पुलिस थाना नगरोटा बगवां की टीम ने पठियार क्षेत्र में गश्त के दौरान एक मोटरसाइकिल सवार से चिट्टा बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। एसपी कांगड़ा कुलभूषण वर्मा ने बताया कि बीती देर रात एक व्यक्ति को चेकिंग के दौरान शक के आधार पर रोका। पुलिस द्वारा गहनता से पूछताछ करने पर उसके कब्जे से 4.76 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। पुलिस द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए बरामद मादक पदार्थ तथा मोटरसाइकिल को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत पुलिस थाना नगरोटा बगवां में मामला दर्ज किया गया है। आरोपी की पहचान अंकुश सिंह (आयु 31 वर्ष), निवासी गांव सूरजपुर, तहसील इंदौरा, जिला कांगड़ा के रूप में हुई है। कांगड़ा पुलिस अब इस बात का पता लगा रही है कि वह यह चिट्टा कहां से लेकर आया था और इसे किसे बेचने वाला था।

महाराणा प्रताप इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में सीबीएसई की कार्यशाला आयोजित, शिक्षकों को दिए शिक्षण के नए आयाम



भारतेन्दु संवाददाता, नगरोटा बगवां। महाराणा प्रताप इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के उद्देश्य से 'थ्योरी ऑफ नॉलेज' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न विद्यालयों से आए शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और ज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ताओं के रूप में वेद धारा ग्लोबल स्कूल धनोट, ज्वालामुखी के प्रधानाचार्य मनोज जोशी तथा डीएवी वरिष्ठ माध्यमिक सार्वजनिक विद्यालय रेहान के सामाजिक विज्ञान विभाग के समन्वयक विजय सिंह गुलेरिया उपस्थित रहे। दोनों विशेषज्ञों ने अपने अनुभव और विषय संबंधी जानकारी प्रतिभागियों के साथ साझा की। कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञों ने ज्ञान की अवधारणा, उसके विभिन्न स्रोतों, आलोचनात्मक चिंतन तथा शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में ज्ञान की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों में केवल पुस्तकीय ज्ञान विकसित करना ही शिक्षा का उद्देश्य नहीं होना चाहिए, बल्कि उनमें प्रश्न पूछने, तर्क करने, तथ्यों का विश्लेषण करने और स्वयं निष्कर्ष तक पहुंचने की क्षमता भी विकसित की जानी चाहिए। इस दौरान विभिन्न संवादात्मक गतिविधियों और समूह चर्चाओं के माध्यम से शिक्षकों को विषय की व्यावहारिक समझ विकसित करने का अवसर मिला। प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए और शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए विभिन्न विचारों पर चर्चा की। विद्यालय की प्रधानाचार्या पूजा महाजन ने कार्यशाला के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों के ज्ञान और शिक्षण कौशल को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समय के साथ शिक्षा के तरीकों में बदलाव आ रहा है और शिक्षकों के लिए नई शिक्षण पद्धतियों को समझना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाओं से शिक्षक विद्यार्थियों में रचनात्मकता, तार्किक क्षमता और स्वतंत्र चिंतन को बढ़ावा देने में अधिक सक्षम बनते हैं। वि

न्यूज ब्रीफ

बिलासपुर में 'तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0' शुरू 26 दिसंबर तक चलेगा जागरूकता अभियान

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, हिमाचल प्रदेश के दिशा-निर्देशों के तहत जिला बिलासपुर में 'तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0' का शुभारंभ हो गया है। 28 अक्टूबर से 26 दिसंबर 2026 तक चलने वाले इस 60 दिवसीय अभियान का उद्देश्य बच्चों और युवाओं को तंबाकू सेवन की लत से बचाना तथा इसके गंभीर स्वास्थ्य दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। अभियान के प्रभावी संचालन के लिए स्वास्थ्य विभाग जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग, पुलिस और पंचायती राज संस्थाओं के साथ मिलकर कार्य करेगा। इसके तहत 5 नवंबर से पहले उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। अभियान के दौरान जिले में तंबाकू से होने वाले कैंसर, हृदय रोग और श्वसन संबंधी बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए कम से कम 30 सूचना, शिक्षा एवं संचार गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

महिला से पांच लाख रुपए की साइबर ठगी, बेटे को दुष्कर्म के मामले में फंसाने की दी धमकी

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पठानकोट में साइबर ठगी का एक और मामला सामने आया है। यहां साइबर ठगों ने एक महिला को उसके बेटे को दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार करने का डर दिखाकर पांच लाख रुपये ठग लिए। इस संबंध में साइबर अपराध थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार, गांव घोह निवासी प्रीतो देवी के मोबाइल पर व्हाट्सऐप के माध्यम से एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। फोन करने वाले ने महिला को बताया कि उसके बेटे को पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार कर लिया है। बेटे को छुड़ाने और मुकदमे से बचाने के नाम पर आरोपियों ने महिला से अलग-अलग बैंक खातों में पांच लाख रुपये जमा करवा लिए। ठगी का एहसास होने पर महिला ने राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 और साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस अब संबंधित मोबाइल नंबरों और बैंक खातों की जांच कर रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि ऐसी धमकियों से घबराकर पैसे न भेजें और तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत करें।

दीपावली पर अग्नि सुरक्षा को लेकर रहें सतर्क, सावधानी से जलाएं पटाखे : सुशील

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। दीपावली पर्व के मद्देनजर गृह रक्षा पांचवीं वाहिनी बिलासपुर के आदेशक सुशील कुमार कौंडल ने आमजन से अग्नि सुरक्षा संबंधी सावधानियां बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान बाजारों और आवासीय क्षेत्रों में भीड़ बढ़ने से आगजनी की आशंका भी बढ़ जाती है। उन्होंने दुकानदारों से अग्निशमन यंत्र रखने, आपातकालीन रास्ते खुले रखने तथा बिजली के सुरक्षित उपकरणों का प्रयोग करने का आग्रह किया। साथ ही ज्वलनशील पदार्थों और पटाखों को सुरक्षित स्थान पर रखने की सलाह दी। कौंडल ने कहा कि बच्चों को बड़ों की निगरानी में खुले स्थान पर ही पटाखे जलाने दें। पटाखे बिजली के तारों, गैस सिलेंडरों और वाहनों के पास न जलाएं। घरों में दीपक और मोमबत्तियां ज्वलनशील वस्तुओं से दूर रखें। उन्होंने आग लगने पर तुरंत सुरक्षित स्थान पर जाने और सहायता के लिए अग्निशमन सेवा 101, आपातकालीन सहायता 112 तथा एंबुलेंस 108 पर संपर्क करने की अपील की। उन्होंने पर्यावरण अनुकूल दीपावली मनाने का भी संदेश दिया।

जमानाबाद में 14 और 15 नवंबर को होगी दो दिवसीय खुली वॉलीबाल प्रतियोगिता



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। राष्ट्रीय संस्था सिंदूर फाउंडेशन और युवा वेलफेयर क्लब जमानाबाद के संयुक्त तत्वावधान में 14 और 15 नवंबर को मिंजर मेला मैदान जमानाबाद में दो दिवसीय खुली वॉलीबाल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसमें हिमाचल प्रदेश सहित अन्य राज्यों की आमंत्रित टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर रविवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप कुमार चौधरी की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें आयोजन की तैयारियों और विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। क्लब और प्रतियोगिता के मुख्य संयोजक दीप कुमार ने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखना तथा खेल भावना और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देना है। प्रतियोगिता की विजेता और उपविजेता टीमों को कुल सात लाख रुपए की नकद राशि व आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे। संस्था के अध्यक्ष संदीप कुमार चौधरी ने कहा कि संस्था सेवा, संकल्प और सशक्तिकरण के ध्येय के साथ सामाजिक कार्यों, शिक्षा, रक्तदान और जरूरतमंदों की सहायता में योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी युवाओं की प्रतिभा निखारने के लिए खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

अभिलाषी विवि में 'आविर्भाव' समारोह की धूम



कपिल शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, गोहर। अभिलाषी विश्वविद्यालय परिसर में नवप्रवेशी विद्यार्थियों के स्वागत के लिए 'आविर्भावः नई राहें, नए कदम' नाम से नवागंतुक समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कृषि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. पीसी शर्मा ने मुख्यातिथि और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। समारोह में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. आरके अभिलाषी, प्रति कुलाधिपति डॉ. एलके अभिलाषी, कुलपति प्रो. एचके चौधरी, वित्त अधिकारी नरेंद्र कुमार और कुलसचिव डॉ. कपिल कपूर सहित विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। कुलाधिपति डॉ. अभिलाषी ने युवाओं से नौकरी तलाशने के बजाय स्वयं का उद्यम स्थापित कर रोजगार प्रदाता बनने का आह्वान किया। उन्होंने कृषि क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार की व्यापक संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। कुलपति प्रो. एचके चौधरी ने हरित क्रांति के योगदान का उल्लेख करते हुए मिट्टी और प्रकृति से जुड़ाव बनाए रखने पर बल दिया। इस दौरान नवप्रवेशी विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर खूब वाहवाही बटोरी।

पेंशनर्स की हुंकार, 12 से 18 नवंबर तक धर्मशाला में देंगे धरना, 19 को विधानसभा का करेंगे घेराव



भारतेन्दु संवाददाता, शाहपुर। प्रदेशभर के पेंशनर्स ने अपनी लंबित मांगों और बकाया भुगतान को लेकर सरकार के खिलाफ आंदोलन का बिगुल बजा दिया है। पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन सिटी इकाई शाहपुर की बैठक में 12 से 18 नवंबर तक धर्मशाला में धरना-प्रदर्शन करने तथा 19 नवंबर को जोरावर स्टेडियम से विधानसभा का घेराव करने का निर्णय लिया गया। यूनिट प्रधान सेठ राम की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में प्रदेशाध्यक्ष सुरेश ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि जब तक पेंशनर्स को उनका पूरा हक और बकाया राशि नहीं मिलती, आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने 13 प्रतिशत महंगाई राहत का बकाया, संशोधित ग्रेच्युटी, छुट्टियों के नकदीकरण, पेंशन और वर्ष 2016 से लंबित वेतन एरियर का भुगतान करने की मांग उठाई। इसके अलावा एचआरटीसी के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को महंगाई भत्ता तथा बिजली बोर्ड में पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग भी रखी गई। बैठक में 120 से अधिक पेंशनर्स शामिल हुए। उन्होंने आंदोलन को सफल बनाने के लिए एकजुट होकर धर्मशाला पहुंचने का संकल्प लिया।

दुर्गा वाहिनी व मातृशक्ति ने किया शस्त्र पूजन

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। विश्व हिंदू परिषद के महिला विभाग दुर्गा वाहिनी एवं मातृशक्ति जिला सिरमौर की ओर से पांवटा साहिब में सामूहिक शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद संगठन के पदाधिकारियों और मातृशक्ति की सदस्यों ने सनातनी परंपरा के अनुसार विधि-विधान से शस्त्रों का पूजन किया। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद हिमाचल प्रदेश प्रांत के मंदिर एवं अर्चक-पुरोहित संपर्क प्रमुख तथा दुर्गा वाहिनी के पालक अधिकारी दीपक भंडारी ने कहा कि मातृशक्ति एवं दुर्गा वाहिनी की ओर से दुर्गा अष्टमी से सामूहिक शस्त्र पूजन कार्यक्रम की शुरुआत की जाती है। ये कार्यक्रम प्रांत, जिला, प्रखंड, नगर, ग्राम और वार्ड स्तर पर आयोजित किए जाते हैं।

कांगड़ा बाईपास से पर्यटन और स्थानीय आवागमन को मिलेगा बढ़ावा : पवन काजल

कहा- मोदी सरकार ने दीपावली से पहले कांगड़ा की जनता को दी बड़ी सौगात

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष व विधायक पवन काजल ने कहा कि दीपावली से पहले केंद्र की मोदी सरकार ने कांगड़ा की जनता को बड़ी सौगात दी है।

शिमला-मटौर निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग के अंतर्गत रियुंद खड्ड पुल और दो सुरंगों को रविवार से यातायात के लिए खोल दिया गया है। इससे क्षेत्र के लोगों और पर्यटकों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। पवन काजल रविवार को हारजलाड़ी गांव में आयोजित अंडर-19 फुटबॉल प्रतियोगिता के समापन समारोह में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नया कांगड़ा बाईपास शुरू होने से कांगड़ा से रानीताल की दूरी 17 किलोमीटर से घटकर नौ किलोमीटर रह जाएगी। इससे कांगड़ा आने वाले पर्यटकों को समेला और पुराने कांगड़ा में लगने वाले लंबे यातायात जाम से राहत मिलेगी। पर्यटन सीजन के दौरान भी लोगों का सफर आसान होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की बढ़ती लोकप्रियता से विपक्ष बौखलाया हुआ है। विपक्ष चुनाव आयोग के विरुद्ध दुष्प्रचार कर देश में अराजकता फैलाने का प्रयास कर रहा है। संसद में चर्चा से बचने वाले विपक्षी नेता सड़कों पर प्रदर्शन कर दिल्ली के शांत वातावरण और कारोबार को प्रभावित कर रहे हैं।



सड़कों की मरम्मत व विकास कार्यों को मिलेगी गति

पवन काजल ने बताया कि कांगड़ा बाईपास से समेला सुरंग तक सड़क पर नए सिरे से तारकोल बिछाने का कार्य करवाया जा रहा है। इसके अलावा बाईपास से बीरता तक सड़क की मरम्मत भी करवाई जाएगी। उन्होंने युवा क्लब जलाड़ी को 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की और प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी। युवा क्लब के सदस्य सक्षम ने बताया कि प्रतियोगिता में 12 टीमों ने भाग लिया। इस अवसर पर आयुष, अंशुल, मुकेश, सौरभ, अमन, ग्राम पंचायत प्रधान मीना देवी, उपप्रधान बलवीर सिंह, दौलतपुर के उपप्रधान सतीश सोनी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य प्रिंस और पूर्व उपप्रधान बोधराज सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बनेर खड्ड पुल का निर्माण जून तक होगा पूरा

विधायक ने बताया कि हारजलाड़ी को नंदरुल खड्ड से जोड़ने के लिए बनेर खड्ड पर विधायक प्राथमिकता के तहत पुल का निर्माण करवाया जा रहा है। पुल का दूसरा हिस्सा मार्च महीने तक तैयार कर दिया जाएगा तथा अगले वर्ष जून में इसे यातायात के लिए खोलने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की ढीली कार्यप्रणाली के बावजूद चंगर क्षेत्र में 20 करोड़ रुपये की पेयजल योजना का कार्य आगे बढ़ रहा है। योजना के तहत गांवों में पाइप पहुंच चुकी हैं। जल्द ही हारजलाड़ी, जनेयाकड़, समेला, टाकीपुर, धमेड़, कुलथी और दौलतपुर पंचायतों के लोगों को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध करवाया जाएगा।

कांगड़ा बाईपास यातायात के लिए खुला पुराने मार्ग के जाम से मिलेगी राहत



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। हिमाचल प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों को सुदृढ़ बनाने की दिशा में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की महत्वपूर्ण परियोजना के तहत कांगड़ा बाईपास को 1 नवंबर 2026 से परीक्षण आधार पर यातायात के लिए खोल दिया गया है।

भंगबार-कांगड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 503 परियोजना के अंतर्गत निर्मित इस बाईपास का निर्माण रियुंद खड्ड पर 155 मीटर लंबे पुल का कार्य पूरा होने के बाद शुरू किया गया है। करीब 4.5 किलोमीटर लंबे इस बाईपास में 593 मीटर लंबी जुड़वां सुरंग, लगभग 477 मीटर लंबाई के तीन प्रमुख पुल, 160 मीटर लंबा ऊंचा सड़क मार्ग तथा 455 मीटर लंबा रेल ऊपरगामी पुल शामिल है। रियुंद खड्ड पर बना 155 मीटर लंबा पुल भी इस परियोजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। बाईपास शुरू होने से यात्रियों की दूरी लगभग आठ किलोमीटर से घटकर 4.5 किलोमीटर रह जाएगी। इससे कांगड़ा के पुराने मार्ग पर लगने वाले यातायात जाम से राहत मिलने की उम्मीद है। विशेषकर पर्यटन सीजन में पर्यटकों और स्थानीय लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। यह मार्ग कांगड़ा, धर्मशाला और मैक्लोडगंज जाने वाले यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। इससे क्षेत्र में पर्यटन, व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की संभावना है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने वाहन चालकों से निर्धारित गति सीमा का पालन करने, यातायात संकेतों पर ध्यान देने और मार्ग पर तैनात कर्मचारियों के निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

बच्चों का भविष्य संवारना अध्यापकों व अभिभावकों का संयुक्त दायित्व : चमन



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बच्चे देश का अनमोल रत्न और भविष्य हैं। उनका भविष्य संवारना अध्यापकों के साथ-साथ अभिभावकों का भी महत्वपूर्ण दायित्व है।

अभिभावकों को बच्चों की पढ़ाई और गतिविधियों को लेकर अध्यापकों के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखना चाहिए। यह बात घुमारवीं के वरिष्ठ अधिवक्ता चमन लाल जंजुहा ने होली हार्ट पब्लिक स्कूल घुमारवीं के 24वें वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में मुख्यातिथि के रूप में कही। उन्होंने विद्यार्थियों से माता-पिता और अध्यापकों के बताए मार्ग पर चलने तथा समाज में होने वाली गलत गतिविधियों की जानकारी तुरंत अपने अभिभावकों और शिक्षकों को देने का आह्वान किया। चमन लाल जंजुहा ने समाज में बढ़ते नशे के प्रचलन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि नशा अब परिवारों के लिए भी गंभीर समस्या बनता जा रहा है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखने और उन्हें नशे से दूर रखने का आग्रह किया। विद्यालय की प्रधानाचार्य नीलम शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए संस्थान की 24 वर्षों की उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विद्यालय के विद्यार्थी शिक्षा और खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

विद्यालय के मुख्य सलाहकार बाबू लाल धर्माणी ने भी विद्यार्थियों को नशे से दूर रहकर शिक्षा और सकारात्मक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। समारोह में शिक्षा, खेलकूद और विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर खूब वाहवाही लूटी।

एसआईआर पर भ्रम फैला रही कांग्रेस : विनय

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विनय शर्मा ने कांग्रेस पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भ्रम फैलाने और चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण लोकतंत्र को मजबूत करने की प्रक्रिया है। इसमें एक भी पात्र मतदाता का नाम नहीं कटना चाहिए और अपात्र व्यक्ति सूची में नहीं रहना चाहिए। विनय शर्मा ने आरोप लगाया कि दिल्ली में प्रस्तावित कांग्रेस रैली के लिए सुक्खू सरकार सरकारी मशीनरी और संसाधनों का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कर्मचारियों के वेतन और विकास कार्यों को लेकर आर्थिक चुनौतियां हैं, लेकिन सरकार रैली के लिए सरकारी बसों और अधिकारियों का इस्तेमाल कर रही है।

सतगुरु की दया को संजोना ही साधक का परम कर्तव्य : स्वामी



आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के तत्वावधान में, बीपी शर्मा के निवास स्थान मटौर, कांगड़ा, में साप्ताहिक आध्यात्मिक सत्संग सभा का भव्य आयोजन किया गया।

यह आयोजन दिव्य गुरु आशुतोष महाराज जी की दिव्य प्रेरणा से संपन्न हुआ, जिसमें स्वामी मनप्रीत जी ने 'सतगुरु की दया को कैसे संजोएं' विषय पर गहन एवं प्रेरणादायक सत्संग किया। सभा का शुभारंभ गुरु वंदना एवं मधुर भजनों के साथ हुआ, जिनकी स्वर-लहरियों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके उपरांत स्वामी मनप्रीत ने अपनी ओजस्वी वाणी में सतगुरु की कृपा की महिमा का वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को बताया कि 'सतगुरु की दया वह दिव्य संजीवनी है, जो मृतप्राय आत्मा में भी आध्यात्मिक जीवन का संचार कर देती है।।' उन्होंने कहा कि मानव जीवन की वास्तविक सार्थकता तब है, जब वह किसी सच्चे सतगुरु की शरण में जाकर ब्रह्मज्ञान प्राप्त करता है। किंतु ब्रह्मज्ञान की प्राप्ति मात्र से ही साधना पूर्ण नहीं हो जाती। जिस प्रकार कोई अमूल्य रत्न प्राप्त होने पर उसे सुरक्षित रखने की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार सतगुरु की दया, जिसके रूप में हमें आत्मज्ञान प्राप्त होता है, उसे संजोकर रखना भी अत्यंत आवश्यक है। स्वामी ने आगे बताया कि सतगुरु की कृपा को बनाए रखने के लिए साधक को अपने जीवन में कुछ विशेष अनुशासनों का पालन करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नियमित ध्यान-साधना सतगुरु की कृपा को अनुभव करने का सर्वोत्तम माध्यम है। जब साधक प्रतिदिन ब्रह्मज्ञान के आधार पर ध्यान करता है, तब उसका सतगुरु से जुड़ाव और अधिक सुदृढ़ होता है। सेवा से अहंकार का क्षय होता है और आत्मा निर्मल बनती है। इसलिए प्रत्येक साधक को तन, मन और धन से गुरु कार्य में योगदान देना चाहिए। सत्संग की महत्ता बताते हुए स्वामी जी ने कहा कि सत्संग वह अमृत है, जो साधक की अंतरात्मा को बार-बार जागृत करता है। सत्संग से प्रेरणा, ऊर्जा एवं आध्यात्मिक मार्ग पर दृढ़ता प्राप्त होती है। सभा में उपस्थित साधकों को संबोधित करते हुए स्वामी ने अनेक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किए, जिनमें साधकों ने सतगुरु की कृपा को सही ढंग से संजोकर अपने जीवन को सफल बनाया। उन्होंने कहा कि सतगुरु की दया कोई साधारण उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह आत्मा के अनेक जन्मों के संचित पुण्यों का परिणाम है।

गोबिंद सागर जलाशय में विभिन्न प्रजातियों की 14.79 लाख से अधिक मछलियों के बीज डाले



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध **गोबिंद** सागर जलाशय में मछली संपदा को बढ़ाने, संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए, मत्स्य विभाग ने पश्चिम बंगाल और विभागीय मछली फार्मों से प्राप्त विभिन्न प्रजातियों के 14.79 लाख से अधिक उच्च गुणवत्ता वाले मछली के बीज जलाशय में डाले हैं।

इस पहल के तहत, 2,05,866 कैटला और सिल्वर कार्प मछली के बीजों का पहला बैच 17 अक्तूबर को बिलासपुर जिले के लुहनू में छोड़ा गया। इसके बाद, 23 अक्तूबर को ऊना जिले के रायपुर मैदान में 3,38,505 सिल्वर कार्प, 27 अक्तूबर को भाखरा में 3,83,472 कैटला और 28 अक्तूबर को जकातखाना स्टेशन पर 2,66,000 रोहू और मृगल मछली के बीज छोड़े गए। ये बीज मंडी जिले के अलसू स्थित विभागीय कार्प मछली फार्म से प्राप्त किए गए थे। इसके अतिरिक्त, पश्चिम बंगाल से विभागीय अनुमोदित दरों पर प्राप्त 2,85,298 सिल्वर कार्प मछली के बीज 30 अक्तूबर को लुहनू में छोड़े गए। पश्चिम बंगाल से मंगाई गई मछली के बीजों का आकार 100 मिमी या उससे अधिक होता है, जबकि रोहू और मृगल मछलियों के बीजों को मंडी के अलसू स्थित विभागीय फार्म में सीधे पाला गया था। उच्च गुणवत्ता वाले और बड़े आकार के मछली के बीजों को छोड़ने से उनकी जीवित रहने की दर में काफी सुधार होता है, जिससे जलाशय में कुल मछली उत्पादन बढ़ाने में सीधा योगदान मिलता है।

संपूर्ण मत्स्य पालन अभियान हिमाचल प्रदेश के मत्स्य विभाग के संयुक्त निदेशक पवन कुमार की अध्यक्षता वाली विभागीय समिति की देखरेख में संचालित किया गया। समिति के पर्यवेक्षकों में बिलासपुर मंडल के सहायक मत्स्य निदेशक पंकज ठाकुर, मंडी मंडल की सहायक मत्स्य निदेशक नीतू सिंह और सोलन मंडल की सहायक मत्स्य निदेशक पूनम धीमान के साथ-साथ स्थानीय मत्स्य अधिकारी, सहकारी समितियों के प्रतिनिधि और स्थानीय मछुआरे शामिल थे। बिलासपुर मंडल के मत्स्य विभाग के सहायक निदेशक पंकज ठाकुर ने बताया कि गोबिंद सागर जलाशय में 46 मत्स्य सहकारी समितियां सक्रिय रूप से कार्यरत हैं, जो 2,561 मछुआरों का समर्थन करती हैं, जिनकी आजीविका दैनिक मछली पकड़ने पर निर्भर है।

घर के आंगन में घुसकर मारपीट और जान से मारने की धमकी, मामला दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। पुलिस थाना भराड़ी के अंतर्गत गांव लैहड़ी सरेल में घर के आंगन में घुसकर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में लैहड़ी सरेल निवासी प्रकाश चंद ने बताया कि 30 अक्टूबर को गांव चलालडू का एक व्यक्ति उनके घर के आंगन में घुस आया। आरोप है कि उक्त व्यक्ति ने उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। पुलिस अधीक्षक बिलासपुर ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि शिकायत के आधार पर थाना भराड़ी में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 332(सी), 324(4), 352 और 351(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की छानबीन कर आगामी कानूनी कार्रवाई कर रही है।

बीएल स्कूल में वार्षिक समारोह की धूम मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित



भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। बीएल सेंट्रल पब्लिक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, द मॉल सोलन में शनिवार को वार्षिक उत्सव एवं पारितोषिक वितरण समारोह 2026 धूमधाम से मनाया गया। समारोह की मुख्य विषयवस्तु 'अनेकता में एकता' रही, जिसमें विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति, परंपराओं और विविधता की सुंदर झलक प्रस्तुत की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कमांडिंग अधिकारी कर्नल बिक्रम जीत की पत्नी नेहा राजपूत तथा विशिष्ट अतिथि प्रियंका प्रशांत काशीरसागर उपस्थित रहीं। विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और मनोरंजक गतिविधियों से सभी का मन मोह लिया। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों ने स्वयं खानपान के स्टॉल लगाकर उनके संचालन की जिम्मेदारी भी संभाली। मुख्यातिथि नेहा राजपूत ने विद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं। समारोह के दौरान शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विशेष रूप से प्राची मलासी को हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की बारहवीं कक्षा की परीक्षा में प्रदेशभर में आठवां स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। विद्यालय की प्रबंध निदेशिका वीना बख्शी और प्रधानाचार्या रुचिका ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना की। कार्यकारी निदेशक डिपिन बख्शी और सागर ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर एक अभिभावक ने अपनी बेटी जानवी के नीट परीक्षा उत्तीर्ण करने का श्रेय विद्यालय के शिक्षकों और प्रबंधन को देते हुए आभार जताया। समारोह का समापन उत्साह और उल्लास के साथ हुआ।

पठानकोट में अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई जेसीबी और दो टिप्पर जब्त, चार गिरफ्तार



भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पठानकोट जिले में अवैध खनन के खिलाफ पुलिस और खनन विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए नौशहरा नालबंदा की खड्ड में छापेमारी की। इस दौरान अवैध खनन में इस्तेमाल की जा रही एक जेसीबी और दो टिप्परों को जब्त कर चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। जब्त की गई जेसीबी पर नंबर प्लेट भी नहीं लगी हुई थी।

खनन विभाग की जांच में सामने आया कि आरोपियों ने खड्ड में करीब 35 मीटर म 40 मीटर क्षेत्र में डेढ़ मीटर गहरी अवैध खुदाई की थी। शुक्रवार दोपहर करीब 12:45 बजे खनन निरीक्षक गुरजोत सिंह को इसकी गुप्त सूचना मिली। इसके बाद उन्होंने घरोटा पुलिस चौकी के प्रभारी एएसआई बोध राज से संपर्क किया और पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे। कार्रवाई के दौरान बिना नंबर वाली जेसीबी के अलावा दो टिप्पर को जब्त किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जेसीबी चालक मनीष कुमार निवासी छन्नी बेली, टिप्पर चालक विक्रम सिंह निवासी नौशहरा नालबंदा, मोहनलाल निवासी मोहटली (कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश) और सहायक अमित कुमार निवासी जसवां, तारागढ़ के रूप में हुई है। खनन निरीक्षकों की शिकायत पर थाना सदर पठानकोट में खान एवं खनिज अधिनियम, 1957 की धारा 21(1) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

बिलासपुर में सुरक्षा कर्मियों के 95 पदों पर होंगे साक्षात्कार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर में मैसर्ज इवान सिक्योरिटी फंक्शन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सुरक्षा कर्मियों के 95 पद भरे जाएंगे। जिला रोजगार अधिकारी राजेश मेहता ने बताया कि इनमें सुरक्षा रक्षकों के 80 और सुरक्षा पर्यवेक्षकों के 15 पद शामिल हैं। चयनित अभ्यर्थियों को हिमाचल, पंजाब और हरियाणा में नियुक्ति दी जाएगी। इन पदों के लिए साक्षात्कार 5 नवंबर को जिला रोजगार कार्यालय बिलासपुर, 6 नवंबर को उपरोजगार कार्यालय घुमारवीं और 7 नवंबर को उपरोजगार कार्यालय श्री नैना देवी जी में सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक होंगे। आवेदकों की आयु 20 से 36 वर्ष तथा शैक्षणिक योग्यता दसवीं, बारहवीं या स्नातक निर्धारित की गई है। चयनित उम्मीदवारों को 14 हजार से 25 हजार रुपये मासिक वेतन मिलेगा। इच्छुक अभ्यर्थी मूल प्रमाणपत्र, आधार कार्ड, रोजगार पंजीकरण कार्ड, दो फोटो और बायोडाटा सहित पहुंचें। अधिक जानकारी के लिए 01978-222450 पर संपर्क करें।

प्रो. रजनी सांख्यान ने अर्की कॉलेज के प्राचार्य पद का संभाला कार्यभार



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। राजकीय महाविद्यालय अर्की में 31 अक्टूबर 2026 को प्रो. रजनी सांख्यान ने प्राचार्य पद का कार्यभार संभाल लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. मस्त राम सहित प्राध्यापकों और गैर-शिक्षक कर्मचारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद प्रो. सांख्यान ने कॉलेज परिसर का निरीक्षण किया और संस्थान की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक सुझाव दिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि महाविद्यालय के विकास और शैक्षणिक वातावरण को सुदृढ़ करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। इससे पूर्व प्रो. रजनी सांख्यान जिला कांगड़ा के राजकीय महाविद्यालय डाडा-सीबा में प्राचार्य के पद पर कार्यरत थीं। मूल रूप से भौतिक विज्ञान की प्राध्यापिका रहीं प्रो. सांख्यान राजकीय महाविद्यालय मंडी, नालागढ़, सोलन, राजकीय कन्या महाविद्यालय शिमला और एससीईआरटी सोलन में अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्रा इकाई की कार्यक्रम अधिकारी रहते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकीकरण शिविरों में भाग लेने के अवसर प्रदान किए और उनके सर्वांगीण विकास में योगदान दिया। इस अवसर पर उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय नौणी से अधिष्ठाता छात्र कल्याण के पद से सेवानिवृत्त डॉ. हरि पाल सांख्यान भी उपस्थित रहे। स्टाफ और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्रो. सांख्यान ने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास और कल्याण रहेगा। उन्होंने महाविद्यालय की आधारभूत सुविधाओं को मजबूत बनाने तथा शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सभी कर्मचारियों से सहयोग मांगा। उन्होंने कहा कि संस्थान का प्रत्येक नि

एलेक्जेंड्रा बोटेज का खूबसूरत अंदाज

एलेक्जेंड्रा बोटेज कनाडाई-अमेरिकी शतरंज खिलाड़ी और लोकप्रिय कंटेंट क्रिएटर हैं। उनका जन्म 24 सितंबर 1995 को अमेरिका के टेक्सास में हुआ था। वह छह साल की उम्र से शतरंज खेल रही हैं। पांच बार कनाडा की राष्ट्रीय जूनियर चैंपियन रह चुकी हैं।



न्यूजीलैंड ने जीता टी-20, भारत ने सीरीज

3-0 की बढ़त के बाद भारत को लगातार दूसरी हार, सीरीज 3-2 से जीती

एजेंसी, हैमिल्टन (न्यूजीलैंड)





न्यूजीलैंड टीम ने पांचवें और अंतिम टी-20 मुकाबले में रविवार को भारतीय टीम को सात विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 191 रन बनाए थे। जवाब में न्यूजीलैंड ने 192 रनों के लक्ष्य को 18 ओवर में तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस जीत के बावजूद भारतीय टीम ने पांच मैचों की टी-20 सीरीज 3-2 से अपने नाम की।

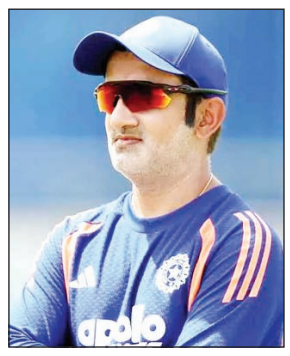
भारत ने सीरीज के शुरुआती तीनों मुकाबले जीते थे। इसके बाद पांचवें और अंतिम मैच में न्यूजीलैंड ने जीत के साथ सीरीज का समापन किया। 192 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पारी के दूसरे ओवर में फिन एलन दो रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने तेजी से रन बनाने शुरू किए और पावरप्ले के छह ओवर में टीम ने एक विकेट के नुकसान पर 59 रन बटोरे।

न्यूजीलैंड का दूसरा विकेट 82 रन के स्कोर पर गिरा, जब डेरिल मिचेल 16 गेंदों में चार छक्कों की मदद से 29 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद टिम साइफर्ट ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बनाया। उन्होंने 50 गेंदों में 11 चौके और पांच छक्कों की मदद से 93 रनों की तेज पारी खेली। साइफर्ट 16वें ओवर में 168 रन के स्कोर पर तीसरे विकेट के रूप में आउट हुए। हालांकि तब तक न्यूजीलैंड की टीम जीत के बेहद करीब पहुंच चुकी थी और 18वें ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। ग्लेन फिलिप्स 38 गेंदों में 65 रन और बेवॉन जैकब्स एक रन बनाकर नाबाद रहे।

भारतीय टीम की ओर से अर्शदीप सिंह, नीतीश कुमार रेड्डी और वरुण चक्रवर्ती को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 191 रन बनाए। भारत की ओर से ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने अर्धशतक जड़े। ईशान ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 32 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्कों की मदद से 61 रन बनाए, जबकि श्रेयस अय्यर ने 23 गेंदों पर तीन चौके और चार छक्कों की मदद से 50 रनों की पारी खेली। ईशान और श्रेयस के अलावा नमन धीर ने 23 गेंदों में चार चौके और एक छक्के की मदद से 33 रन बनाए। नीतीश ने 17 गेंदों पर 22 रन का योगदान दिया। वहीं, संजू सैमसन चार रन, अभिषेक शर्मा एक रन बनाकर आउट हुए। तिलक वर्मा और भुवनेश्वर कुमार ने छह-छह रन बनाए। न्यूजीलैंड की ओर से एडम मिल्ने सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने चार विकेट अपने नाम किए। इसके अलावा नाथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर को दो-दो सफलताएं मिलीं।

मेरा काम लोकप्रिय नहीं, सही फैसले लेना है: गौतम गंभीर

एजेंसी, हैमिल्टन



भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने रविवार को कहा कि उनका काम सभी को खुश करना नहीं, बल्कि टीम के हित में सही फैसले लेना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह लोकप्रिय फैसले करने के बजाय प्रदर्शन और टीम की जरूरत को प्राथमिकता देते हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से पहले आधिकारिक प्रसारक से बातचीत में गंभीर ने यह बात कही। भारतीय टीम के पास मजबूत बेंच स्ट्रेंथ है, लेकिन युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को अभी ज्यादा मौके नहीं मिल रहे हैं। इसकी वजह शीर्ष क्रम में संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा का अच्छा प्रदर्शन है। गंभीर ने कहा, ''मेरा काम सबको खुश करना नहीं है। मेरा काम सही फैसले लेना है, न कि लोकप्रिय फैसले। इसी के लिए मैं यहां हूं।'' उन्होंने कहा कि ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों को सुरक्षा का अहसास कराना भी जरूरी है। लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहे खिलाड़ी निश्चित रूप से अधिक अवसर के हकदार हैं।

भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के शुरुआती तीन मुकाबले जीतकर सीरीज अपने नाम कर ली है। इसके बावजूद गंभीर ने कहा कि देश के लिए खेलते समय आत्मसंतुष्टि की कोई जगह नहीं होती। हर मैच खिलाड़ियों के लिए कुछ नया सीखने और खुद को बेहतर बनाने का अवसर होता है।

खिलाड़ियों ने कम समय में ही खुद को ढाला

गंभीर ने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद खिलाड़ियों के प्रदर्शन की तारीफ की। उन्होंने बताया कि भारतीय टीम ने 17 अक्टूबर को वेस्टइंडीज के खिलाफ आखिरी मैच खेला और अगले ही दिन न्यूजीलैंड के लिए रवाना हो गई। टीम को यहां अभ्यास के लिए केवल एक सत्र मिला। उन्होंने कहा कि इतने कम समय में खिलाड़ियों ने न्यूजीलैंड की परिस्थितियों के अनुसार खुद को जिस तरह ढाला, वह काबिलेतारीफ है।

न्यूज ब्रीफ

सुपरस्टार होने के बावजूद बेहद सरल स्वभाव के हैं कोहली: जैकब

एजेंसी, ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की विनम्रता और खेल के प्रति उनकी लगन से काफी प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि सुपरस्टार होने के बावजूद कोहली बेहद सरल स्वभाव के हैं और विदेशी खिलाड़ियों का भी पूरा सम्मान करते हैं। डफी और कोहली आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से एक साथ खेलते हैं। डफी ने बताया कि कोहली ने टीम के विदेशी खिलाड़ियों को सहज महसूस कराने के लिए काफी प्रयास किए। वह इसके लिए उनके आभारी हैं। डफी ने कोहली की मेहनत की तारीफ करते हुए कहा कि नेट अभ्यास के दौरान भारतीय बल्लेबाज सबसे पहले पहुंचते थे। उन्होंने खुद कोहली को कई बार गेंदबाजी की है और दोनों ने नेट पर काफी समय बिताया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे श्रृंखला चार नवंबर से ऑकलैंड में शुरू होगी। डफी अब अपने आईपीएल टीम साथी कोहली के खिलाफ गेंदबाजी करने को लेकर उत्साहित हैं।



विश्व चैंपियनशिप में भारतीय भारोत्तोलक उषा का अच्छा प्रदर्शन, ग्रुप डी में रहीं शीर्ष पर

एजेंसी, निंगबो। भारतीय भारोत्तोलक उषा ने रविवार को यहां आईडब्ल्यूएफ विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप में महिलाओं के 61 किलोग्राम वर्ग के ग्रुप डी में शीर्ष स्थान हासिल किया। 23 वर्षीय उषा ने कुल 212 किलोग्राम वजन उठाकर ग्रुप के अन्य नौ खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा। उषा ने स्नैच में 93 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 119 किलोग्राम वजन उठाया। उन्होंने स्नैच में 90 किलोग्राम के सफल प्रयास से शुरुआत की, लेकिन दूसरे प्रयास में 93 किलोग्राम नहीं उठा सकीं। हालांकि, तीसरे प्रयास में उन्होंने यह वजन सफलतापूर्वक उठा लिया। क्लीन एंड जर्क में उषा ने 115 और 119 किलोग्राम वजन आसानी से उठाया, लेकिन अंतिम प्रयास में 121 किलोग्राम उठाने में असफल रहीं। अब ग्रुप ए के मुकाबले पूरे होने के बाद उनकी अंतिम रैंकिंग तय होगी। विश्व चैंपियनशिप में खिलाड़ियों को उनके घोषित कुल वजन के आधार पर अलग-अलग ग्रुप में रखा जाता है। ग्रुप ए में सबसे अधिक वजन उठाने की क्षमता वाले खिलाड़ी शामिल होते हैं, जबकि अन्य ग्रुप में क्रमशः कम वजन वाले भारोत्तोलक हिस्सा लेते हैं।



अनुभव चौधरी ने जापान में हुए पैरा एशियन गेम्स में जीता ब्राउन्स मेडल

एजेंसी, मुरादाबाद। मुरादाबाद निवासी अनुभव चौधरी को जापान में हुए पैरा एशियन गेम्स में 100 मीटर में ब्राउन्स मेडल हासिल करने पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम रामगंगा विहार मुरादाबाद में सम्मानित किया गया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश ब्लाइंड स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव डॉ अजय पाठक ने बताया कि अनुभव चौधरी ने जापान में आयोजित पैरा एशियन गेम्स में ब्राउन मेडिकल हासिल करके पीतलनगरी मुरादाबाद के साथ उत्तर प्रदेश का नाम भी देश भर में चमका दिया है। अनुभव चौधरी के स्वागत अभिनंदन कार्यक्रम में डॉ अजय पाठक के अलावा क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी चंचल मिश्रा, क्रीड़ा अधिकारी सुनील कुमार, पूर्व क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी प्रेम कुमार एवं सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम के समस्त कोच एवं स्टाफ उपस्थित रहा।



14 साल की जेन्सी ने पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को दी कड़ी टक्कर

एजेंसी, चेन्नई। जूनागढ़ से करीब 2,000 किलोमीटर का सफर तय कर चेन्नई पहुंचीं 14 वर्षीय जेन्सी कनाबर ने डब्ल्यूटीए 250 चेन्नई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। मूल क्वालीफाइंग सूची में जगह नहीं होने के बावजूद उन्हें देर से वाइल्ड कार्ड मिला और उन्होंने इस मौके का भरपूर फायदा उठाया। जेन्सी ने रविवार को पांचवीं वरीयता प्राप्त पोलैंड की वेरोनिका फाल्कोव्स्का को कड़ी चुनौती दी। विश्व रैंकिंग में 287वें स्थान पर काबिज वेरोनिका के खिलाफ जेन्सी ने दूसरा सेट 7-5 से जीतकर मुकाबले को रोमांचक बना दिया। हालांकि, निर्णायक सेट में उन्हें 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। मैच के बाद जेन्सी ने कहा कि उनकी प्रतिद्वंद्वी के पास उनसे ज्यादा अनुभव था और वह खेल की गति बदलने में सक्षम थीं। उन्होंने कहा कि इस मुकाबले से उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला और वह अपने प्रदर्शन से खुश हैं।



दूसरे टेस्ट से पहले बांग्लादेश टीम में बड़ा बदलाव, मोमिनुल हक बाहर

एजेंसी, नई दिल्ली

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए 15 सदस्यीय टीम में बदलाव किया है। यह मैच पांच नवंबर से सिलहट (बांग्लादेश) में खेला जाएगा। बांग्लादेश क्रिकेट ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर बताया कि मोमिनुल हक की जगह अमिते हसन को टीम में शामिल किया गया है। मोमिनुल 'कन्कशन' (सिर की चोट) के कारण अनिवार्य सात दिनों के आराम (स्टैंड-डाउन पीरियड) पर हैं इसलिए वे उपलब्ध नहीं हैं।



पहले टेस्ट मैच में फील्डिंग करते समय सिर में चोट लगने के कारण मोमिनुल हक टीम से बाहर हुई हैं। मैच के दौरान उनकी जगह जाकेर अली को मैदान में उतारा गया था। आईसीसी के कन्कशन दिशा-निर्देशों के अनुसार, उन्हें वापसी से पहले कम से कम सात दिन का अनिवार्य विश्राम करना होगा। टीम में शामिल किए गए विकेटकीपर-बल्लेबाज अमिते हसन ने जिम्बाब्वे के खिलाफ अपना पदार्पण किया था। अभी तक हसन ने केवल एक टेस्ट मैच खेला है। हालांकि उनके पास घरेलू क्रिकेट में अच्छा रिकॉर्ड है। उन्होंने 54 मैचों में 50.50 के औसत से 4040 रन बनाए हैं। पहले टेस्ट में हार के कारण बांग्लादेश की टीम मौजूदा विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप तालिका में चौथे से फिसलकर पांचवें स्थान पर आ गई है।

वेस्ट इंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए बांग्लादेश की टीम: नजमुल हुसैन शान्तो (कप्तान), शादमान इस्लाम, तंजीद हसन, तौहीद हृदोय, लिटन दास, जाकेर अली, मेहदी हसन मिराज, नईम हसन, हसन महमूद, तैजुल इस्लाम, शरिफुल इस्लाम, मुश्फिकुर रहीम, तस्कीन अहमद, इबादत हुसैन, अमिते हसन।

60 से अधिक देशों के 400 पैरा खिलाड़ी दिखाएंगे दम

पद्मश्री दीपा मलिक ने 28वीं विश्व पैरा आर्मरेसलिंग चैंपियनशिप का किया उद्घाटन

एजेंसी, नई दिल्ली



विश्व प्रतियोगिता की मेजबानी मिलने पर जताई खुशी

दीपा मलिक ने बताया कि जब भारत को बुल्गारिया में इन चैंपियनशिप की मेजबानी की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, तब वह वहां मौजूद थीं। अब इस आयोजन को साकार होते देखकर उन्हें खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि पैरा आर्मरेसलिंग तेजी से लोकप्रिय हो रही है और एक खिलाड़ी होने के नाते यह उनके लिए विशेष खुशी का अवसर है।

भारत की पहली महिला पैरालंपिक पदक विजेता और पद्मश्री सम्मानित दीपा मलिक ने रविवार को पूर्वी दिल्ली के एक होटल में 28वीं विश्व पैरा आर्मरेसलिंग चैंपियनशिप का उद्घाटन किया। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में 60 से अधिक देशों के 400 से ज्यादा पैरा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। यह आयोजन 47वीं विश्व आर्मरेसलिंग चैंपियनशिप के साथ किया जा रहा है, जो 26 अक्टूबर से शुरू होकर 7 नवंबर तक चलेगी।

उद्घाटन समारोह में भारतीय पैरालंपिक समिति के उपाध्यक्ष और पेरिस पैरालंपिक 2024 में भारतीय दल के पूर्व शेफ डी मिशन सत्य प्रकाश सांगवान भी मौजूद रहे। दीपा मलिक ने खिलाड़ियों और विभिन्न देशों से आए प्रतिनिधियों का स्वागत किया। समारोह को संबोधित करते हुए दीपा मलिक ने कहा कि खेल का असली उद्देश्य दोस्ती को बढ़ावा देना, बाधाओं को दूर करना और सीमाओं से आगे बढ़कर लोगों को एकजुट करना है। खेल के माध्यम से अलग-अलग संस्कृतियों को समझने और एक-दूसरे से सीखने का अवसर मिलता है। यही सच्ची खेल भावना है। उन्होंने कहा कि 60 से अधिक देशों के 400 से ज्यादा पैरा खिलाड़ियों का भारत में एकत्र होना देश में समावेशी खेल व्यवस्था के विकास को दर्शाता है।

उन्होंने प्रतियोगिता के आयोजन में योगदान देने के लिए पीपुल्स आर्मरेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया की अध्यक्ष और एशियन आर्मरेसलिंग फेडरेशन की उपाध्यक्ष प्रीति झंगियानी तथा प्रो पंजा लीग के सह-संस्थापक परवीन डबास का आभार जताया।

इस मौके पर सत्य प्रकाश सांगवान ने आयोजन की व्यवस्थाओं की सराहना की और खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विशेष रूप से प्रीति झंगियानी और आयोजकों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

अक्तूबर में एफपीआई ने 34,843 करोड़ रुपए की निकासी की

शेयर बाजार से विदेशी पूंजी की बड़ी निकासी

एजेंसी, नई दिल्ली



एआई चित्र

भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की निकासी का सिलसिला अक्टूबर में भी जारी रहा। विदेशी निवेशकों ने इस महीने भारतीय शेयरों से 34,843 करोड़ रुपये निकाल लिए। यह लगातार दूसरा महीना है, जब एफपीआई ने बाजार से बड़ी रकम बाहर निकाली है। हालांकि, महीने के अंतिम सप्ताह में विदेशी निवेशकों का रुख बदला और उन्होंने 26 से 30 अक्टूबर के बीच करीब 6,300 करोड़ रुपये का निवेश किया।

विशेषज्ञों के अनुसार, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों को लेकर बनी अनिश्चितता विदेशी निवेशकों की बिकवाली के प्रमुख कारण रहे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आर्थिक परिस्थितियों और निवेश से जुड़े जोखिमों का असर भी भारतीय शेयर बाजार पर दिखाई दिया। इसके चलते विदेशी निवेशकों ने लगातार दूसरे महीने भारतीय इक्विटी बाजार से दूरी बनाए रखी।

अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में हुई खरीदारी से हालांकि बाजार को कुछ राहत मिली। इस दौरान एफपीआई ने फिर से भारतीय शेयरों में निवेश शुरू किया। इससे संकेत मिला कि विदेशी निवेशकों का रुख महीने के अंत में कुछ हद तक बदला है। फिर भी पूरे महीने का कुल निवेश आंकड़ा बड़े पैमाने पर निकासी को दर्शाता है। विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के बीच घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने बाजार को संभालने में अहम भूमिका निभाई।

उनकी खरीदारी से बाजार को स्थिरता मिली और विदेशी पूंजी की निकासी का दबाव कुछ हद तक कम हुआ। बाजार में घरेलू निवेशकों की सक्रियता ने उतार-चढ़ाव के बीच सहारा दिया। कुल मिलाकर अक्टूबर में एफपीआई की भारी निकासी भारतीय शेयर बाजार के लिए चिंता का विषय रही।

जीएसटी संग्रह में उछाल पिछले साल से 22.9 प्रतिशत अधिक

एजेंसी, नई दिल्ली। अक्तूबर में देश का सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 2.31 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। रविवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, यह पिछले साल अक्तूबर के मुकाबले 22.9 प्रतिशत अधिक है। जीएसटी संग्रह में हुई इस बढ़ोतरी में घरेलू राजस्व के साथ आयात से प्राप्त राजस्व की भी अहम भूमिका रही। आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष 2026-27 के पहले सात महीनों यानी अप्रैल से अक्तूबर तक कुल सकल जीएसटी संग्रह 14.78 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 13.2 प्रतिशत अधिक है। इससे चालू वित्त वर्ष में कर संग्रह में लगातार बढ़ोतरी का संकेत मिलता है। अक्तूबर में घरेलू स्रोतों से प्राप्त सकल जीएसटी राजस्व 15.8 प्रतिशत बढ़कर 1.59 लाख करोड़ रुपये हो गया। वहीं, आयात से मिलने वाले राजस्व में कहीं अधिक वृद्धि दर्ज की गई। यह 42.2 प्रतिशत उछलकर 72,246 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आंकड़े बताते हैं कि अक्तूबर के दौरान आयात से जुड़े जीएसटी राजस्व में तेज वृद्धि हुई, जबकि घरेलू राजस्व में भी सकारात्मक बढ़त बनी रही।

भाजपा ने विपक्षी रैली को बताया सुपर फ्लॉप, मैदान 40 प्रतिशत खाली

एजेंसी, नई दिल्ली



भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित इंडी गठबंधन की रैली को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा है। भाजपा ने रैली को 'सुपर फ्लॉप' करार देते हुए दावा किया कि मैदान का करीब 40 प्रतिशत हिस्सा खाली था। पार्टी ने इसे विपक्षी गठबंधन के प्रदर्शन और उसकी जनसमर्थन जुटाने की क्षमता पर सवाल के रूप में पेश किया।

भाजपा सांसद संबित पात्रा ने रैली को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्ष के अन्य नेताओं पर तंज कसा। उन्होंने विपक्षी गठबंधन के आयोजन पर सवाल उठाते हुए कहा कि रामलीला मैदान में अपेक्षित भीड़ नहीं जुट सकी। भाजपा की ओर से रैली की तस्वीरों और मैदान में खाली जगह का हवाला देते हुए विपक्ष पर निशाना साधा गया। भाजपा ने इस आयोजन को विपक्षी दलों के लिए राजनीतिक संदेश बताते हुए रैली की सफलता पर सवाल उठाए।

पार्टी का दावा है कि इतने बड़े आयोजन के बावजूद मैदान का एक बड़ा हिस्सा खाली रहा। इसी आधार पर भाजपा नेताओं ने विपक्षी गठबंधन के शक्ति प्रदर्शन को कमजोर बताया। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में रैली में शामिल लोगों की आधिकारिक संख्या या मैदान की वास्तविक क्षमता का विवरण नहीं दिया गया है। ऐसे में मैदान के 40 प्रतिशत खाली रहने का आंकड़ा भाजपा का दावा है।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवात मुरासु का खतरा, आंध्र तट से टकराने की आशंका

एजेंसी, नई दिल्ली



बंगाल की खाड़ी में बना डिप्रेशन तेज होकर चक्रवाती तूफान मुरासु में बदल सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, यह तूफान 3 नवंबर की सुबह आंध्र प्रदेश के नेल्लोर और नरसापुर के बीच तट से टकरा सकता है। इस दौरान हवा की रफ्तार 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की आशंका है। एक सप्ताह के भीतर यह दूसरा चक्रवाती तूफान होगा, जिससे तटीय इलाकों में चिंता बढ़ गई है।

उत्तर प्रदेश में अर्नब तूफान के असर से तीन दिन लगातार बारिश हुई, जिससे ठंड बढ़ गई है। रविवार सुबह लखनऊ, सहारनपुर, शामली, बागपत और मुजफ्फरनगर समेत 10 शहरों में घना कोहरा छाया रहा। कई जगह दृश्यता इतनी कम रही कि 50 मीटर दूर देखना भी मुश्किल हो गया।

वहीं, उत्तराखंड के उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग समेत नौ जिलों में रविवार को बारिश होने की संभावना जताई गई है। पहाड़ी इलाकों में ठंड का असर भी बढ़ गया है। रविवार सुबह केदारनाथ में तापमान माइनस 8 डिग्री और यमुनोत्री में माइनस 5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम के बदले मिजाज से देश के कई राज्यों में जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

ओडिशा में लैंडस्लाइड से 12 लोग लापता

ओडिशा में लगातार बारिश के कारण गंजाम और कंधमाल जिले की सीमा पर स्थित एक गांव में भूस्खलन हुआ। हादसे में 12 लोग लापता हो गए हैं। राज्य सरकार ने शनिवार को लापता लोगों की तलाश के लिए सर्च ऑपेरशन तेज कर दिया।

बुर्का पहनकर 5 घरों में चोरी करने वाली महिला गिरफ्तार

एजेंसी, हैदराबाद। हैदराबाद में बंद घरों को निशाना बनाकर चोरी करने के आरोप में पुलिस ने 25 वर्षीय महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान पगा जया के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, वह चोरी की पांच वारदातों में शामिल थी।

पुलिस ने आरोपी के पास से सोने-चांदी के गहने, नकदी और आईफोन 17 समेत करीब 70 लाख रुपये का सामान बरामद किया है। जांच में सामने आया कि जया ऑनलाइन वीडियो देखकर घरों के ताले तोड़ने और चोरी करने के तरीके सीखती थी। वह अपने पति को बिना बताए चोरी की योजना बनाती थी और पहचान छिपाने के लिए बुर्का पहनकर वारदात करती थी। पुलिस के अनुसार, आरोपी चोरी के पैसों से आलीशान जिंदगी जीना चाहती थी। एक बंद घर में घुसने की कोशिश के दौरान वह सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी।

ट्रंप की ईरान को फिर हमले की धमकी

नेतन्याहू से फोन पर की बात, बोले- एक-दो परमाणु ठिकाने उड़ाने बाकी

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी/तेल अवीव

मिडटर्म चुनाव के बाद हमले की अटकलें

ट्रंप इन दिनों 3 नवंबर को होने वाले अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के प्रचार में व्यस्त हैं। इन चुनावों में अमेरिकी संसद के लिए प्रतिनिधि चुने जाएंगे। ईरान के साथ तनाव और अमेरिका में ईंधन की बढ़ती कीमतें रिपब्लिकन पार्टी के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसी वजह से अमेरिका ने ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई की तारीख आगे बढ़ाई है। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

रूबियो बोले- बातचीत से समाधान चाहते हैं ट्रंप

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शनिवार को अटलांटा में जी20 की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ट्रम्प ने ईरान पर दोबारा हमला करने का अभी कोई फैसला नहीं लिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति बातचीत के जरिए विवाद सुलझाना चाहते हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर अमेरिका सैन्य कार्रवाई भी कर सकता है। रूबियो ने ईरान पर आरोप लगाया कि वह अपनी मांगें मनवाने के लिए जहाजों पर हमले और पड़ोसी देशों के तेल-गैस ठिकानों को निशाना बनाने की धमकियां दे रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बातचीत की। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच यह बातचीत ईरान को लेकर बढ़ते तनाव के बीच हुई। इसके बाद रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े एक या दो ठिकानों को नष्ट करना अभी बाकी है।



वहीं, अमेरिकी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के मुताबिक, वॉशिंगटन ने खाड़ी देशों को ईरान पर नए हमलों के लिए तैयार रहने को कहा है। ये हमले 4 नवंबर से शुरू हो सकते हैं। यह तारीख अमेरिका में 3 नवंबर को होने वाले मिडटर्म चुनाव के अगले दिन की है।

अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पिछले कुछ हफ्तों में अमेरिका ने पश्चिम एशिया में हवाई सुरक्षा प्रणाली, गोला-बारूद और सैन्य उपकरणों की तैनाती बढ़ाई है। इसके साथ ही अमेरिकी सेना ने अपने सैनिकों और सैन्य सामान को उन ठिकानों से दूसरी जगह भेजना शुरू कर दिया है, जहां ईरान जवाबी हमला कर सकता है। अमेरिकी रक्षा अधिकारियों का मानना है कि अमेरिकी सेंट्रल कमांड और इजराइल ने संभावित सैन्य कार्रवाई की तैयारी कर ली है।

इजराइली न्यूज चैनल के मुताबिक, पिछले सप्ताह अमेरिका के 10 सैन्य मालवाहक विमान इजराइल पहुंचे थे। इनमें हवाई हमलों से बचाव के लिए जरूरी उपकरण होने की बात कही गई है।